P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

P-12

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 | अंक : 8 | नई दिल्ली, बुधवार, 8 अप्रैल 2026 | Email.timesofpedia@gmail.com | पृष्ठ : 012 | मूल्य 2./-

संक्षिप्त समाचार

यूपी के शिक्षामित्रों को मई से मिलेगा बढ़ा मानदेय

● 1.43 लाख शिक्षामित्रों और 24 हजार अनुदेशकों को राहत

लखनऊ (एजेंसी)। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी के फैसले पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले वर्ष पांच सितंबर, शिक्षक दिवस के अवसर पर इसकी घोषणा की थी, जिसे अब एक अप्रैल से लागू कर दिया गया है। बढ़ा हुआ मानदेय एक मई से उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा। इसके तहत परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों को

अब 18 हजार रुपये और अंशकालिक अनुदेशकों को 17 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इससे पहले शिक्षामित्रों को 10 हजार और अनुदेशकों को 9 हजार रुपये मानदेय दिया जा रहा था। कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इनमें से 1,29,332 शिक्षामित्रों का मानदेय अब तक समग्र शिक्षा अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार के बीच 60-40 के अनुपात में दिया जाता रहा है। मानदेय बढ़ने के बाद इन पर 1138.12 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय आएगा, जिसे प्रदेश सरकार वहन करेगी। इसके अलावा 13,597 शिक्षामित्र ऐसे हैं, जिनका मानदेय पूरी तरह राज्य सरकार देती है। इनके लिए 119.65 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार भी राज्य सरकार उठाएगी। वहीं, प्रदेश के 13,769 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 24,717 अंशकालिक अनुदेशक कार्यरत हैं।

एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन का इस्तीफा

● अहमदाबाद प्लेन क्रैश की रिपोर्ट आने के बाद पद छोड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एयर इंडिया ने नए सीईओ की तलाश भी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, विल्सन सितंबर में अपना पद छोड़ सकते हैं। पिछले हफ्ते हुई कंपनी की बोर्ड बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विल्सन को 2022 में एअर इंडिया का सीईओ और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था। उनका कॉन्ट्रैक्ट 5 सालों के लिए, जुलाई 2027 तक था। रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरलाइन अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद नए सीईओ की नियुक्ति करेगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने 12 जुलाई 2025 को हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। अंतिम रिपोर्ट जून 2026 में आ सकती है। विल्सन के इस्तीफे पर एअर इंडिया ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एअर इंडिया नए सीईओ के लिए संभावित उम्मीदवारों के साथ हाई लेवल बातचीत कर रही है। इस संबंध में अगले हफ्ते एक अहम बैठक भी होने वाली है। दावे के मुताबिक, कंपनी ने नए सीईओ की तलाश जनवरी में ही शुरू कर दी थी, जब विल्सन ने कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद पद छोड़ने के संकेत दिए थे। विल्सन के पास विमानन क्षेत्र में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है और उन्होंने फुल-सर्विस और लो-कॉस्ट दोनों तरह की एयरलाइनों में काम किया है।

संत अपना काम करें | हम डंडा लेकर दरवाजे पर खड़े रहेंगे

● मोहन भागवत बोले-संत भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए काम करें

मथुरा (एजेंसी)। संत मलूक दास की मंगलवार को 452वीं जयंती थी। वृंदावन के मलूक पीठ में उनका जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। इसमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। मंच पर संत रसिक माधव दास ने मोहन भागवत को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। भागवत ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। संघ प्रमुख ने कहा- समाज को गो-भक्त बनाया जाए, तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह बात है। वे करना चाहते हैं, लेकिन कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में साहसी कदम उठाने के लिए समाज का साथ जरूरी है। गो-जागृति को मजबूत करना होगा। जब जनभावना तैयार हो जाएगी, तो व्यवस्था को भी उसे मानना पड़ेगा। उन्होंने कहा-अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया को एक सुंदर अनुभव कराए। संत और संघ मिलकर काम करेंगे। संत अपना कार्य करेंगे और हम डंडा लेकर दरवाजे पर खड़े रहेंगे। यही हमारी ड्यूटी है। कृष्ण भक्त संत मलूक दास का जन्म कौशांबी में खत्री परिवार में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी साधना स्थली वृंदावन को बनाया। यहां उन्होंने यमुना किनारे वंशीवट पर अपनी कुटिया बनाई, जिसे मलूक पीठ के नाम से जाना जाता है।

संघ प्रमुख ने सूर्य से जुड़ा हुआ किस्सा सुनाया

संघ प्रमुख ने कहा- सूरज (सूर्य) ने सोचा कि छुट्टी पर जाएंगे। वह दिन-रात काम करते हैं, कभी छुट्टी नहीं लेते। उन्होंने सभी देवताओं को बुलाया और कहा- भाई, मैं छुट्टी पर जा रहा हूं। मेरा चार्ज कौन लेगा। इस पर चंद्रमा का नाम आया। चंद्रमा ने कहा- महाराज, आप नहीं रहेंगे तो अमावस्या हो जाएगी, मैं आपका चार्ज नहीं ले सकता। और भी लोग थे, लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ। आखिर में एक दीप खड़ा हुआ और बोला- मुझे नहीं पता कि मैं आपका चार्ज ले सकता हूं या नहीं। मुझे यह असंभव लगता है, लेकिन मैं आपको एक वचन देता हूं। जब तक मेरा तेल और बाती कायम है, तब तक मैं जलता रहूंगा।

समाज जैसा बनेगा वैसा ही देश बनेगा

उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब पूरे भारत की यही सामूहिक इच्छा बन जाएगी। समाज जैसा बनेगा, देश भी वैसा ही बनेगा। इसलिए समाज कैसा हो, इसके लिए हमारे पास संतों की समृद्ध परंपरा मौजूद है और हमें उनका अधिक से अधिक अनुकरण करना चाहिए। मोहन भागवत ने कहा- 2014 से 2019 तक राम मंदिर क्यों नहीं बना, लेकिन 2019 के बाद बना। क्यों कि देश की भावना उससे जुड़ गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि और भी विषय हैं, फिर भी जनभावना के चलते फैसला हुआ। उन्होंने कहा कि इसी तरह गाय के मुद्दे पर भी जनभावना मजबूत होगी।

समाज को गो-भक्त बनाया जाए तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी

मोहन भागवत ने कहा- समाज को गो-भक्त बनाया जाए, तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह बात है। वे करना चाहते हैं, लेकिन कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में साहसी कदम उठाने के लिए समाज का साथ जरूरी है। गो-जागृति को मजबूत करना होगा। जब जनभावना तैयार हो जाएगी, तो व्यवस्था को भी उसे मानना पड़ेगा। 2014 से 2019 तक राम मंदिर क्यों नहीं बना, लेकिन 2019 के बाद बना, क्योंकि देश की भावना उससे जुड़ गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि और भी विषय हैं, फिर भी जनभावना के चलते फैसला हुआ। इसी तरह गाय के मुद्दे पर भी जनभावना मजबूत होगी, तो रास्ता निकल आएगा। वह दिन दूर नहीं, जब पूरे भारत की यही सामूहिक इच्छा बन जाएगी।

दो बच्चों की मौत के बाद मणिपुर में फिर बवाल

● भड़की हिंसा, पुलिस फायरिंग-आगजनी, 5 जिलों में इंटरनेट बंद

इंफाल (एजेंसी)। पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सोमवार रात संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा रॉकेट और मिसाइलों से किए गए हमलों में दो बच्चों की मौत हो गई और उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस घटना के बाद वहां भारी विरोध-प्रदर्शन हुआ है और इलाके में हिंसा भड़क उठी है। इसे देखते हुए सुरक्षा बलों को फायरिंग करनी पड़ी। सुरक्षा बलों की इस फायरिंग में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। इसके बाद बवाल और बढ़ गया। इसे देखते हुए अधिकारियों ने बिष्णुपुर और उससे सटे पांच जिलों-इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर में इंटरनेट बंद है।

पुलिस थाने पर हमला, आगजनी

इस घटना के विरोध में सुबह होते-होते बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और सड़कें जाम कर दीं। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने वहां पुलिस पिकेट को भी निशाना बनाया और पेट्रोल पंप के पास दो तेल टैंकरों और एक ट्रक सहित कई वाहनों में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने मोइरांग पुलिस थाने के बाहर टायरों में भी आग लगा दी। पुलिस की एक अस्थायी चौकी में भी तोड़फोड़ की गई। जैसे-जैसे तनाव बढ़ता गया, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया।

मुख्यमंत्री ने की हमले की कड़ी निंदा

मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे बर्बर कृत्य और मानवता पर सीधा हमला करार दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और कानून के तहत उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, यह बर्बर कृत्य मानवता पर सीधा हमला है और मणिपुर में लंबे समय से कायम शांति को भंग करने का प्रत्यक्ष प्रयास है। मैं इसकी घोर निंदा करता हूं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी, उन्हें ढूंढा जाएगा और कानून के तहत कड़ी सजा दी जाएगी। ऐसे आतंकी कृत्यों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद घायल महिला की स्थिति का जायजा लेने के लिए राज पॉलीक्लिनिक पहुंचे। उन्होंने पीड़ित महिला को सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल और सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

16 साल बाद पकड़ा गया लश्कर का आतंकी अबू हुरैरा

● जम्मू कश्मीर में बड़ी सफलता, चार अन्य को भी दबोचा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले का एक साल पूरा होने से पहले लश्कर ए तैयबा के आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने अंतर-राज्यीय इस मॉड्यूल में कुल पांच लोगों को अरेस्ट किया है। इसमें 16 साल से चकमा देर रहा लश्कर को कुख्यात आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा भी शामिल है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार यह कफी समय से पकड़ से बच रहा था। बताया जा रहा है कि आतंकी का संपर्क कई नेटवर्क के साथ है।

देश के मुसलमानों को भड़का रही है कांग्रेस

● खरगे के बयान पर बीजेपी ने किया पलटवार

आरएसएस-बीजेपी को बताया था जहरीला सांप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर सियासत तेज है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा बीजेपी और आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से करने पर अब बीजेपी ने जबरदस्त पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए इसे जिहादी पार्टी बताया है। साथ ही चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आईएनसी इंडियन नेशनल कांग्रेस नहीं, बल्कि ये इंडियन जिहादी कांग्रेस बन चुकी है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार मल्लिकार्जुन खरगे मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए उन्हें सीधे-सीधे भड़का रहे हैं।

बंगाल की तरफ आंख उठाकर भी देखा तो...

● राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को दिलाई 1971 की याद

कोलकाता (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को एक बार फिर तगड़ी लताड़ लगाई है। इस बार इसकी वजह पाकिस्तान की ओर से बीते

दिनों आई गीदड़भभकी है। बीते दिनों पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कोलकाता तक घुसकर हमला करने की बात कही थी, जिसके बाद अब राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को उसकी औकात याद दिलाई है। रक्षा मंत्री ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान को 55 साल पहले की वह घटना भूलनी नहीं चाहिए जब उसने बंगाल पर आंख उठाने की जुर्रत की थी तब कैसे वह दो टुकड़ों में बंट गया था। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस बार पाकिस्तान ने ऐसी कोई गलती की तो अंजाम और बुरा होगा। मंगलवार को पश्चिम बंगाल में एक जनसभा से इतर ख्वाजा आसिफ के बयानों के बारे में पूछे जाने पर, राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री द्वारा इस तरह का बयान नहीं दिया जाना चाहिए।

ख्वाजा आसिफ ने दी थी गीदड़भभकी

इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बीते शनिवार को भारत को गीदड़भभकी दी थी। ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुस्साहस की कोशिश का जवाब कोलकाता में हमले से दिया जाएगा। आसिफ ने अपने होमटाउन सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए एक बयान में कहा था, अगर भारत इस बार हमें जिम्मेदार ठहरा कर कोई ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम कोलकाता तक निशाना साधेंगे। अब राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को समझा दिया है।

● पूछताछ के लिए पहुंची असम पुलिस, नहीं मिले खेड़ा

सीएम हिमंत शर्मा बोले- भाग गए हैदराबाद, छोड़ेंगे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर तीन-तीन पासपोर्ट रखने के आरोप लगाने के बाद अब वरिष्ठ कांग्रेस प्रवक्ता

पवन खेड़ा मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। मंगलवार 7 अप्रैल को निजामुद्दीन स्थित पवन खेड़ा के घर पास असम क्राइम ब्रांच की टीम पहुंची है। उनकी पत्नी ने असम पुलिस में प्रताड़ित करने की शिकायत की थी। जिस संबंध में जांच के लिए असम पुलिस उनके घर पर आई और लगभग दो घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान उनके आवास पर दिल्ली पुलिस की टीम भी मौजूद रही। असम पुलिस करीब दो घंटे की पूछताछ के बाद पवन खेड़ा के घर से निकल गई। जब मौके पर मौजूद पत्रकारों ने असम पुलिस से सवाल किए तो उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा कि इस मामले में अभी जांच चल रही है और इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। इस दौरान असम पुलिस के अधिकारियों के हाथ में कुछ कागजात देखे गए। हालांकि यह कागजात क्या हैं और क्या यह पवन खेड़ा के घर से ही जब्त किए गए हैं इसे लेकर कोई पुष्टि नहीं हो सकी।

पंजाब में नवजोत की पत्नी नवजोत का नया सियासी दांव

9 साल पुरानी पार्टी का पोस्टर शेयर कर बढ़ाई हलचल, कांग्रेस छोड़ चुकीं

अमृतसर (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस के पूर्व पंजाब अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अब नया दांव खेला है। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर नई दिल्ली की 9 साल पुरानी भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का पोस्टर शेयर किया है। कयास लगाया जा रहा कि वह अब इसी पार्टी का झंडा उठाकर पंजाब के विधानसभा चुनाव में उतरेंगी। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हुई की उन्होंने इस पार्टी को जॉइन कर लिया। लेकिन इससे अब उनके बीजेपी में जाने अटकलों पर रोक लग गई है। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा- हमने राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प का काम किया है, जिसमें हमने वर्तमान राजनीतिक नेताओं के प्रदर्शन मानकों का गहराई से अध्ययन और मूल्यांकन किया है। हम केवल अपने देश के लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहते हैं और लोगों को वही देना चाहते हैं, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं और हमसे अपेक्षा रखते हैं। नवजोत कौर ने पार्टी की घोषणा के लिए की गई पोस्ट में ये लिखा- एक जैसी सोच के लोगों को जोड़ा- नवजोत कौर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि यह एक दिव्य प्रेरणा है, जिसने कुछ समान सोच वाले लोगों को एक साथ जोड़ा है, जिनमें क्षमता, आत्मविश्वास, साहस और दृढ़ संकल्प है कि वे हर राज्य में एक समान लक्ष्य के साथ काम करें। न्याय, शांति और प्रेम के माध्यम से उच्च चेतना की ऊर्जा जरूरी है।

पंजाब को खोई हुई गरिमा वापस दिलाएंगे

डॉ नवजोत कौर ने पोस्ट में आगे लिखा कि हम पंजाब को उसकी खोई हुई गरिमा दिलाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे, ताकि वह फिर से एक स्वर्णिम राज्य बन सके। जहां लोग प्रेम, साझेदारी, न्याय, स्वतंत्रता के अधिकार और नि:स्वार्थ सेवा के उद्देश्य के साथ आध्यात्मिक विकास की राह पर चलें और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के अपने लक्ष्य, मूल्यों और दृष्टिकोण को प्राप्त करें। डॉ नवजोत कौर सिद्धू ने लिखा कि हम एक ऐसी सरकार देंगे जो जनता की हो, जनता के लिए हो और जनता द्वारा चलाई जाए।

भाजपा में जाने के लगाए जा रहे थे कयास

डॉ. नवजोत कौर ने जब कांग्रेस में सीएम की कुर्सी 500 करोड़ में बिकने वाला आरोप लगाया तो उसके बाद पंजाब की राजनीति में उथल-पुथल मच गई। कांग्रेस के स्थानीय नेता से लेकर हाईकमान तक सब विपक्ष के निशाने पर आ गए। उसके बाद पार्टी ने सख्त रवैया दिखाते हुए नवजोत कौर को शोकॉज नोटिस जारी किया। पार्टी उन्हें बाहर का रास्ता दिखाती, उससे पहले उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। कांग्रेस छोड़ने के बाद नवजोत ने मोदी सरकार की तारीफ करनी शुरू की तो कयास लगाए जा रहे थे कि वह भाजपा में शामिल होंगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

बागी सिपाहियों को सबक सिखाने के मूड में कांग्रेस

उमेश चतुर्वेदी

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनावी घमासान बढ़ता जा रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का दांव चूंकि दो राज्यों में ही सबसे ज्यादा है, इसलिए उसका सारा ध्यान इन्हीं दो राज्यों पर है। असम और केरल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति अलग-अलग है। इसलिए दोनों ही राज्यों में उसकी चुनौतियां अलग हैं, इसलिए उसकी लड़ाई के रूप और तरीके अलग-अलग हैं। हरियाली और समुद्री किनारे के चलते केरल को खूबसूरत राज्यों में शुमार किया जाता है। इस खूबसूरती की ही वजह से केरल को ह्यभगवान का देशह्ल कहा जाता है। बारह साल से केंद्रीय सत्ता से दूर कांग्रेस को उम्मीद भगवान के इसी देश से ही ज्यादा है। पिछले लोकसभा चुनावों में जिस तरह इस राज्य से उसे समर्थन मिला था, उसकी वजह से उसकी उम्मीदों का परवान चढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन यहां उसकी चुनौती भगवान को न मानने वाली विचारधारा से है। केरल की सत्ता पर काबिज जिस वाममोर्चा से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला है, राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ बने विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस उसी वाममोर्चे के साथ है। स्थानीय स्तर पर विरोध और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का विरोधाभास अगर सर्वाधिक शिक्षित राज्य में भारी पड़ सकता है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में राजधानी तिरूअनंतपुरम में जीत हासिल कर चुकी बीजेपी इस विरोधाभास को खूब उछाल रही है। वैसे तो बीजेपी का दावा है कि इस बार भगवान के देश में भगवा ध्वज फहरने जा रहा है, हालांकि अब तक चुनावी अभियान से साफ है कि बीजेपी को वैसी सफलता मिलती नजर नहीं आ रही। लेकिन बीजेपी का मौजूदा जीन आखिरी दम तक हार नहीं मानने का है। इसलिए पार्टी की कोशिश सीपीएम की अगुआई वाले वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त मोर्चे के विरोधाभास को उजागर करने पर है। पार्टी को लगता है कि देश के इस सर्वाधिक साक्षर राज्य में अगर जनता ने इस विरोधाभास को समझ लिया तो राज्य के चुनावी नतीजे 2017 के उत्तर प्रदेश के परिणामों की तरह आश्चर्यजनक रूप से अपने पक्ष में किए जा सकते है। 2017 में किसने सोचा था कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। इसी कोशिश के तहत अमित शाह केरल की करीब 19 प्रतिशत जनसंख्या वाले ईसाई समुदाय से लगातार संपर्क कर रहे हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, केरल के कुल 3.34 करोड़ निवासियों में से लगभग 61.41 लाख ईसाई हैं, जो मुख्य रूप से मध्य केरल में केंद्रित हैं। पारंपरिक रूप से केरल में यह समुदाय

कांग्रेस का सहयोग करता रहा है, लेकिन बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को कांग्रेस से तोड़ने की रही है। हालिया अतीत के कुछ चुनावों में यह समुदाय बीजेपी के साथ खड़ा होता नजर आया है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लव जेहाद का शिकार केरल में यह समुदाय भी होता रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर इस समुदाय में भी कुछ वैसा ही गुस्सा है, जैसा उत्तर भारत में हिंदू समाज में ऐसा नजर आता है। कांग्रेस का संकट है कि वह वाममोर्चा का विरोध और समर्थन की उलटबांसी की सटीक काट नहीं खोज पा रही है। इस वजह से राज्य का चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है। वैसे बीजेपी जिस तरह की कोशिश करती नजर आ रही है, उससे सबसे ज्यादा संकट में कांग्रेस की संभावनाएँ ही नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि बीजेपी की रणनीति कांग्रेस को इस राज्य की सत्ता से दूर रखने की ही है।

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है। जिस तरह उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन-तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का आरोप है कि रिन्की भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरता, एंटीगुआ और बारबुडा एवं मिस्र का पासपोर्ट है। कांग्रेस ने इसके समर्थन के कुछ दस्तावेजों की कॉपी भी दिखाई है। हालांकि हिमंत विस्वसरमा का कहना है कि कांग्रेस हताशा में है और उनकी ओर से कांग्रेस के नेताओं पर मानहानि का केस दायर करने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस एक तरह से अपने इस पुराने सिपाही को भ्रष्टतम साबित करने की कोशिश में है। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि हिमंत के पास अमेरिका में भी कंपनी है, जिसमें बावन हजार करोड़ रूपए जमा हैं। कांग्रेस का यह आरोप राहुल गांधी के आरोपों का विस्तार ही लगता है। राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने सहयोगी को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। राहुल गांधी उन्हें सत्ता में वापसी के बाद जेल भेजने की बात कहते रहे हैं। कांग्रेस की इन आरोपों के जरिए कोशिश सिर्फ हिमंत को ही सवालों के घेरे में रखना नहीं है, बल्कि बीजेपी को भी भ्रष्टाचार बताने की भी है। वैसे हिमंत भी राहुल गांधी की आलोचना करते रहे हैं। अपने कांग्रेस छोड़ने की वजह वे राहुल गांधी को ही बताते रहे हैं। दोनों के रिश्तों के संदर्भ में मौजूदा आरोपों को देखें तो यह निजी खुन्नस का भी मामला लगता है। हिमंत इन आरोपों को निजी खुन्नस बताने और असम के लोगों को समझाने की कोशिश में लगे हैं। अगर वे इसमें कामयाब रहे तो असम में कांग्रेस की चुनावी संभावना दूर होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर कांग्रेस के लिए उत्तर पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखना दूर की कौड़ी हो जाएगा। इसका कारण यह है कि हिमंत पूर्वोत्तर भारत में बीजेपी का चेहरा और संकट मोचक बन चुके हैं। अगर कांग्रेस की कोशिशें कामयाब रहीं तो पूर्वोत्तर में बीजेपी की राह कठिन हो जाएगी। हिमंत की हार उसकी चुनावी संभावनाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरेगी। असम पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने अपने हरावल दस्ते के हर हथियार मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस की कोशिशों को पलीता उसकी प्रेस कांफ्रेंस में ही लगता दिखा, जब राष्ट्रीय मीडिया के एक पत्रकार ने उस कंपनी की वेबसाइट खोलकर उसकी स्थापना के तथ्य कांग्रेस प्रवक्ता के सामने पेश करने शुरू कर दिए, जो कांग्रेस के दावे के ठीक उलट नजर आ रहे थे। इसका माकूल और संतोषजनक जवाब कांग्रेस प्रवक्ता नहीं दे पाए।

असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। वहां तो वह लड़ती भी नहीं दिख रही। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कभी कांग्रेस की सिपाही रहीं। केरल की तरह पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस विरोधाभास से जूझ रही है। राष्ट्रीय स्तर पर वह ममता के साथ है, लेकिन राज्य में उसकी पूरी कोशिश ममता को हिमंत की तरह सबक सिखाने की ही लग रही है। दरअसल राज्य में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। हालांकि 2023 में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले की सगरदीघी सीट के उपचुनाव में कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस को हराकर विधानसभा में अपना खाता खोलने में सफल रही थी। मुस्लिम बहुल विधानसभा में कांग्रेस की जीत से ममता की नींद उड़ गई थी। राज्य के करीब पैंतीस फीसद मुस्लिम वोट बैंक में सेंध का डर उन्हें सताने लगा। इसके लिए उन्होंने ऑपरेशन सगरदीघी शुरू किया और यहां से जीते कांग्रेसी विधायक बायरन विश्वास को तृणमूल कांग्रेस में शामिल करा दिया। कांग्रेस ने इसे विश्वासघात माना और लगता ऐसा है कि वह ममता को इन चुनावों में सबक सिखाने की कोशिश कर रही है। वैसे पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य की ग्यारह मुस्लिम बहुल विधानसभा सीटों पर उसके प्रत्याशी पहले नंबर पर रहे थे। इसलिए कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि विधानसभा चुनावों में उसे मुस्लिम वोटरों का साथ मिल सकता है। उसकी पूरी रणनीति इसी लिहाज से आगे बढ़ रही है।

साफ है कि इस बार के चुनावों में कांग्रेस जहां अपने पुराने सिपाहियों को सिखाने की कोशिश में है, वहीं खुद की संभावनाएं बेहतर करने का भी प्रयास कर रही है।

संपादकीय

ट्रंप के बिगड़े बोल

अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई डोनाल्ड ट्रंप जैसा अधीर, अपरिपक्व बयानवीर और व्यापारी सोच का राष्ट्रपति हुआ हो। संयम व गरिमा शब्द उनके शब्दकोश में ही नहीं हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका-इस्त्राइल युद्ध के चरम के बीच उन्होंने जिन अपशब्दों का प्रयोग ईरान के लिये किया, वो उनकी हताशा को ही दशार्ता है। उनके बयानों की पूरी दुनिया के साथ अमेरिका के भीतर भी कड़ी आलोचना हुई है। आज अमेरिका के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या प्रजातंत्र के हित में है? निश्चित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर, अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के आवेगपूर्ण उकसावे के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। एक महाशक्ति के मुखिया द्वारा ऐसी सतही भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है बल्कि घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। जाहिरा तौर उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के बजाय, उसे और आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई करने को उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह जताने की असफल कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा युद्ध मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार है। जिसमें सदियों तक ईसाई और मुसलमान आपस में वर्चस्व के लिये युद्ध करते रहे हैं। उन्होंने राजनीति में धार्मिक भावनाओं का भरपूर इस्तेमाल करते हुए ईरान में मार गिराए गए अमेरिकी फाइटर जहाज के पायलट के बचाव को ह्यईस्टर का चमत्कारह्ल बताने से भी गुरेज नहीं किया। जाहिरा तौर पर पुनरुत्थान और आशा का प्रतीक माने जाने वाले ईसाई धर्मावलंबियों के एक पवित्र दिन का हवाला देना, सैन्य अभियान को नैतिक और दैवीय रंग देने का ही एक असफल प्रयास है। निश्चित तौर पर इस तरह की सतही बयानबाजी एक जटिल भू-राजनीतिक संघर्ष को धार्मिकता की एक सरल कहानी में बदलने का जोखिम पैदा करती है। जो ट्रंप की सैन्य अभियान की तार्किकता सिद्ध करने की विफलता को भी दशार्ती है। यही वजह है कि अमेरिकी सांसदों ने यह पता लगाने के लिये जांच की मांग की है कि क्या धार्मिक मान्यताओं का प्रयोग सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिये किया जा सकता है? निश्चित रूप से उन सांसदों की चेतावनी एक मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत पर आधारित है, वो है चर्च और राज्य का पृथक्करण का सिद्धांत। उनका तर्क है कि सैन्य निर्णय कानून,रणनीति और जवाबदेही द्वारा निर्देशित होने चाहिए, न कि ईश्वर या बाईबल की भविष्यवाणियों का हवाला देकर। निश्चित रूप से ट्रंप की इन आक्रामक ब्यानबाजियों और कारगुजारियों की कीमत आने वाले वर्षों में अमेरिकियों को चुकानी पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निदेर्शानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों ?

सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उपजी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरूआत में आपइ ने नई राजनीतिइ का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाने के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरूआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर असहमति और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे -धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों हैं यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बोतल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष वारे, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आमदी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह हैं राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनभेद को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा–ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं।

राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विपक्ष के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है–कैसे वे असहमति को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी। आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे सामूहिक नेतृत्वइ की अवधारणा कमजोर पड़ी है।हालांकि दिल्ली में कुछ क्षेत्रों में प्रगति हुई है, लेकिन अन्य राज्यों में विस्तार के दौरान आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पंजाब में सत्ता मिलने के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं, जिससे पार्टी की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर असर पड़ा है। आम आदमी पार्टी का उदय भारतीय लोकतंत्र में एक सकारात्मक प्रयोग था, जिसने राजनीति में नई सोच और उम्मीद पैदा की। लेकिन यदि पार्टी को जनता का विश्वास बनाए रखना है, तो उसे अपने मूल सिद्धांतों पर लौटना होगा, पारदर्शिता बढ़ानी होगी और आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। अन्यथा, आम आदमीइ की उम्मीदों पर खरा उतरने का दावा धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाएगा।

अगर हम आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसदों पर नजर डाले तो अप्रैल 2026 तक, आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में 10 सांसद हैं, जो मुख्य रूप से पंजाब और दिल्ली से हैं। हाल ही में हुए बदलावों में, अशोक मित्तल को राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया गया है। अब ऐसे में अगर अरविंद केजरीवाल के पुराने साथियों की बात करें तो अब कुछ ही साथी शेष बचे हैं। ऐसे में क्या पार्टी इस अंतकलह को बचायेगी ? क्या राघव चढ्ढा से सुलह हो जायेगा ? आदि ऐसे विषय हैं जिनका हल सिर्फ सिर्फ अरविंद केजरीवाल के पास है।

लेखक जाने माने पत्रकार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

ललित गर्ग

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे 'हम लोग', 'बुनियाद', 'संजीवनी', 'बालिका वधू', 'उड़ान', 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निमार्ता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका

अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

दिल्ली में नाबालिग को बेचने की साजिश नाकाम, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक नाबालिग बच्ची को सुरक्षित बचा लिया है। बताया जा रहा है कि बिहार की रहने वाली नाबालिग अपने एक दोस्त के कहने पर घर से भाग कर दिल्ली आ गई थी और यहां वह जिस शख्स के घर रह रही थी, वह उसे बेचना चाहता था, लेकिन पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, 2 अप्रैल की सुबह लगभग 10:00 बजे कमला मार्केट थाने की एक पुलिस टीम, जिसमें एसआई किरण सेठी, महिला कांस्टेबल खुशबू और महिला कांस्टेबल पूजा शामिल थीं, रूटीन गश्त पर थी, तभी एक लगभग 17 साल की नाबालिग लड़की उनके पास मदद मांगने आई। पीड़िता ने बताया कि वह बिहार के दरभंगा जिले की रहने वाली है। उसने 14 मार्च को अपने परिवार के साथ घरेलू झगड़े के बाद घर छोड़ दिया था और एक दोस्त की सलाह पर दिल्ली आ गई थी। शिवजी दास (52 साल), जो उसके दोस्त का परिचित था, ने उसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रिसीव किया। वह उसे दिल्ली के नेहरू विहार स्थित अपने घर ले गया, जहां वह कथित तौर पर घरेलू काम के लिए 15 मार्च से 2 अप्रैल तक रुकी रही। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब शिवजी दास की पत्नी बाहर गई हुई थी, तो आरोपी ने उसकी इज्जत पर हाथ डालने की कोशिश की, गलत इशारे किए और उसे धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह उसे बदनाम कर देगा। 2 अप्रैल को आरोपी लड़की को एसएन मार्ग इलाके में ले गया। उसने लड़की से एक पार्किंग में इंतजार करने को कहा। उसने कहा कि वह उसके लिए नौकरी ढूंढने के सिलसिले में एक दोस्त से मिलने जा रहा है। इंतजार करते समय पीड़िता को वहां का माहौल संदिग्ध लगा और उसे असुरक्षित महसूस हुआ। जब उसने महिला गश्ती टीम को वहां से गुजरते देखा, तो उसने तुरंत मदद के लिए उन्हें इशारा किया। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। जब टीम गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए पास की एक दुकान पर गई, तो उन्हें पता चला कि आरोपी लड़की को बेचने के लिए सौदेबाजी करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, अमन विहार इलाके में एक व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि व्यक्ति ने स्पीकर ठीक करने के बहाने एक 8 वर्षीया बच्ची को अपने घर बुलाकर उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली से 409 श्रद्धालुओं को पाकिस्तान गुरद्वारों के दर्शनों के लिए मिला वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और सरदार परमजीत सिंह चंडोक के द्वारा खालसा साजना दिवस दिवस वैसाखी पर पाकिस्तान के गुरद्वारों के दर्शनों के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को वीजा लगवाकर पासपोर्ट वितरित किए गए। सरदार परमजीत सिंह चंडोक ने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने 451 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट वीजा के लिए पाकिस्तान एंबेसी को भेजे थे मगर उनमें से 409 श्रद्धालुओं को वीजा दिए गए। जिनको वीजा नहीं मिला उनमें या तो वह श्रद्धालु थे जिनके नाम के साथ सिंह या कौर नहीं था या फिर सहजधारी परिवार थे। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर 2840 श्रद्धालुओं को वीजा दिए गए हैं। सरदार परमजीत सिंह चंडोक ने बताया कि 10 से 19 तारीख तक का वीजा दिया गया है इसलिए सभी श्रद्धालु दस तारीख को सुबह बॉर्डर पार कर के पाकिस्तान प्रवेश करेंगे और पंजा साहिब गुरुद्वारा साहिब में वैसाखी का पर्व श्रद्धा पूर्वक मनाएंगे। उन्होंने कहा पिछली बार एक महिला के पाकिस्तान में जत्थे से अलग होने की जो दुखद घटना घटित हुई थी जो शिरोमणि कमेटी के जत्थे में गई थी, इसलिए हमारी पूरी कोशिश होगी कि इस बार पूरी चौकसी बरती जाए ताकि आगे इस तरह की घटना न हो पाए।

आशा वर्कर्स ने किया प्रदर्शन, मांगे पूरी न होने पर 15 दिन बाद और बड़े आंदोलन की चेतावनी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की आशा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन दिल्ली सचिवालय पर प्रदर्शन किया। पूर्व घोषित योजना के तहत बड़ी संख्या में पहुंचीं आशा वर्कर्स ने सरकार से उनकी मांगें जल्द पूरा करने की अपील की। उनकी मुख्य मांग है कि इंसेंटिव बढ़ाकर कम से कम 15,000 रुपये किया जाए, लंबित फाइलों को तुरंत पास किया जाए और उत्पीड़न पर रोक लगाई जाए। प्रदर्शन के दौरान जमकर नारेबाजी के बीच चेतावनी दी गई कि अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। यूनियन की अध्यक्ष शिक्षा राणा, महासचिव ऊषा ठाकुर, सुजाता, सरोज के साथ-साथ नेशनल पब्लिक हेल्थ एलायंस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार ने भी संबोधित किया। एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में ज्ञापन भी सौंपा। इससे पहले उनकी मुलाकात स्वास्थ्य सचिव से हुई थी, जिन्होंने मांगों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। सरकार के आश्वासन के बाद आंदोलन को 15 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि तय समय में मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

कारोबारी ने गोली मारकर खुदकुशी की

पूर्वी दिल्ली (एजेंसी)। पीतमपुरा इलाके में मंगलवार को 80 वर्षीय बुजुर्ग कारोबारी ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर जान दे दी। मृतक की पहचान उमराव सिंह के तौर पर हुई है। मंगलोपुरी पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। जानकारी के अनुसार, उमराव सिंह रियल एस्टेट कारोबारी थे। वर्ष 2013 में बुजुर्ग की पत्नी की कैंसर से मौत हो गई थी। वह इस समय खुद अस्थमा और न्यूरो की बीमारी से जूझ रहे थे। बुजुर्ग ने मंगलवार को अपने घर में खुद की लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार ली। अचानक फायरिंग की आवाज से घर में भगदड़ मच गई। मृतक के दोनों बेटे रियल एस्टेट कारोबारी हैं।

अभिनय के क्षेत्र में तय उम्र सीमा पर लगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) के नाट्य कला में तीन साल के डिप्लोमा कोर्स में दाखिले के लिए तय की गई 30 साल की उम्र सीमा के लागू होने पर रोक लगा दी है। अदालत ने दो याचिकाकर्ता को उनकी उम्र की परवाह किए बिना कोर्स के लिए आवेदन करने की इजाजत दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने दिया। पीठ ने कहा कि अभिनय जैसे प्रतिभा आधारित क्षेत्र के लिए ऊपरी उम्र सीमा तय करना पहली नजर में मनमाना व मौलिक अधिकारों का उल्लंघन लगता है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता विवेक गुरनानी ने एनएसडी की ओर जारी अधिसूचना को चुनौती दी थी। इसके तहत एक जुलाई 2026 तक ज्यादा से ज्यादा उम्र 30 साल तय की गई है। 34 व 42 साल के दो याचिकाकर्ता योग्यता व अनुभव के मामले में वैसे तो पात्र हैं, लेकिन सिर्फ उम्र की पाबंदी की वजह से उन्हें बाहर कर दिया गया। पीठ ने कहा कि अभिनय व रंगमंच कौशल आधारित क्षेत्र है। जिंदगी के किसी भी स्तर पर विकसित व बेहतर किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि उम्र की इतनी सख्त पाबंदी का कोर्स के मकसद से कोई सही संबंध नहीं है।

दिल्ली कांग्रेस जिला अध्यक्ष पर अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के चयन को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है। पार्टी के पर्यवेक्षक रामचंद्र खूंटिया ने स्पष्ट किया है कि अंतिम निर्णय राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की मंजूरी से ही लिया जाएगा। संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित बैठक में खूंटिया ने बताया कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी। इसके लिए जिला स्तर पर कार्यकर्ताओं, ब्लॉक अध्यक्षों, पूर्व विधायकों, पूर्व पार्षदों, सेवादल, महिला कांग्रेस और एससी-एसटी विभाग के पदाधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से राय ली जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी को बंद कमरे में अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा, ताकि वे बिना किसी दबाव के संगठन को मजबूत करने के सुझाव दे सकें। साथ ही वर्तमान जिला अध्यक्षों के कार्यों का मूल्यांकन भी किया जाएगा और संभावित दावेदारों के नामों पर विचार होगा। खूंटिया के अनुसार इच्छुक नेता निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करेंगे। जिन नामों को अधिक समर्थन मिलेगा, उन्हें अंतिम सूची में शामिल कर शीर्ष नेतृत्व को भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद ही नए जिला अध्यक्षों की घोषणा की जाएगी। बैठक में राजकुमार जैन, मंगतराम सिंगल, राजेश लिलोठिया, भीष्म शर्मा, विपिन शर्मा, लक्ष्मण रावत, राजीव शर्मा, राम ठाकुर, कैलाश जैन, अजीत चौधरी, देवानंद चौधरी, राजकुमार कंवर और पी.पी. सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली की 1,511 कॉलोनियों को मिलेगा कानूनी दर्जा, सीएम रेखा गुप्ता ने पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों के रहने वालों के लिए राहत की खबर है। केंद्र की मोदी सरकार ने एक अहम फैसला लिया है, जिससे करीब 50 लाख लोगों को फायदा मिलेगा। अब दिल्ली की 1,731 अनधिकृत कॉलोनियों में से 1,511 कॉलोनियों को 'जैसा है, जहां है' के आधार पर नियमित किया जाएगा। इसका मतलब है कि जिन परिवारों ने वर्षों तक अपने ही घर में रहते हुए भी अधिकार नहीं पाए, उन्हें अब कानूनी रूप से अपने घर का हक मिलेगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल का दिल्ली की जनता की ओर से आभार जताया। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷आज का दिन दिल्ली के 45 लाख लोगों के जीवन में राहत, सम्मान और अधिकार का नया अध्याय लेकर आया है। प्रधानमंत्री ने वर्षों से अनदेखी इस पीड़ा को समझा, उन परिवारों के सपनों को महसूस किया, जो अपने ही घरों में रहते हुए भी अधिकार से वंचित थे। इसी संवेदनशील सोच से पीएम उदय योजना का मार्ग बना और आज 1,731 में से 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण का रास्ता साफ हुआ है।÷

उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। 7 दिन में जाआईएस सर्वे, 15 दिन में आवेदन की कमी दूर करने की प्रक्रिया और 45 दिन में हस्तांतरण डीड जारी करने की समयसीमा तय की गई है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार ने मिलकर इस प्रक्रिया की 22 बड़ी बाधाओं को दूर किया ताकि लाखों परिवारों को उनका हक बिना अटके, लटके, भटके मिल सके। साथ ही, 20 वर्गमीटर तक की छोटी दुकानों को भी शर्तों के साथ नियमित किया जाएगा, जिससे छोटे व्यापारियों को भी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजनरी सोच के अनुरूप दिल्ली के भविष्य को भी मजबूत किया जा रहा है। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) नीति के तहत मेट्रो और आरआरटीएस कॉरिडोर के आसपास 500 मीटर के दायरे में करीब 207 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में प्लांड, हाई-डेंसिटी और मिक्स्ड यूज डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। इससे सस्ती आवास व्यवस्था, बेहतर कनेक्टिविटी और आसान जीवन का मार्ग खुलेगा, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए यह एक बड़ा सहारा बनेगा।

दरअसल, 2019 में अवैध कॉलोनियों के लिए पीएम उदय योजना को लागू किया गया था। इसके तहत भवन को नियमित करने की योजना थी। उस समय केवल 40 हजार मकानों को नियमित किया गया था और इसकी रफ्तार धीमी थी। अब प्रक्रिया को काफी आसान और तेज बनाया गया है। दिल्ली सरकार का राजस्व विभाग कन्वेंस डीड जारी करेगा, जिससे लोगों को अपने घरों पर कानूनी अधिकार तुरंत मिलेंगे।

शैक्षिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईपी यूनिवर्सिटी ने आयोजित किया भारत-स्पेन संवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपने पूर्वी दिल्ली परिसर में ÷द्विपक्षीय समन्वय : भारत-स्पेन संबंध और उच्च शिक्षा के अवसर÷ पर एक उच्च स्तरीय संवाद आयोजित किया, जिसमें राजनयिक, शैक्षिक और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्पेन और एंडोरा में भारत के राजदूत जयंत के और सीएसएसी (एशिया पैसिफिक और मध्य पूर्व) के प्रबंध निदेशक समीर मित्तल ने भाग लिया, साथ ही विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय और छात्र भी उपस्थित थे।

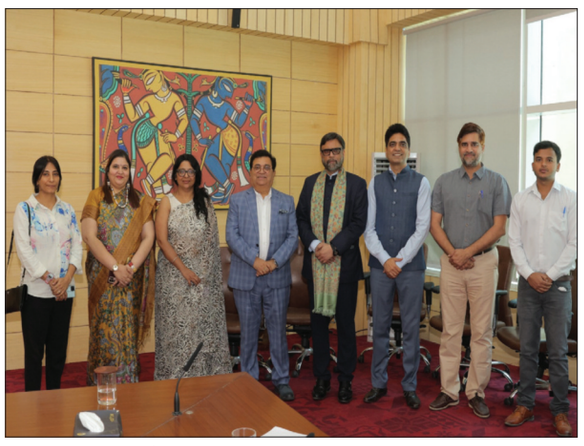

अपने संबोधन में, आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) महेश वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव को संरचित शैक्षिक साझेदारी में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के नवाचार, अनुसंधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थिरता, स्वास्थ्य विज्ञान और प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने पर प्रकाश डाला।

राजदूत ने वैश्विक आर्थिक और तकनीकी बदलाव के बीच भारत-स्पेन संबंधों की बढ़ती गहराई को रेखांकित किया, और कहा कि उच्च शिक्षा इस साझेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने भारत के जनसांख्यिकीय लाभ और अनुसंधान, गतिशीलता और ज्ञान आदान-प्रदान में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया, विशेष रूप से 2026 को भारत-स्पेन संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष के रूप में नामित किए जाने के संदर्भ में।

समीर मित्तल ने उद्योग-शैक्षिक सरेखण के महत्व पर जोर दिया, और कहा कि कौशल-आधारित शिक्षा, वैश्विक संपर्क और सहयोगात्मक ढांचे को बढ़ावा देने की आवश्यकता है जो छात्र रोजगार को बढ़ाते हैं।

चर्चा में छात्र और संकाय आदान-प्रदान, संयुक्त और दोहरी डिग्री कार्यक्रम, क्रेडिट ट्रांसफर सिस्टम, अनुसंधान सहयोग और उद्योग-समर्थित पहल जैसे कार्यान्वयन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शहरी विकास, स्थिरता और भाषा अध्ययन जैसे उभरते क्षेत्र साझेदारी के लिए प्रमुख मार्ग के रूप में पहचाने गए। संवाद का समापन भारतीय और स्पेनिश संस्थानों के बीच संरचित, परिणाम-आधारित सहयोग विकसित करने के साझा सहयोग की वचनबद्धता के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री ने 12वें इंडिया रबर एक्सपो का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को भारत मंडपम 12वें इंडिया रबर एक्सपो का उद्घाटन किया। उन्होंने यहां आए सभी देश-विदेश के प्रतिनिधियों का दिल्ली में हार्दिक स्वागत किया। इस एक्सपो में 14 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ चीन सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और भारतीय रबर उद्योग जगत के सहभागिता कर रहे हैं। ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन 7-10 अप्रैल तक इस एक्सपो का आयोजन कर रहा है, यह एशिया का सबसे बड़ा रबर उद्योग आयोजन है। मुख्यमंत्री सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' ने भारत को एक सशक्त मैन्युफैक्चरिंग राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि रबर उद्योग भी इसी उभरती शक्ति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है। आज भारत अपने सिविल न्यूक्लियर कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो देश की वैज्ञानिक क्षमता, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सतत प्रयासों से उद्योगों को नई गति मिली है और दिल्ली सरकार निवेश, नवाचार और उद्योग-अनुकूल वातावरण को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कालकाजी में सड़कों व ड्रेनेज सुधार की शुरुआत, जलभराव से मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के कालकाजी क्षेत्र में सड़कों और ड्रेनेज व्यवस्था को सुधारने के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है। क्षेत्र से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली नगर निगम की सेंट्रल जोन चेयरमैन योगिता सिंह के साथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस परियोजना पर लगभग तीन करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

बिधूड़ी ने कहा कि इन कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र में जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि ए से एच ब्लॉक और श्याम नगर में सड़कों और ड्रेनेज निर्माण का काम शुरू हो चुका है, जबकि शेष क्षेत्रों में भी जल्द ही कार्य कराया जाएगा।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार दक्षिण दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां जरूरत हो, वहां सीवरेज, पेयजल, पार्कों में जिम और अन्य सुविधाओं के लिए शीघ्र प्रस्ताव तैयार किए जाएं। साथ ही उन्होंने मॉनसून से पहले नालों की सफाई का कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या न हो।

निगम स्कूलों में स्वच्छ पेयजल सुविधा शुरू, विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। निगम विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत वॉटर कूलर और आरओ प्यूरीफायर स्थापित किए हैं। इन सुविधाओं का उद्घाटन विभिन्न विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान किया गया। यह सुविधा उस्मानपुर, भजनपुरा, गौतम विहार और यमुना विहार स्थित गर्ल्स स्कूलों में शुरू की गई है। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों (छाया शर्मा, रेखा रानी और प्रमोद गुप्ता) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर अमित कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनके स्वास्थ्य और समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी से ही राष्ट्र निर्माण को मजबूती मिलती है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की पहल केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का एक व्यापक प्रयास है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी संस्था द्वारा विद्यालयों में वॉल पेंटिंग के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया है। जनप्रतिनिधियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दिल्ली सरकार ने 'मिशन अनमोल' के तहत नवजात शिशुओं की स्क्रीनिंग का दायरा 1.5 लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख प्रतिवर्ष किया

-हर नवजात शिशुओं के लिए व्यापक स्क्रीनिंग और समय पर उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम

-कार्यक्रम को और मजबूत बनाने के लिए कुल 148 पद स्वीकृत, जिसमें 73 मौजूदा पदों को जारी रखने और अतिरिक्त स्टाफ की मंजूरी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य देखभाल और स्क्रीनिंग को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए दिल्ली सरकार ने 'मिशन अनमोल' को लागू करने की मंजूरी दे दी है, जो एक बेहद महत्वपूर्ण और विस्तृत नवजात शिशु स्क्रीनिंग कार्यक्रम है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य राजधानी दिल्ली में जन्म लेने वाले हर शिशु में जन्मजात बीमारियों की समय पर पहचान कर उनका उचित इलाज सुनिश्चित करना है।

दिल्ली के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि 'मिशन अनमोल' पहल के तहत अब हर साल 1.5 लाख की जगह लगभग 2.5 लाख नवजात शिशुओं की पूरी स्क्रीनिंग की जाएगी। हमारा लक्ष्य है कि सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में लगभग हर नवजात की स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जा सके। इस विस्तार से कई प्रकार की मेटाबॉलिक, एंडोक्राइन और फंक्शनल और जन्मजात बीमारियों की समय रहते पहचान और समुचित इलाज सुनिश्चित होगा, जिससे भविष्य में नवजातों के स्वास्थ्य परिणामों में काफी सुधार होगा।

'मिशन अनमोल' पहल एक एकीकृत और टेक्नोलॉजी-आधारित कार्यक्रम है, जिसे राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों और सबसे अच्छे तरीकों के अनुरूप तैयार किया गया है, ताकि हर नवजात शिशुओं की पूरी स्क्रीनिंग को एक मानक के रूप में स्थापित किया जा सके। इस कार्यक्रम के तहत जन्मजात हाइपोथायरायडिज्म, जन्मजात हृदय रोग, सुनने की समस्या और समय से पहले जन्मे बच्चों में होने वाली आंखों की बीमारी (रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी) जैसी स्थितियों के साथ जन्मजात बीमारियों की स्क्रीनिंग की जाएगी, ताकि प्रभावित बच्चों का समय रहते उपचार सुनिश्चित हो सके और उनके जीवन को और बेहतर बनाया जा सके।

इस पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा बड़े पैमाने पर इसके कार्यान्वयन में सहायता के लिए मानव संसाधनों को और मजबूत बनाना है। जिसके लिए कुल 148 पद स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें मौजूदा 73 प्रयोगशाला और फील्ड कर्मचारियों के पदों को जारी रखा गया है। साथ ही में 60 स्टाफ नर्सों और 15 ऑप्टोमेट्रिस्ट के रूप में अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति को भी मंजूरी दी गई है। स्टाफ नर्सें नवजात शिशुओं, विशेषकर समय से पहले जन्मे और गंभीर रूप से बीमार बच्चों के सैंपल लेने, सुरक्षित देखभाल के समन्वय को सुनिश्चित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। वहीं, ऑप्टोमेट्रिस्ट पूरे राज्य में नवजातों की आंखों की स्क्रीनिंग ('रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी') में सहयोग करेंगे, ताकि नवजात शिशुओं में अंधेपन की समस्या को रोका जा सके। हमारा यह कार्यक्रम अस्पतालों, प्रयोगशालाओं और प्रबंधन इकाइयों के बीच एक बेहतर समन्वय स्थापित करेगा, ताकि हर नवजात की अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले पूरी तरह से स्क्रीनिंग सुनिश्चित हो सके।

अनधिकृत कॉलोनियों पर वादों की सियासत, स्थायी समाधान अब भी दूर- जगदीश ममगांई

नई दिल्ली (एजेंसी)। शहरी मामलों के जानकार और एकीकृत नगर निगम की निर्माण समिति के पूर्व अध्यक्ष जगदीश ममगांई ने अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में शुरू की गई पीएम-उदय योजना के बावजूद स्वामित्व अधिकार देने की प्रक्रिया अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकी है। ममगांई के अनुसार, पिछले सात वर्षों में केवल लगभग 40 हजार लोगों को ही स्वामित्व अधिकार मिल पाए हैं, जबकि लाखों लोगों को लाभ मिलने का दावा किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया प्रभावी ढंग से लागू नहीं हुई और इसमें संबंधित एजेंसियों की विफलता भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि पहले इस प्रक्रिया को डीडीए के माध्यम से चलाया जा रहा था, लेकिन अब इसे दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को सौंप दिया गया है। इसके बावजूद 1731 अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण का वादा अभी तक अधूरा है। ममगांई ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य देते हुए बताया कि वर्ष 1983 में 607 कॉलोनियों के नियमितीकरण का प्रस्ताव रखा गया था, जो समय के साथ बढ़कर 1731 तक पहुंच गया। वर्ष 1993 में मदन लाल खुराना सरकार और 2008 में शीला दीक्षित सरकार ने भी इस दिशा में कदम उठाए, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल सका। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने कट-ऑफ तिथि बढ़ाकर सभी अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक निवासी अधिसूचना का इंतजार कर रहे हैं। इसके बजाय वर्ष 2019 में पीएम-उदय योजना के तहत स्वामित्व अधिकार के लिए आवेदन और शुल्क लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। ममगांई ने यह भी कहा कि पिछले चार दशकों में एक भी अनधिकृत कॉलोनी पूरी तरह नियमित नहीं हो सकी है। हालांकि, तोड़फोड़ से राहत देने के लिए कानूनों का बार-बार विस्तार किया जाता रहा है।

इग्नू के दीक्षांत समारोह में 3.24 लाख विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के 39वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए देशभर के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों पर 3.24 लाख से अधिक विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। यह समारोह देश के सबसे बड़े वार्षिक दीक्षांत आयोजनों में से एक माना जाता है।

इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को शोध उपाधि और स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गए, जिससे शैक्षणिक उत्कृष्टता को सम्मान मिला।

समारोह के दौरान देशभर के विभिन्न केंद्रों पर भी आयोजन किए गए, जहां गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव रहा, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान की निरंतर प्रगति का भी प्रतीक बना।

इस अवसर पर 17 स्वयं प्रभा स्टूडियो, पूर्व छात्र पोर्टल और इग्नू प्रोफाइल 2026 का भी शुभारंभ किया गया। इन पहलों के माध्यम से दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सामग्री पहुंचाने में सहायता मिलेगी। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने इग्नू की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज का उत्थान और देश की प्रगति संभव है।

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने भी विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल उपाधि प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवनभर सीखने की प्रक्रिया है।

इग्नू की कुलपति प्रोफेसर उमा कंजीलाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय सभी वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यह संस्थान देश-विदेश में शिक्षा के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दीक्षांत समारोह ने विद्यार्थियों के वर्षों के परिश्रम, अनुशासन और समर्पण को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

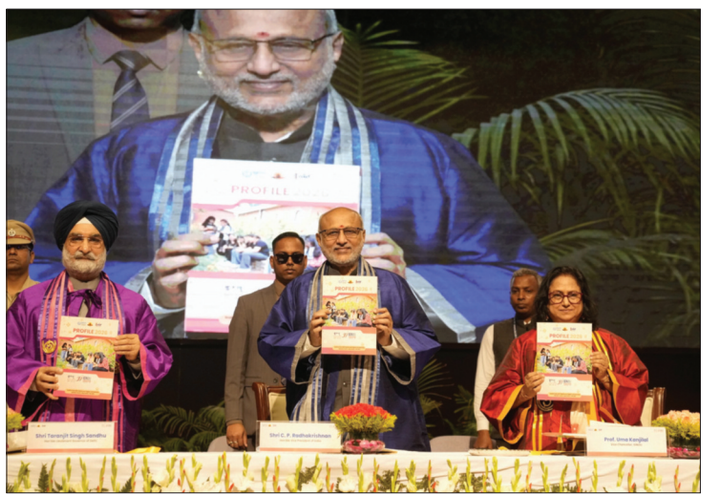

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

सालों का इंतजार खत्म ! अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की राजधानी

सीएम नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने राष्ट्रीय नेतृत्व को दिया धन्यवाद

अमरावती (एजेंसी)। सालों के इंतजार के बाद, अमरावती को आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की राजधानी घोषित कर दिया है। 6 अप्रैल को अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे उस फ़ैसले को कानूनी पुष्टि मिल गई जिसका इंतजार 2014 में राज्य के बंटवारे के बाद से किया जा रहा था। अधिसूचना के मुताबिक अमरावती को 2 जून, 2024 से पिछली तारीख से आधिकारिक राजधानी के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे शासन में निरंतरता सुनिश्चित होती है, साथ ही शहर को प्रशासन के केंद्र के रूप में चुनने के फैसले को कानूनी रूप भी मिलता है। इस घोषणा के साथ ही तेलंगाना के गठन और हैदराबाद के साथ संयुक्त राजधानी की व्यवस्था के बाद से चली आ रही 12 साल की अनिश्चितता का दौर औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। इस तरह हैदराबाद को अस्थायी संयुक्त राजधानी बनाने की पिछली व्यवस्था को बदल दिया गया है। 28 मार्च को राज्य विधानसभा द्वारा अमरावती का समर्थन करने वाला प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद इस फैसले को और गति मिली। इसके बाद, 1 अप्रैल को लोकसभा ने इस विधेयक को मंजूरी दी और 2 अप्रैल को राज्यसभा ने इसे पारित कर दिया।

नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का धन्यवाद किया। उन्होंने इस कानून को अपनी सहमति देने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आंध्र प्रदेश की मेरी जनता, विशेष रूप से अमरावती के मेरे किसानों की जीत है। जहां कई लोगों ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष ने इस फैसले पर सवाल उठाए। वॉयएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद गोल्ल बाबू राव ने इसकी आलोचना करते हुए इस कानून को एक नाटक बताया और कहा कि राजधानी में किसी भी बदलाव से समाज के सभी वर्गों के हितों की पूर्ति होनी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाकर उन्हें हटाए जाने के विपक्षी प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने खारिज कर दिया। इस पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने कहा, सभापति ने ये फैसला उस दबाव के तहत लिया जिसमें उन्हें पता

है कि पूर्व में जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद तत्कालीन सभापति का क्या हश्र हुआ था ! राज्यसभा द्वारा जारी संसदीय बुलेटिन2 के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया प्रस्ताव खारिज कर दिया गया है। यह निर्णय राज्यसभा के सभापति द्वारा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया गया। निर्णय लेने में सभापति ने संवैधानिक रूप से प्रदत्त खास शक्तियों का उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च को राज्यसभा के 63 विपक्षी सदस्यों द्वारा एक नोटिस प्रस्तुत किया गया था। यह नोटिस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) और 124(4) के तहत दिया गया था। इसके साथ ही चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट 2023 तथा जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 के प्रावधानों का हवाला दिया गया था। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करना था। राज्यसभा के सभापति ने सभी तथ्यों और पहलुओं का गहन और निष्पक्ष मूल्यांकन करने के बाद इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए नोटिस को 'एडमिट' नहीं किया। इस फैसले का सीधा अर्थ यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। मामला प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त हो गया। संसद में इस मुद्दे पर आगे कोई जांच या बहस नहीं होगी।

सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस : पिता-पुत्र की मौत पर 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

-कोविड के दौरान नियम तोड़ने पर पुलिस हिरासत में किया गया प्रताड़ित

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडु के मदुरै की अदालत ने देश को हिला देने वाले सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाकर 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा दी है। यह घटना 19 जून 2020 की है, जब कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पी.जयराज को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनके बेटे जे. बेनिक्स ने विरोध कर थाने का रुख किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों को तमिलनाडु पुलिसकर्मियों ने पूरी रात बेरहमी से प्रताड़ित किया। भारी चोटों के बावजूद पिता-पुत्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहाँ उनकी तबीयत बिगड़ती गई। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। घटना की गंभीरता को देखकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने स्वत: संज्ञान लेकर जांच की निगरानी की। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि दोनों को बिना ठोस कारण हिरासत में लिया गया, झूठा मामला बनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट ने पुलिस द्वारा यातना की पुष्टि की। इस मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली। गवाहों से जिरह और बार-बार दायर जमानत याचिकाओं के कारण प्रक्रिया लंबी रही। अंतत: 23 मार्च 2026 को अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानकर 6 अप्रैल को उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़ित परिवार को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह 卐दुर्लभतम卐 मामलों में से एक है, जहाँ कानून के रखवाले ही अपराध में शामिल थे। यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए न्याय का प्रतीक है, बल्कि देश में पुलिस हिरासत में होने वाली यातनाओं के खिलाफ एक कड़ा संदेश भी है।

कल्पना सोरेन का असम में जोरदार चुनाव प्रचार, किए बड़े वादे

- जेएमएम जीता तो महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए, कल्पना सोरेन ने किया ऐलान

दरांग (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य में व्यापक प्रचार अभियान शुरू किया है। उन्होंने मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के हित में कई बड़े वादे किए और लोगों से समर्थन मांगा। सोरेन ने चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम 500 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर परिवार को घर मिलेगा, बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मजबूत विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह चुनाव केवल किसी एक उम्मीदवार की जीत या हार का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की लड़ाई है। सोरेन ने जनता से अपील की कि वे इस चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को समर्थन दें, ताकि आदिवासी समाज के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

बड़ा खुलासा ! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। 'लिस्ट 4ए' में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था। इस तरह के अलग-अलग पैटर्न समग्र स्थिति को और जटिल बनाते हैं। दिसंबर 2025 के एक अन्य डेटा सेट में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी नाम हटाने के मामलों में 33.3 प्रतिशत पाई गई, जो उनके जनसंख्या अनुपात से अधिक है, हालांकि यह अंतर सप्लीमेंट्री सूची की तुलना में कम है। पूरे घटनाक्रम पर अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रभावित मतदाताओं को ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प जरूर दिया गया है, लेकिन पारदर्शिता को लेकर बहस जारी है।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरु होगी 10 से 12 अप्रैल के बीच

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू होगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100 प्रतिशत ऑनलाइन टिकटिंग का फैसला किया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (आईआरसीटीसी) के पास ही रहेगा।

ममता बनर्जी शेरनी हैं, बीजेपी बंगाल में चुनाव कभी जीत नहीं पाएगी

-संजय राउत बोले- पीएम मोदी का इस्तीफा मांगना बिल्कुल सही

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें शेरनी बताया। मंगलवार को मुंबई में राउत ने कहा कि ममता बनर्जी की मांग उचित है और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की सफलता पर विश्वास जताया। राउत ने कहा कि ममता ने पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग की है। वह बंगाल की शेरनी हैं। बीजेपी बंगाल में कभी जीत नहीं पाएगी। इस चुनाव में भी आपको इसका नतीजा देखने को मिल जाएगा। बंगाल हमेशा उनके शासन में रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने पीएम मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी के अपने बयानों पर सवाल उठाते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया। राउत ने कहा कि अगर पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही है, तो वह किसकी भाषा बोल रहे हैं? ट्रंप ने भारत को कमजोर करने की कोशिश की है। हमारे पीएम को यह बात समझ नहीं आ रही है और हमारी सरकार ट्रंप के सामने झुक गई है।

इसके अलावा राउत ने बारामती में चल रहे चुनाव पर भी बात की, जहां कांग्रेस ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। उन्होंने इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान और प्रभावशाली नेता बताया। उन्होंने कहा कि अजित दादा के बाद बारामती में हो रहे चुनाव के संबंध में कांग्रेस ने सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। यह चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। इसे नकारा नहीं जा सकता। अजीत पवार एक महान नेता थे और महाराष्ट्र के बारामती में उनका प्रभाव काफी रहा, लेकिन उम्मीदवार खड़ा करना और चुनाव लड़ना लोकतंत्र का एक सामान्य हिस्सा है।

एसआईआर में हुए अपमान का बदला ले जनता: ममता दीदी

दीदी के बयान से चुनावी पारा चढ़ा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग द्वारा जो गड़बड़ियां की जा रही हैं। उससे पश्चिम बंगाल में भारी नाराजी देखने को मिल रहीहै। चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उसके बाद भी एसआईआर की कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची अभी भी तैयार हो रही है। लाखों वोटर के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रत्येक जनसभा में जनता से आह्वान कर रही हैं। एसआईआर के माध्यम से जो अपमान चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं का किया जा रहा है। ममता दीदी ने कहा इसका बदला लिया जाना चाहिए। वोट के जरिए मतदाता अपने अपमान का बदला ले।

ममता दीदी लगातार चुनावी रैली को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी का गुप्त समझौता है।

संविधान के चित्रकार के पोते और पत्नी का नाम कटा

पश्चिम बंगाल में फिर में संविधान की चित्रकार नंदलाल बोस के पोते सुप्रभद्र सेन जिनकी उम्र 88 वर्ष है तथा उनकी पत्नी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है उनका नाम अभी भी पेंडिंग सूची में डाल कर रखा गया है जिसके कारण वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश में उन्हें टर्मिनल में जाने का सुझाव दिया गया है इसी तरह से कांग्रेस की उम्मीदवार अरशद अली का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है।

ममता बनर्जी और टीएमसी का कहना है चुनाव को प्रभावित करने के लिए चुन चुन कर टीएमसी के वोटो का नाम मतदाता सूची से गायब किया गया है सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोई अंतिम तारीख तय नहीं की गई है इस बीच में चुनाव चल रहे हैं जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे वह मतदान नहीं कर पाएंगे चुनाव के बाद यदि उनके नाम जुड़ भी गए तो इसका सीधा नुकसान टीएमसी को होने जा रहा है जिसके कारण पश्चिम बंगाल का चुनावी पारा बहुत बढ़ा हुआ है लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर हो जाने के कारण जगह पर भारी विरोध होने की संभावना जताई जा रही है जिसके कारण कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी

विपक्षी दलों के 196 सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत किया था इसे संसद के दोनों सदनों ने खारिज कर दिया है जिसके कारण सियासी पारा दिन प्रतिदिन चढ़ता जा रहा है।

यूपी के दंगल में चिराग पासवान की एंट्री: सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के बाद अब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। पार्टी ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 403 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। इस फैसले ने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है, क्योंकि चिराग की नजर अब यूपी के दलित और युवा वोट बैंक पर टिक गई है। लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ बिहार में अपनी ताकत साबित करने वाले चिराग पासवान अब पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार की योजना पर काम कर रहे हैं।

पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने स्पष्ट किया कि केंद्र में भले ही उनका गठबंधन भाजपा के साथ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में फिलहाल किसी दल से गठबंधन नहीं है। पार्टी यहाँ यूपी फर्स्ट और यूपी वाले फर्स्ट के संकल्प के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। चिराग का मानना है कि उनके पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान का उत्तर प्रदेश में एक समय बड़ा आधार रहा है, जिसे फिर से संगठित कर पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हालांकि चिराग भाजपा के भरोसेमंद सहयोगी हैं, लेकिन सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि भाजपा के साथ सीटों पर सम्मानजनक समझौता नहीं हुआ, तो पार्टी अकेले ही ताकत दिखाएगी। फिलहाल, संगठन ने जिला स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं और आने वाले महीनों में राज्य के प्रमुख शहरों में बड़ी रैलियों के जरिए शक्ति प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है।

बदलेंगे दलित राजनीति के समीकरण

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गिरते ग्राफ और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के उभार के बीच चिराग की एंट्री बेहद अहम मानी जा रही है। चिराग का लक्ष्य उन क्षेत्रों पर है जहाँ पासवान और अन्य दलित उपजातियों की संख्या प्रभावी है। उनका युवा चेहरा और ओजस्वी भाषण शैली युवाओं को आकर्षित करने की क्षमता रखती है, जो मायावती के पारंपरिक वोट बैंक और चंद्रशेखर की सक्रियता के लिए चुनौती बन सकती है।

नवजोत कौर सिद्धू ने भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का किया ऐलान, पंजाब को स्वर्ण राज्य बनाने का संकल्प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले राज्य की सियासत में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई राजनीतिक पारी का आगाज कर दिया है। उन्होंने अपनी नई पार्टी के नाम की घोषणा करते हुए इसे भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी (बीआरपी) का नाम दिया है। नवजोत कौर ने स्पष्ट किया है कि यह पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प के रूप में उभरेगी और इसका प्राथमिक लक्ष्य पंजाब के खोए हुए गौरव को वापस लाना है।

सोशल मीडिया के जरिए इस नई शुरुआत की जानकारी साझा करते हुए नवजोत कौर ने लिखा कि यह एक ऐसी घोषणा है जिसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं के प्रदर्शन को परखने के बाद उन्होंने देश के लिए अपना जीवन

समर्पित करने का फैसला लिया है। उनके मुताबिक, एक ईश्वरीय शक्ति ने समान सोच वाले उन लोगों को एकजुट किया है जिनमें साहस, आत्मविश्वास और हर राज्य में काम करने का दृढ़ संकल्प है। पार्टी का साझा लक्ष्य उच्च चेतना के माध्यम से समाज में न्याय, शांति और प्रेम स्थापित करना है।

नवजोत कौर का यह कदम पंजाब की राजनीति में त्रिकोणीय मुकाबले को और दिलचस्प बना सकता है। वर्तमान में राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि कांग्रेस और भाजपा अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी हैं। बीआरपी की एंट्री से खास तौर पर सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। नवजोत कौर ने वादा किया है कि वह पंजाब को फिर से गोल्डन स्टेट बनाएंगी, जहां लोगों को न्याय, आजादी और बिना किसी बाहरी दखल के रहने का अधिकार होगा। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू को हाल ही में कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग किए जाने के गंभीर आरोप लगाकर सियासी गलियारो में हड़कंप मचा दिया था। इसके बाद कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने उनके निष्कासन की पुष्टि की थी। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग पर भी तीखे हमले किए थे। अब नई पार्टी के गठन के साथ ही नवजोत कौर ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही संगठन विस्तार को लेकर बड़ी घोषणाएं की जाएंगी, जो आगामी चुनावों में भाजपा और अन्य दलों के समीकरण बिगाड़ सकती हैं।

घुसपैठ और तस्करी पर लगाम लगाने भारत-बांग्लादेश सीमा पर छोड़े जाएंगे सांप-मगरमच्छ !

-175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका, सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठ और तस्करी पर लगाम कसने पारंपरिक बाड़ और टेक्नोलॉजी के अलावा प्रकृति का खतरनाक हथियार इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। खबर है कि बीएसएफ ने अपने फील्ड यूनिट्स को निर्देश दिया है कि वे नदी और दलदली इलाकों में सांप और मगरमच्छ जैसे सरीसृपों के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन करें। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा में करीब 175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका है, जहां बाढ़ और भौगोलिक स्थिति के कारण सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं होता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में बीएसएफ अब प्रकृति को ही सुरक्षा का हथियार बनाने की सोच रही है। माना जा रहा है कि अगर यह योजना लागू होती है, तो घुसपैठियों के लिए सीमा पार करना पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के बाद यह विचार सामने आया है। 26 मार्च को बीएसएफ मुख्यालय से भेजे गए एक आंतरिक संदेश में कहा गया है कि जिन नदी वाले इलाकों में बाड़ लगाना संभव नहीं है, वहां 'प्राकृतिक अवरोध' के तौर पर सांप और मगरमच्छ जैसे जीवों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, फिलहाल यह योजना केवल चर्चा और व्यवहार्यता जांच के स्तर पर है, इसे लागू करने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

बता दें इस साल फरवरी में दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में हुई बैठक के बाद यह कम्युनिकेशन जारी किया गया। संदेश में सीमा चौकियों को 'डार्क जोन' के रूप में चिन्हित करने और वहां रहने वाले गांववालों के खिलाफ दर्ज मामलों की रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ के एक अधिकारी ने साफ किया कि अभी यह सिर्फ चर्चा का विषय है। अभी तक सांप-मगरमच्छ तैनात करने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। सिर्फ संभावना तलाशने को कहा है। इसमें कई चुनौतियां हैं,जसरीसृपों को कहां से लाया जाए, उनका रखरखाव कैसे हो और नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों पर इसका क्या असर पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह योजना लागू हुई तो घुसपैठिए और तस्करों के लिए भारत में घुसने का ख्याल आते ही वह कांप जाएंगे। नदी के पानी में मगरमच्छ और घने जंगलों में जहरीले सांप हैज्यह सोचकर ही कोई भी गैरकानूनी तरीके से सीमा पार करने से पहले कई बार सोचेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी वाले इलाकों में जहां फेंसिंग नहीं लग पाती, वहां प्राकृतिक बाधाएं काफी प्रभावी साबित हो सकती हैं, लेकिन साथ ही यह भी चिंता जताई कि बाढ़ के समय ये सरीसृप दोनों तरफ के गांवों के लिए खतरा बन सकते हैं।

बीएसएफ अधिकारी मानते हैं कि सांप और मगरमच्छ तैनात करना आसान नहीं होगा। इनकी खरीद, रखरखाव, प्रजनन और स्थानीय पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव

को ध्यान में रखना होगा। साथ ही बाढ़ के मौसम में इनके गांवों में घुस आने का खतरा भी बना रहेगा। फिलहाल यह प्रस्ताव चर्चा के चरण में है। बीएसएफ पूर्वी कमांड को डार्क जोन की मैपिंग करने और रिपोर्ट देने को कहा गया है।

विकसित हरियाणा दस्तावेज तैयार- राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़/गुरुग्राम, (एजेंसी)। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने के लिए प्रदेश में विकसित हरियाणा दस्तावेज तैयार किया गया है। इस दस्तावेज के तहत सभी विभागों को वर्ष 2030, 2036 और 2047 को लक्ष्य मानते हुए अपने-अपने विजन, स्वरूप और चुनौतियों के अनुरूप कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) विकसित भारत का केंद्र बिंदु रहेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने अपनी औद्योगिक नीति में आवश्यक संशोधन किए हैं और मेक इन हरियाणा नीति का ड्राफ्ट तैयार किया है, जिससे प्रदेश को औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाया जा सके। राव नरबीर सिंह ने कहा कि नए औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए कैपिटल सब्सिडी, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन तथा हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से युवाओं की भर्ती को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्थानीय युवाओं को उद्योगों में अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्तमान में दी जा रही ?48,000 प्रति कर्मचारी की एम्प्लॉयमेंट सब्सिडी को बढ़ाकर एक लाख प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष किया जाएगा।उन्होंने संयुक्त पंजाब के समय स्थापित किए गए सोनीपत, हिसार, अंबाला, यमुनानगर, सिरसा, फतेहाबाद, नीलोखेड़ी, बहादुरगढ़, बरवाला और पानीपत जैसे पुराने औद्योगिक क्षेत्रों की स्थिति सुधारने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इन क्षेत्रों में बेहतर बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए वर्ष 2026-27 में ?500 करोड़ की प्रारंभिक राशि से 'सक्षम फंड' स्थापित करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री ने अपने बजट अभिभाषण में किया है, जो स्वागत योग्य है।उन्होंने बताया कि अंबाला और नारायणगढ़ में नए इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके अलावा तोशाम, जींद, रेवाड़ी, फरीदाबाद और राई में भी नए आईएमटी विकसित करने के लिए किसानों से ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं।राव नरबीर सिंह ने बताया कि पूर्व में घोषित 12 औद्योगिक नीतियों के नए प्रारूप तैयार कर लिए गए हैं। इसके साथ ही सेमीकंडक्टर, फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइस, टॉयज एवं स्पोर्ट्स इक्विपमेंट और एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) से संबंधित नीतियों के ड्राफ्ट भी तैयार किए गए हैं। इन सभी नीतियों को वर्ष 2026-27 में लागू किया जाएगा।उन्होंने कहा कि औद्योगिक भूमि की कीमतों को ध्यान में रखते हुए एचएसआईआईडीसी द्वारा 'लैंड ऑन लीज' नीति लागू की जाएगी, जिसके तहत औद्योगिक प्लॉट दीर्घकालीन लीज पर उपलब्ध कराए जाएंगे और बाद में उन्हें फ्री होल्ड में बदलने का विकल्प भी दिया जाएगा। इसके अलावा, राज्य के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं के साथ तैयार फैक्ट्रियां और शेड विकसित किए जाएंगे, ताकि उद्योगों की स्थापना और संचालन में तेजी लाई जा सके। निवेशकों की सुविधा के लिए 45 कार्यदिवसों के भीतर 'लैंड फिजिबिलिटी सर्टिफिकेट' जारी करने की व्यवस्था शुरू की जाएगी। साथ ही, निवेशकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 'एडवांस रूलिंग पोर्टल' स्थापित किया जाएगा, जिसमें संबंधित विभागों को 15 दिनों के भीतर जवाब देना अनिवार्य होगा। उद्योग मंत्री ने विश्वास जताया कि इन पहलों से हरियाणा में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और प्रदेश 'विकसित हरियाणा' के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर होगा।

गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए पांच टीमें गठित

नूंह, (एजेंसी)। जिले में गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए पांच प्रवर्तन टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों ने अब तक 134 स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 23 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। अतिरिक्त उपायुक्त ज्योति ने बताया कि प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। खासतौर पर होटल, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों के उपयोग पर कड़ी नजर रखी जा रही है। जहां भी नियमों का उल्लंघन मिला, वहां तुरंत कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग केवल घरों के लिए निर्धारित है। इसे व्यावसायिक काम में इस्तेमाल करना नियमों के खिलाफ है। ऐसा करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिले में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि गैस या ईंधन से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए उपभोक्ता जिला मुख्यालय स्थित कंट्रोल रूम के नंबर 01267-274615 पर संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि शिकायतों का समय पर समाधान किया जा रहा है।

मंडियों में निगरानी के लिए कमेटियां गठित, अवैध जमाखोरी पर रहेगी नजर

नूंह, (एजेंसी)। रबी सीजन में फसल की अवैध जमाखोरी और मंडी शुल्क चोरी रोकने के लिए कमेटियां बनाई गईं। जिला और उपमंडल स्तर पर टीमें गठित कर दी गई हैं। ये टीमें मंडियों में नियमित निरीक्षण कर कार्रवाई करेंगी। हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के निर्देश पर जिला प्रशासन ने यह कदम उठाया है। अतिरिक्त उपायुक्त ज्योति ने बताया कि जिला स्तरीय कमेटी की अध्यक्षता स्वयं अतिरिक्त उपायुक्त करेंगी, जबकि इसमें पुलिस, राजस्व, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग और संबंधित खरीद एजेंसियों के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल किए गए हैं। यह कमेटी पूरे जिले की मंडियों की गतिविधियों पर नजर रखेगी और समय-समय पर निरीक्षण करेगी। इसके अलावा नूंह, पुन्हाना, तावडू और फिरोजपुर झिरका उपमंडलों में अलग-अलग कमेटियां गठित की गई हैं। इन कमेटियों की अध्यक्षता संबंधित उपमंडल अधिकारी करेंगे और स्थानीय स्तर के अधिकारी सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। इनका मुख्य उद्देश्य अपने-अपने क्षेत्रों की मंडियों में व्यवस्था बनाए रखना और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकना है। प्रशासन ने सभी कमेटियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे नियमित रूप से निरीक्षण करें और सरसों, गेहूं सहित अन्य फसलों की खरीद और भंडारण की निगरानी करें। साथ ही मंडी शुल्क की चोरी पर विशेष ध्यान दिया जाए। अधिकारियों ने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध गतिविधि सामने आती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आठवीं कक्षा पास सभी छात्रों का नौवीं में प्रवेश के आदेश

नूंह, (एजेंसी)। जिला शिक्षा अधिकारी ने आठवीं पास सभी छात्रों का नौवीं में दाखिला सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जीरो ड्रॉपआउट लक्ष्य को लेकर नगीना में बैठक आयोजित हुई। अधिकारियों और ग्राम प्रतिनिधियों को नामांकन अभियान तेज करने को कहा गया। प्रवेश उत्सव अभियान के तहत आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शर्मा ने की। इसमें सीआरसी प्रमुख, स्कूल मुखिया, सरपंच और समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए। अधिकारियों ने साफ कहा कि किसी भी विद्यार्थी का स्कूल छोड़ना स्वीकार नहीं होगा और सभी को आगे की कक्षा में जोड़ा जाए।उन्होंने निर्देश दिए कि मिडिल स्कूलों के मुखिया अपने यहां से पास हुए सभी विद्यार्थियों की सूची बनाकर उनकी निगरानी करें और 9वीं कक्षा में दाखिला सुनिश्चित करें। इसके लिए गांव और वार्ड स्तर पर अभियान चलाने और अभिभावकों को जागरूक करने को कहा गया। बैठक में बाल वाटिका नामांकन पर भी जोर दिया गया। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सगीर अहमद ने कहा कि पांच साल के सभी बच्चों का बाल वाटिका-3 में दाखिला कराया जाए और इसके लिए स्कूलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। अधिकारियों ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों के सहयोग से नामांकन बढ़ाया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति के लिए स्कूलों में प्रेरक गतिविधियां भी कराई जाएंगी।

स्कूलों में कराया जा रहा योगाभ्यास

नूंह, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले जिले में विशेष योग शिविर शुरू किए गए। आयुष विभाग और हरियाणा योग आयोग ने मिलकर यह अभियान शुरू किया। इसका उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित करना है। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक आयुष विभाग के निर्देश पर जिले में विभिन्न स्थानों पर योग शिविर लगाए जा रहे। इसके तहत एक मई तक दिव्यांगजन, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए कई शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में लोगों को नियमित योगाभ्यास कराया जा रहा है और योग के फायदे समझाए जा रहे हैं। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मानुवास में सात से 12 अप्रैल तक विशेष शिविर चल रहा है। यहां विद्यार्थियों और शिक्षकों को योग के आसन और प्राणायाम सिखाए जा रहे हैं। साथ ही उन्हें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जा रही है। जिला योग समन्वयक और विशेषज्ञों ने बताया कि आगे सेवा भारती, वृद्धाश्रम और आंगनवाड़ी केंद्रों में भी शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि योग से शरीर स्वस्थ रहता है और मन को शांति मिलती है।

बंगाल में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बन रही है सरकार-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया पश्चिम बंगाल का दौरा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्रीरामपुर विधानसभा में किया रोड शो

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बंगाल की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनाना चाहते हैं। इसलिए बंगाल में चारों तरफ भाजपा की लहर चल रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को पश्चिम बंगाल के दौरे के दौरान श्रीरामपुर विधानसभा के प्रत्याशी का नामांकन भरने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने श्रीरामपुर विधानसभा के प्रत्याक्षी के पक्ष में रोड शो कर लोगों से भाजपा के समर्थन में वोट डालने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लगातार कम्युनिष्ट पार्टी ने बंगाल के लोगों का शोषण किया है। बड़ी अपेक्षा के साथ लोगों ने ममता बनर्जी की सरकार बनाई थी, लेकिन इस सरकार ने कम्युनिस्टों से भी ज्यादा अत्याचार किए है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल के लोगों ने अब मन बना लिया है कि बीजेपी सरकार बनानी है बंगाल में ना रोजगार है, ना किसानों की एमएसपी पर फसल बिक रही है और न ही उचित मूल्य दिया जा रहा है। बंगाल में महिला मुख्यमंत्री होते हुए भी महिलाओं की सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार ने जिस प्रकार का ताण्डव किया है, उससे जनता त्रस्त हो चुकी है।

ममता सरकार ने सामाजिक, आर्थिक संस्कृति को ठेस पहुंचाने का किया काम

उन्होंने कहा कि बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने घुसपैठियों को संरक्षण देने का कार्य किया है। इससे हमारी आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने को ठेस पहुंचाने का काम किया है। भ्रष्टाचार में फसी हुई ममता सरकार स्वंय को साधारण होने का दिखावा करती है लेकिन उनकी सरकार में बड़े बड़े घोटाले हो रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार गरीब लोगों की भलाई के लिए कार्य कर रही है। भाजपा सरकार ने अब तक 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का कार्य किया है। भाजपा की नीतियों से गरीब व्यक्तियों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है।उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की बहुत सारी जनहितैषी नीतियां हैं लेकिन पश्चिमी बंगाल में एक भी नीति को लागू नहीं किया गया। आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं राजनीतिक द्वेष के चलते बंगाल में लागू नहीं की गईं। इसका परिणाम है कि बंगाल में और अधिक गरीबी बढ़ती जा रही है। जिसके चलते बंगाल के लोग ममता सरकार से निजात पाना चाह रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोड शो में लोगों का उत्साह एवं जोश देखने वाला बनता है। यहां के लोग प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बंगाल का विकास चाहते है। बंगाल से उद्योगों का पलायन हो गया है। इसके अलावा युवाओं को भी रोजगार के लिए दूसरे स्थानों पर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बंगाल का युवा सरकार से आहत हैं और बंगाल में भय और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में गरीब परिवारों के लोगों को मकान बनाकर दिए जा रहे है। देश के 80 करोड़ लोगों को भाजपा सरकार राशन पहुंचाने का काम कर रही है। विकसित भारत विकसित बंगाल के उद्देश्य से जनता भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि लोग विश्वास सम्मान चाहते है ।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने सोनीपत जिला कारागार के कैदियों के लिए कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रम किया शुरू

चंडीगढ़। एजेंसी

पुनर्वास आधारित न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (हालसा) ने सोनीपत जिला कारागार के कैदियों के लिए कौशल विकास आधारित खाना पकाने की कला एवं भोजनालय संचालन में एक माह का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम शुरू किया है। यह पहल पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं हालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री दीपक सिबल के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य कैदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। यह जानकारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं सदस्य सचिव (हालसा पंचकूला) श्री जगदीप सिंह ने आज सोनीपत जिला कारागार में आयोजित कार्यक्रम में दी।

श्री जगदीप सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम सोनीपत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समन्वय और एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत के सहयोग से संचालित किया गया है। विश्वविद्यालय के विधि संकाय (लीगल एड सेंटर), होटल प्रबंधन संस्थान, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग तथा विज्ञान एवं मानविकी विभाग की सक्रिय भागीदारी से इस पहल को मजबूती मिली है।उन्होंने कहा कि एक माह की अवधि वाले इस पाठ्यक्रम में कैदियों को खाना पकाने की कला, रसोई प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा, मेन्यू योजना और ग्राहक सेवा का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही वित्तीय साक्षरता, लघु व्यवसाय विकास, संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास से जुड़े मॉड्यूल भी शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध सहायता तंत्र के बारे में जागरूक करने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल कैदियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ अपराध की पुनरावृत्ति को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास और कानूनी साक्षरता का संयोजन कैदियों को एक नई दिशा प्रदान करता है और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने के लिए तैयार करता है।कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनीपत के अध्यक्ष श्री जगजीत सिंह, सोनीपत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रचेता सिंह, एसआरएम विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. वी. सैमुअल राज, विभिन्न संकायों के वरिष्ठ अधिकारी एवं जेल प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर हरियाणा में व्यापक जागरूकता अभियान किया शुरू, 4,000 से अधिक नागरिकों की हुई स्वास्थ्य जांच

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि हरियाणा में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा राज्यभर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जमीनी स्तर पर व्यापक गतिविधियां आयोजित की गईं और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान प्रदेश में कुल 99 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 4,251 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें 370 बच्चे (0ङ्क14 वर्ष), 1,469 वयस्क पुरुष, 1,564 महिलाएं तथा 60 वर्ष से अधिक आयु के 848 बुजुर्ग शामिल रहे। इसके साथ ही 106 हेल्थ टॉक्स, सेमिनार, कार्यशालाएं एवं जन-व्याख्यान आयोजित किए गए। इस अभियान में 40 शैक्षणिक संस्थानों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अतिरिक्त, विभिन्न जिलों में योग सत्रों के साथ-साथ सोशल मीडिया के माध्यम से भी जागरूकता अभियान चलाया गया।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि स्वास्थ्य शिविरों में गैर-संक्रामक रोगों (हृष्टष्ठह्य) की जांच पर विशेष ध्यान दिया गया। जांच के दौरान 231 लोगों में उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और 165 में मधुमेह (डायबिटीज) की पहचान हुई। 326 लोगों को मोटापे के जोखिम का खतरा, जबकि 75 लोग क्रॉनिक श्वसन रोगों से प्रभावित पाए गए। इसके अलावा, 3 व्यक्तियों में कैंसर या प्री-कैंसर के लक्षण संदिग्ध पाए गए और 64 लोगों को एनसीडी/एमसीएच देखभाल संबंधी परामर्श प्रदान किया गया।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में जिला स्तर पर कैथल सबसे सक्रिय रहा, जहां 28 स्वास्थ्य शिविरों में 921 लोगों की जांच की गई और 40 हाइपरटेंशन तथा 51 डायबिटीज के मामले सामने आए। रोहतक में 8 शिविरों में 170 लोग, फरीदाबाद में 3 शिविरों में 169 लोग और यमुनानगर में 9 शिविरों में 376 लोगों की जांच की गई, जहां लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य शिविरों के अलावा, जिलों में सूचना, शिक्षा एवं संचार (ढ्ढश्वष्ट) गतिविधियों के माध्यम से भी व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, होर्डिंग्स, सोशल मीडिया तथा आशा वर्कर्स और स्वास्थ्य कर्मचारियों के माध्यम से लोगों तक संदेश पहुंचाया गया। कई जिलों में युवा संगठनों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई, जिससे यह संदेश सुदृढ़ हुआ कि स्वास्थ्य जागरूकता सभी की साझा जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष अभियान में 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण पर विशेष जोर दिया गया, जिसके तहत मानव स्वास्थ्य को पशु, पौधों और पर्यावरण के स्वास्थ्य से जोड़कर देखा गया। हरियाणा सरकार पर्यावरण स्वच्छता और पशु स्वास्थ्य को भी अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में शामिल कर रही है। उन्होंने बताया कि ÷स्वस्थ हरियाणा, स्वस्थ भारत÷ के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं, जिसमें समाज, संस्थान और सरकार मिलकर कार्य करें और हर कदम पर विज्ञान को मार्गदर्शक बनाया जाए।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष की वैश्विक थीम के अनुरूप कहा कि आज के समय में स्वास्थ्य संबंधी गलत जानकारी से लड़ना भी उतना ही जरूरी है जितना बीमारियों से लड़ना है। उन्होंने बताया कि आज ÷मोबाइल फोन पर साझा की गई एक गलत स्वास्थ्य जानकारी जमीनी स्तर पर किए गए महीनों के प्रयासों को प्रभावित कर सकती है। हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना होगा जहाँ लोग विज्ञान पर भरोसा करें, मिथकों पर सवाल उठाएं और अपने स्वास्थ्य के बारे में सोच-समझकर निर्णय लें।

आध्यात्मिक विकास समाज में रहकर निष्काम भाव से कर्त्तव्य निर्वहन में है: प्रो. असीम कुमार घोष

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि आध्यात्मिक विकास संसार से दूर जाने में नहीं, बल्कि सजग होकर इसमें सक्रिय भागीदारी करने और निष्काम भाव से अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन में है ।राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने यह बात आज लोक भवन हरियाणा में उनके निजी सचिव शंख चटर्जी द्वारा लिखित दो पुस्तकों 'अद्वैत वेदांत-एक अनोखा दर्शन' और 'सामाजिक दृष्टिकोण में धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र' का विमोचन करते हुए कही ।राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि अद्वैत वेदांत और कुरुक्षेत्र, जिसे धर्मक्षेत्र के रूप में पूजनीय माना जाता है, दोनों ही मानवता के आध्यात्मिक विकास के बारे में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। अद्वैत वेदांत, जिसे आदि शंकराचार्य ने स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया, हमें सिखाता है कि व्यक्तिगत आत्मा और सार्वभौमिक चेतना एक ही हैं।

हरियाणा में जलघरों में लगे फिल्टर की जांच करके रिपोर्ट सबमिट करें अधिकारी: गंगवा

गर्मी में पेयजल की किल्लत ना हो अभी से तैयारियां करने के दिए निर्देश

पंजाब के मुख्यमंत्री को पानी पर नहीं करनी चाहिए राजनीति- गंगवा

मंत्री ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों की पेयजल आपूर्ति और बारिश के सीजन में निकासी संबंधित तैयारियों की बैठक ले की समीक्षा

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने निर्देश दिए है कि पूरे हरियाणा में जलघरों में लगे फिल्टर की जांच की जाए। इस बारे में बकायदा प्रदेश के सभी एक्सईएन रिपोर्ट सबमिट करेंगे। इसके अलावा उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि गर्मियों के मद्देनजर पानी की व्यवस्था अभी से की जाएं, इसके तहत नहर बंदी के दौरान दिक्कत ना हो अभी से स्टोरेज और वैकल्पिक व्यवस्था पर फोकस करने के निर्देश भी दिए गए है।

मंत्री रणबीर गंगवा ने चंडीगढ़ सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों की गर्मी में पेयजल आपूर्ति और बारिश के सीजन में निकासी संबंधित तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में पब्लिक हेल्थ विभाग के ईआईसी श्री देवेंद्र दहिया, अन्य चीफ इंजीनियर भी मौजूद थे, जबकि प्रदेश भर से विभाग के एसई, एक्सईएन और एसडीओ वर्चुअल तौर पर जुड़े थे। श्री गंगवा ने विभाग की एक विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जल आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के लिए अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक के दौरान विभाग के अधिकारियों ने वर्ष 2026-27 के लिए बजट में 20 प्रतिशत वृद्धि तथा संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) नीति को स्वीकृति मिलने पर मंत्री श्री रणबीर गंगवा का आभार भी व्यक्त किया। मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने इस दौरान कहा कि राज्य सरकार हर घर तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

श्री गंगवा ने अधिकारियों को कहा कि जब भी वो अपने दौरे के वक्त किसी भी गांव में जाते है तो वहां के ग्रामीणों से पेयजल की सप्लाई और पानी निकासी के बारे में जरूर पूछते है। इसलिए शहरी ही नहीं, ग्रामीण एरिया में भी इस पर अधिकारी फोकस करें कि हर घर में नल और नल में स्वच्छ जल हो।

उन्होंने आने वाले गर्मी के मौसम के मद्देनजर बैठक में निर्देश दिए कि जिला प्रशासन, सिंचाई विभाग एवं बिजली विभाग के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित करते हुए नए ट्यूबवेल, बूस्टिंग स्टेशन एवं नहर आधारित जल परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र चालू किया जाए, ताकि जनता को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जहां पानी की कमी है, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

मंत्री ने स्पष्ट कहा कि विभाग की ओर से आधारभूत संरचना में किसी भी प्रकार की कमी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी के भंडारण, इनलेट चैनलों की स्थिति, फिल्टर बेड की सफाई, साफ पानी के टैंकों का रखरखाव एवं वितरण प्रणाली में लीकेज जैसी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। साथ ही, वाटर वर्क्स पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए चेतावनी बोर्ड एवं बैरिकेडिंग सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जेई/ऑपरेटिंग स्टाफ एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के सदस्यों के माध्यम से जल आपूर्ति की स्थिति की नियमित निगरानी की जाए तथा इसके लिए व्हाट्सएप समूह बनाकर सूचना का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाए। ग्राम पंचायतों को नई संचालन एवं रखरखाव नीति के प्रति जागरूक करते हुए चरणबद्ध तरीके से एमओयू हस्ताक्षर करवाने के प्रयास किए जाएं, जिससे योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव में सामूहिक जिम्मेदारी सुनिश्चित हो सके।श्री गंगवा ने कहा कि जहां भी पानी की कमी की स्थिति उत्पन्न हो, वहां टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा टैंकर संचालन का पूरा रिकॉर्ड रखा जाए। इसके लिए अग्रिम रूप से टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत आपूर्ति शुरू की जा सके।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी वाटर वर्क्स को साफ-सुथरा एवं हराभरा रखा जाए तथा पूर्व में जारी निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यकारी अभियंता एवं उससे ऊपर के अधिकारी ग्रीष्मकाल एवं आगामी मानसून अवधि के दौरान बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे और सभी अधिकारी क्षेत्र में सक्रिय रहकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान जिन जिलों में पिछली बार वॉटर लॉगिंग की दिक्कत आई थी उन जिलों बारे भी एक एक करके चर्चा हुई, साथ ही कुछ एरिया में सामने आए दूषित पेयजल की शिकायतों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मामलों में तत्काल प्रभाव से सुधारात्मक कदम उठाए जाएं और नियमित रूप से फील्ड का दौरा कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि जहां नहर या माइनर में पानी की कमी की संभावना हो, वहां कार्यकारी अभियंता अस्थायी बिजली कनेक्शन लेकर पंपिंग के माध्यम से जल आपूर्ति सुनिश्चित करें, ताकि अतिरिक्त खर्च से बचा जा सके। साथ ही, सभी जल आपूर्ति योजनाओं में उचित क्लोरीनेशन सुनिश्चित करने तथा वितरण प्रणाली में लीकेज समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जल संरक्षण को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि आम जनता को पानी बचाने एवं पेयजल के दुरुपयोग से बचने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि संसाधनों का उचित उपयोग सुनिश्चित हो सके।आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए श्री गंगवा ने बाढ़ तैयारी (फ्लड प्रिपेयर्डनेस) पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख नालों की मई 2026 के अंत तक नियमित रूप से सिल्ट सफाई (डी-सिल्टिंग) करवाई जाए तथा यह कार्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में शुरू किया जाए। निकाले गए मलबे का तुरंत निपटान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने मैनहोल में बिना सुरक्षा उपकरण के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा सभी खुले मैनहोल एवं नालों को ढकने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, सभी परियोजनाओं को मानसून शुरू होने से पहले पूरा करने तथा मशीनरी एवं उपकरणों को 31 मई 2026 तक कार्यशील स्थिति में रखने के निर्देश दिए गए।

डीजी सेट की रिपोर्ट रखने को कहा-

मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यालय स्तर पर डीजी सेट एवं पंपिंग मशीनरी की पूरी इन्वेंटरी तैयार रखी जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर तुरंत उपयोग के लिए उपलब्ध रहे। उन्होंने कार्यकारी अभियंताओं को यह भी निर्देश दिए कि उनके पास किराये पर डीजी सेट उपलब्ध करवाने वाले निजी व्यक्तियों के संपर्क विवरण पहले से उपलब्ध होने चाहिए।

श्री गंगवा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य राज्य के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित एवं निरंतर पेयजल उपलब्ध कराना है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से पूरी जिम्मेदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

पंजाब के मुख्यमंत्री को पानी पर नहीं करनी चाहिए राजनीति- गंगवा

हरियाणा के लोकनिर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पानी पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब में चुनाव आ गए है, इसलिए वो ऐसी बयानबाजी कर रहे है। श्री गंगवा चंडीगढ़ में विभाग के अधिकारियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हरियाणा ने अभी अपने हिस्से का 70 प्रतिशत पानी इस्तेमाल किया है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री के बारे में कहा कि पंजाब की जनता को सब्जबाग दिखाना भगवंत मान बंद करें।

फ्लैट और ट्रैंडी चप्पलों का दौर

आजकल बाजार में फ्लैट स्लीपर्स फूल, तितली, डोरी, कुंदन आदि से सजने लगी हैं। आपकी ड्रेस से मैच करके भी आप इन स्लीपर्स को पहन सकती हैं क्योंकि अब ये गोल्डन, सिल्वर, ऑरेंज, ब्लू आदि ब्राइट कलर्स में बाजार में धूम मचा रही हैं।

आज के दौर में जहाँ फैशनेबल कपड़ों का ट्रेंड चला है, वहीं फैशनेबल जूते-चप्पल भी आज के दौर में युवाओं की पहचान बन रहे हैं। आपके जूते या चप्पल आपके व्यक्तित्व को आकर्षक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। मार्केट हो या ऑफिस, फैशनेबल फुटवियर्स का हर जगह बोलबाला है।

कहते हैं आदमी की पहचान उसके जूते-चप्पलों से होती है। यह सच भी है क्योंकि यदि हमारा ड्रेसअप कितना भी अच्छा हो किंतु हमारे जूते-चप्पल फटे-पुराने हों तो हमारा इम्प्रेशन वहीं डाउन हो जाता है। आज जिस तरह से कपड़ों का फैशन निरंतर बदल रहा है, उसी प्रकार चप्पल-जूतों का फैशन भी उतनी ही तेजी से बदल रहा है।

अब तक फैशन बाजार में केवल हाई हील चप्पल, सैंडिल या जूते ही पकड़ बनाए हुए थे लेकिन अब फ्लैट चप्पल व जूते भी फैशन की दौड़ में शामिल हो गए हैं। अपने नए अंदाज के साथ बाजार में फिर से अपनी पहचान बनाने आई फ्लैट चप्पल या स्लीपर आरामदायक होने के साथ-साथ फैशनेबल भी है। आज मार्केट में तरह-तरह की वैरायटियों व रेंज में अलग-अलग रंगों में फैशनेबल चप्पलें उपलब्ध हैं।

एक वक्त था, जब बाजार में केवल ब्लैक, ब्राउन, रेड आदि सिलेक्टेड कलर्स की स्लीपर का ही चलन था किंतु अब गोल्डन, सिल्वर व ब्राइट कलर्स की चप्पलें बाजार में धूम मचा रही हैं। यही नहीं आजकल मेट, लकड़ी, रबर व रंग-बिरंगे कपड़ों की तरह-तरह की चप्पलें आजकल की युवा लड़कियों को लुभा रही हैं।

कोल्हापुरी चप्पलें :

एक लंबे अरसे से बाजार से गायब हुई कोल्हापुरी चप्पलें अब फिर से एक नए अंदाज में फैशनप्रेमियों को लुभाने आई हैं। पहले फ्लैट चप्पलों में कोल्हापुरी चप्पलें नाम से बिकती थीं। पहले ये चप्पलें केवल ब्लैक, ब्राउन, रेड आदि चुनिंदा रंगों में ही मिलती थीं परंतु अब ये ब्लू, गोल्डन, सिल्वर व हरे रंग के वर्क के साथ मार्केट में अपनी वापसी कर रही हैं।

फ्लैट स्लीपर्स :

इन दिनों मार्केट में फ्लैट स्लीपर्स का बोलबाला है। इन स्लीपर्स की खासियत यह है कि इन्हें जींस, सूट, केप्री आदि सभी प्रकार के फैशनेबल ड्रैसेस के साथ पहनकर स्वयं को एक फैशनेबल लुक दिया जा सकता है। आजकल बाजार में फ्लैट स्लीपर्स फूल, तितली, डोरी, कुंदन आदि से सजने लगी हैं। आपकी ड्रेस से मैच करके भी आप इन स्लीपर्स को पहन सकती हैं क्योंकि अब ये गोल्डन, सिल्वर, ऑरेंज, ब्लू आदि ब्राइट कलर्स में बाजार में धूम मचा रही हैं।

बगैर बेल्ट की चप्पलें :

फ्लैट चप्पलों में बिना बेल्ट की अँगूठे वाली चप्पलों का चलन अधिक है। अपने नए लुक व आकर्षक रंगों के साथ बाजार की रौनक बनी ये चप्पलें फैशनेबल चप्पलों की श्रेणी में आती हैं।

फ्लैट मोजड़ी :

फ्लैट मोजड़ी और चूड़ीदार सलवार लड़कियों की पहली पसंद होते हैं शायद इसीलिए राजस्थानी मोजड़ियाँ एक बार फिर से बाजारों की रौनक बन रही हैं। रंग-बिरंगी मोजड़ियों पर चमकीले धागों की सुंदर कारीगरी इन्हें और भी खूबसूरत लुक प्रदान करती है। ये सदाबहार राजस्थानी मोजड़ियाँ शादी व पार्टी में धूम मचाने के लिए एक परफेक्ट फुटवियर हैं।

आम का गूदा तथा दूध, शक्कर मिलाकर माइक्रोवेव में 12 मिनट तक रखें।

आम की बर्फी

सामग्री : पके हुए आम का गूदा 1 कटोरी, डेढ़ कटोरी शक्कर, 1 कटोरी दूध, थोड़ी-सी पिसी शक्कर, इलायची पावडर।

विधि : आम का गूदा तथा दूध, शक्कर मिलाकर माइक्रोवेव में 12 मिनट तक रखें। फिर बाहर निकालकर फिर से अच्छे से मिक्स करके 5 मिनट माइक्रोवेव में पकाएँ। आम बर्फी फिर बाहर निकालकर उसे हिलाते हुए तीन टी स्पून पिसी शक्कर मिलाएँ और इलायची पावडर डालकर घी (चुपड़ी) लगी हुई थाली में जमने के लिए रख दें। ऊपर से चाँदी का वर्क चिपका दें। ये आपकी आम की बर्फी तैयार है।

जब बच्चा हो जाए छः महीने का

माँ के दूध के साथ दें ठोस आहार

शिशु के लिए माँ का दूध सर्वोत्तम होता है लेकिन जब बच्चा बड़ा हो जाता है तब उसे माँ के दूध के साथ किसी ठोस आहार की भी आवश्यकता होती है। इससे बच्चे की भूख भी मिटती है और बच्चा धीरे-धीरे बाहर का खाना भी सीख जाता है। ठोस आहार के रूप में आप बच्चों को उबली हुई सब्जियाँ, मैश किए हुए फल, चावल, दलिया आदि भी दे सकते हैं।

बच्चों के आहार संबंधी जानकारियाँ -

- जन्म से पाँच-छः महीने तक शिशु के लिए माँ का दूध ही सर्वोत्तम आहार होता है।
- छठे महीने से बच्चों को बेबी फुड, मेश किए फल व दालों का पानी देना शुरू कर देना चाहिए।
- छोटे बच्चों को अधिक मीठे, तेज मिर्च-मसाले वाले व वसायुक्त भोजन देने से परहेज करना चाहिए।
- आठ से बारह माह के बीच बच्चों को ब्रेड, टोस्ट आदि खिलाना चाहिए।
- ध्यान रहे बच्चों का खाना ताजा होना चाहिए। ऐसा न हो कि मेश किए हुए फल को आप एक घंटे बाद बच्चों को खिलाएँ।
- बच्चों के खाने में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।
- उन्हें जिस खाने से एलर्जी हो, वो खाना उन्हें नहीं देना चाहिए।

यदि आप पतली हैं तो बड़े-बड़े फ्लॉवर प्रिंट की साड़ियाँ आप पर खूब फबेंगी इससे आपका शरीर भरा-भरा लगेगा और साड़ी में भी आपका आकर्षक व्यक्तित्व नजर आएगा। ज्यॉमैट्रिक प्रिंट्स भी आपके लिए बेहतर सिलेक्शन साबित होंगे।

जैसा अवसर वैसी साड़ी

साड़ी पहनने का अंदाज बनाए उसे खास

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जो हर उम्र व कद-काठी की महिला पर फबता है। कितने ही फैशन आए और चले गए परंतु साड़ी ऐसा फैशन है, जो अब तक बरकरार है।

भारतीय संस्कृति में सादगी व सुंदरता की प्रतीक साड़ियाँ आज फैशन स्टेटमेंट बन गई हैं, जिसे हॉट और ग्लैमरस लुक पाने के लिए भी पहना जाता है।

आप भी यदि अपना साड़ी पहनने का अंदाज बदल दें तो आप भी इस भारतीय परिधान में हॉट व ग्लैमरस लग सकती हैं। साड़ी ही एक ऐसा परिधान है, जिसे पहनने के अंदाज से मोटे से पतला व पतले से मोटा लगा जा सकता है। हमारे देश में अलग-अलग अवसरों पर अलग-अलग प्रकार की साड़ियाँ पहनी जाती हैं। ये साड़ियाँ उन अवसरों को खास बनाती हैं। आइए जानें कि आपका परफेक्ट साड़ी सिलेक्शन कैसा हो -

ऑफिस में पहनें कॉटन साड़ी :

कॉटन साड़ी सदाबहार साड़ियों की श्रेणी में आती है। यह ऑफिस में पहनने के लिए एक बेस्ट परिधान है। यह आपको एक एलिगेंट लुक देगी। कॉटन की साड़ी पहनने की एक जरूरी शर्त यह है कि आपको इस साड़ी को पहनने का तरीका याद होना चाहिए क्योंकि यदि आपको कॉटन की साड़ी पहनने का तरीका नहीं आता तो यह साड़ी आपको पतले से मोटा बना देगी।

रिच लुक देगा सिल्क :

रिच लुक पाने के लिए सिल्क की साड़ियाँ सबसे बेस्ट होती हैं। इसे आप ऑफिस या समारोह दोनों में आसानी से पहन सकती हैं। ऑफिस में पहनने के लिए केवल बॉर्डर वाली सिल्क की साड़ियों का चयन करें तथा पार्टी के लिए भी एम्ब्रायडरी वाली सिल्क की साड़ियाँ खरीदें।

शादी-ब्याह के लिए बनारसी साड़ी :

शादी-ब्याह व अन्य शुभ समारोहों पर गहरे रंगों की साड़ियाँ पहनना सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। ऐसे शुभ अवसरों के लिए बनारसी और कांजीवरम की साड़ियाँ बेस्ट होती हैं।

अगर आप पतली हैं :

यदि आप पतली हैं तो बड़े-बड़े फ्लॉवर प्रिंट की साड़ियाँ आप पर खूब फबेंगी। इससे आपका शरीर भरा-भरा लगेगा और साड़ी में भी आपका आकर्षक व्यक्तित्व नजर आएगा। ज्यॉमैट्रिक प्रिंट्स भी आपके लिए बेहतर सिलेक्शन साबित होंगे। जार्जेट या सिल्क की साड़ियाँ आपके आकर्षक व्यक्तित्व के लिए नितांत आवश्यक हैं।

यदि मोटी हैं आप :

मोटापा महिलाओं की एक आम समस्या है, जिससे कई महिलाएँ परेशान रहती हैं। मोटे लोगों को कपड़ों के सिलेक्शन पर बहुत अधिक ध्यान देना चाहिए। अगर आपका कद छोटा व वजन ज्यादा है तो आप छोटे फ्लॉवर प्रिंट वाली साड़ियों का चयन करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यों्क्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3852

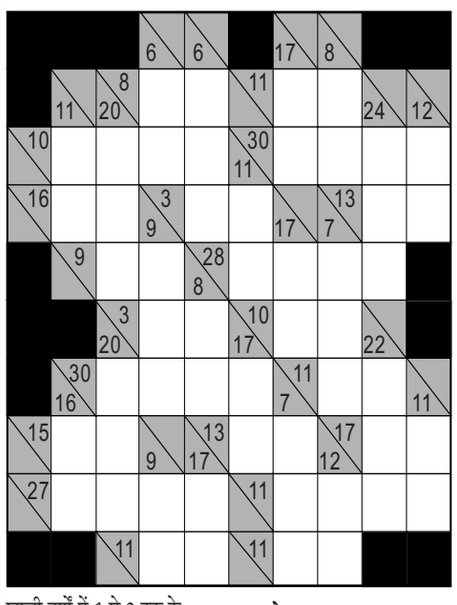

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

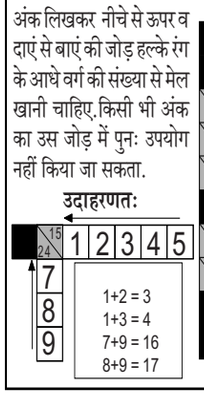

काकुरो - 3851 का हल

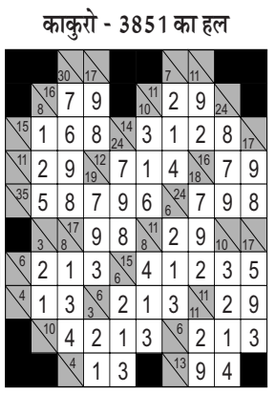

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला -'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.'यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3852

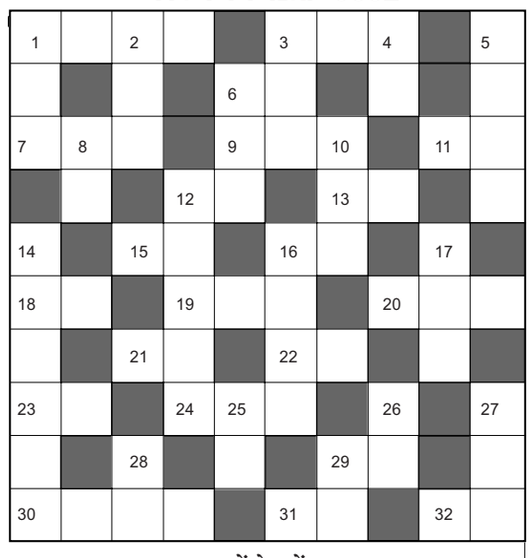

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाला शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे ?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचेः-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3851

मु	सा	फि	र	■	प्या	र	ही	प्या	र
क्ति	■	जा	न	म	■	पत्ता	■	सी	■
■	प	■	■	ज	ह	र	■	शा	न
प्र	ति	ज्ञा	■	बू	म	■	उ	म	र
■	ता	■	स	र	■	फू	ल	■	सि
सा	■	खौ	फ	■	न	■	झ	■	म्हा
व	क्त	■	र	■	म	ह्या	न	ता	■
न	■	दी	■	नौ	क	र	■	ल	की
भा	ग्य	वा	न	■	■	जी	त	■	म
दो	■	ना	■	स	पू	त	■	भू	त

सूडोकु -3852

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3851 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3852

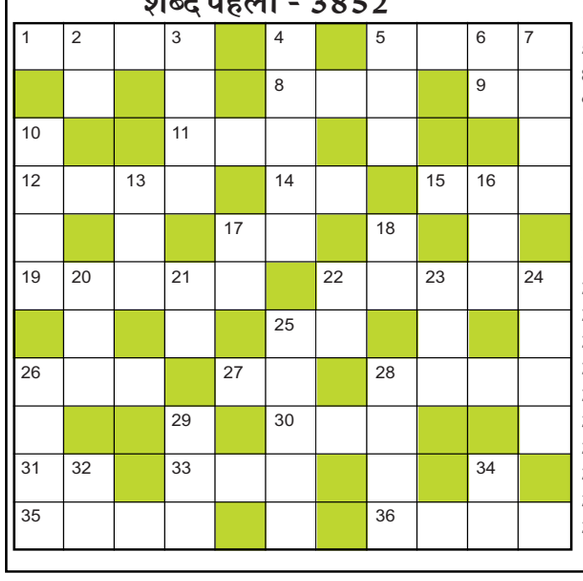

बाएँ से दाएँ

1. चिकित्सा,इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा,क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर,शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा,अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर,आकर्षक-5
22. अनासक्ति,निर्विकारता-5
25. पानी,नीर-2
26. सूखा,दुष्काल-3
27. कांटा,कंटक-2
28. शांति,ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31. लाख,गोंद-2
33. मधुक,महुआ-3
35. हृदयगति,स्पंदन-4
36. अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2. पंख,पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5. वियोग,जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता,अकेलापन-4
10. मरियल,निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म,गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम,नमस्कार-3
32. लड़ी,श्रृंखला-2
34. दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3851 का हल

■	बि	ज	ली	घ	र	■	मा	न	सि	क
दि	ल	■	ड	■	ख	न	न	■	ना	रा
ल	■	धा	र	दा	र	■	क	ली	■	मा
दु	ला	रा	■	■	खा	स	■	ख	प	त
ख	■	धा	■	ना	व	■	ग	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	च	म	क	दा	र
■	यू	■	त	■	स	र	■	ट	■	वा
ह	र	म	■	■	शा	म	■	■	पी	स	ना
ड़	■	य	श	■	का	रा	वा	स	■	हों
ता	न	■	प	ग	ली	■	न	■	म	ना
ल	थ	प	थ	■	न	ग	र	व	धु	■

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

पुलिस मुठभेड़ में जहरखुरान गिरफ्तार, तमंचा-कारतूस व नकदी बरामद

जौनपुर (एजेंसी) । यूपी के जौनपुर में शाहगंज पुलिस ने सोमवार देर रात मुठभेड़ के दौरान जहरखुरानी कर लूटपाट करने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से तमंचा, कारतूस और 9000 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जबकि उसके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान पंकज निषाद निवासी जनपद आजमगढ़ के रूप में हुई है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। इस संबंध में मंगलवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके आधार पर चिरैया मोड़ रेलवे लाइन के पास घेराबंदी की गई।मुठभेड़ के दौरान पंकज निषाद को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से 0.315 बोर का तमंचा कारतूस और 9000 रुपये नकद बरामद हुए हैं।पूछताछ में अभियुक्त ने खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर ट्रेन और रोडवेज बस से उतरने वाले यात्रियों को वाहन सुविधा का झांसा देकर अपनी चार पहिया गाड़ी में बैठाता था। इसके बाद उन्हें नशीला पदार्थ देकर बेहोश कर देता और उनका सामान लूट लेता था।आरोपित ने यह भी स्वीकार किया कि बरामद 9000 रुपये 18 मार्च 2026 को शाहगंज रोडवेज से एक वृद्ध महिला को नशा देकर लूटे गए धन का हिस्सा है। उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ फिर से वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।घायल अभियुक्त को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज भेजा गया है। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। इस संबंध में थाना शाहगंज में बीएनएस और 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बीएचयू के दृश्य कला संकाय में 'नवसर्जना' कला प्रदर्शनी

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के दृश्य कला संकाय के बी.एफ.ए. प्रथम वर्ष के 30 छात्र-छात्राओं की अपनी मौलिक कलाकृतियों की प्रदर्शनी 'नवसर्जना' को साथी छात्रों के साथ कला प्रेमी भी सराह रहे है। संकाय के अहिवासी कला वीथिका में प्रदर्शित ये कलाकृतियां विद्यार्थियों ने अपने नियमित शैक्षणिक कार्यों और असाइनमेंट के अतिरिक्त समय निकालकर सृजित की हैं। प्रदर्शनी के संयोजक डॉ. सुरेश चंद्र जांगिड़ ने मंगलवार को बताया कि 'नवसृजना' का उद्देश्य नवागंतुक छात्र-कलाकारों की रचनात्मकता और जलरंग के माध्यम से उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति को एक मंच प्रदान करना है।यद्यपि यह इन विद्यार्थियों के लिए सीखने और नए कौशल को निखारने का समय है, फिर भी उन्होंने कला निर्माण के तकनीकी पहलुओं में अपनी गहरी समझ और सक्षमता का परिचय दिया है। अधिकांश छात्र विशेष रूप से दृश्य चित्रों में प्रकाश और छाया के जादुई खेल से प्रभावित दिखे। वहीं, कुछ छात्रों ने भारत कला भवन संग्रहालय की प्राचीन मूर्तियों के सूक्ष्म विवरणों को अपनी कला के माध्यम से उकेरा है। अनुपम शर्मा ने व्यक्ति चित्रण के माध्यम से मानवीय भावनाओं और मूड को बखूबी दर्शाया है। वहीं, निरुपम रॉय ने वॉटरकलर लैंडस्केप में सूक्ष्म विवरणों को बड़ी बारीकी से तराशा है। नम्रता पाल ने 'एंटीक स्टडी' के माध्यम से प्राचीनता के प्रति अपना रुझान दिखाया है। इस प्रदर्शनी में अंजलि गुप्ता, शौविक, सुमित, पीयूष, सतीश, अंजलि विश्वकर्मा, सूरज, शिवा जी, अंकिता, कीर्ति, तनु, श्रेया, आलोक, साक्षी, पूजा, शिवराज, सोनू, अंजलि यादव, आर्यन, प्रिवेश, प्रगति, सपना, चांदोसाकी, कंचन, अंकित, रवि और हर्ष जैसे प्रतिभावान छात्र शामिल हैं। डॉ सुरेश ने बताया कि तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन बीते सोमवार को कला इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. ज्योति रोहिल्ला राणा और भारत कला भवन के उप-निदेशक डॉ. निशांत और दृश्य कला संकाय की संकाय प्रमुख प्रो. उत्तमा दीक्षित ने किया था। आठ अप्रैल बुधवार तक प्रदर्शनी का अवलोकन कला प्रेमी पूर्वाह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच अहिवासी कला वीथिका में कर सकते है।

पुलिस मुठभेड़, महिलाओं से छिनैती करने वाला बदमाश गिरफ्तार

बरेली (एजेंसी) । महिलाओं से मोबाइल, पर्स और हैंडबैग छीनने की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर बदमाश को मंगलवार तड़के थाना सुभाषनगर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी फायरिंग में बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान संजय उर्फ संजू उर्फ रघु (24) पुत्र राजेंद्र निवासी ग्राम सुकाली, थाना शाही के रूप में हुई है। वह अपने साथी अमित के साथ मिलकर इज्जतनगर, कैंट और सुभाषनगर क्षेत्र में महिलाओं से छिनैती की घटनाओं को अंजाम देता था। अमित की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। बताया गया कि 9 मार्च को इज्जतनगर के नैनीताल रोड रेलवे मार्केट के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने महिला का हैंडबैग छीना था। इसके बाद 12 मार्च को कैंट क्षेत्र के बुखारा मोड़ के पास महिला के कंधे से पर्स छीन लिया गया। वहीं, 13 मार्च को सुभाषनगर क्षेत्र में पराग फैक्ट्री के पास स्कूटी सवार महिलाओं से मोबाइल और वॉलेट छीन लिया गया था। इन घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया था। मंगलवार सुबह करीब चार बजे मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक बिना नंबर प्लेट की यामाहा एफजेड बाइक से करगैना चौकी क्षेत्र में घूम रहा है। इस पर पुलिस ने फतेहपुर रोड इटौआ मोड़ पर घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार, खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैरों में गोली लग गई। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की बाइक, एक सैमसंग मोबाइल, 2500 रुपये नकद और दो आधार कार्ड बरामद हुए। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि महिलाओं से छिनैती की घटनाओं में शामिल गिरोह के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं। उसके फरार साथी की तलाश में टीमें लगाई गई हैं और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बाइक से फिसलकर गिरने से महिला की मौत

अमेठी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई । सूचना पर पहुंची पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत दूधाधारी मजरे किसनी गांव निवासी हितलाल अपनी पत्नी करिश्मा और दो महीने की बेटी जानकी को लेकर इलाज कराने बाइक से डॉक्टर के यहां ले जा रहा था। हालांकि इस हादसे में दो माह की बेटी जानकी और पति हितलाल पूरी तरह से सुरक्षित है। किंतु बेटी के सर से मां का साया हमेशा के लिए उठ गया। इस संबंध में बाजार शुक्ल के थानाध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गई। जहां पर करिश्मा की लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है।

आगरा -मुख्यमंत्री योगी प्रदेश की सबसे बड़ी टाउनशिप योजना का करेंगे शिलान्यास

आगरा (एजेंसी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा में शहरी विस्तारीकरण एवं नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आगरा विकास प्राधिकरण की प्रदेश में अब तक की सबसे बड़ी टाउनशिप योजना 'ग्रेटर आगरा योजना' का शिलान्यास करेंगे। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वृंदावन में पवन हंस हेलीपेड से हेलीकॉप्टर द्वारा सीधे आगरा में एत्मादपुर के कुबेरपुर क्षेत्र स्थित रायपुर रहनकलाँ शिलान्यास स्थल के निकट बनाए गए हेलीपैड पर पहुंचेंगे और वहां आधुनिक सुविधा युक्त 10 टाउनशिप योजना का भूमि पूजन एवं शिलान्यास करेंगे। टाउनशिप के अलावा जनपद की 324 विभिन्न परियोजनाओं का भी शिलान्यास एवं लोकार्पण भी मुख्यमंत्री करेंगे। मुख्यमंत्री योगी करीब 4:30 बजे सांय हेलीकॉप्टर से रायपुर रहनकला कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री टाउनशिप के मॉडल का अवलोकन करने के साथ-साथ एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम से पहले दोपहर करीब 2:15 बजे लखनऊ से वायुयान द्वारा आगरा खेरिया सिविल एयरपोर्ट पर आएंगे और वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा वृंदावन के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। वृंदावन में जगतगुरु मलूक दास जयंती कार्यक्रम में भाग लेने के बाद हेलीकॉप्टर से आगरा में सीधे शिलान्यास स्थल रायपुर/ रहनकलां शाम 4:30 बजे पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री आज शहरी विस्तारीकरण/ नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा 5,142 करोड़ से आगरा के एत्मादपुर क्षेत्र के अंतर्गत कुबेरपुर स्थित रायपुर रहन कलां में आधुनिक सुविधा युक्त 10 टाउनशिप की नींव रखेंगे।यह प्रदेश में अब तक की सबसे बड़ी टाउनशिप योजना है। 449.65 हेक्टेयर भूमि पर 10 टाउनशिप का विकास किया जाएगा जिनका नामकरण देश की 10 प्रमुख नदियों के नाम पर किया गया है। टाउनशिप के अंतर्गत 4712 भूखंड निर्मित किए जाएंगे जिनमें ईडब्ल्यूएस, एल आई जी,एम आई जी और एचआईजी श्रेणियों के कुल 4391 आवासीय, 40 ग्रुप हाउसिंग, 160 मिश्रित एवं 121 अनावासीय भूखंड सम्मिलित हैं। अभी तक इस आवासीय योजनाओं में भूमि दर तय नहीं की गई है। आगामी दिनों में एडीए की बैठक में यह भूमि दर तय कर ली जाएगी और लगभग एक महीने बाद इन भूखंडों की बुकिंग भी शुरू हो जाएगी। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए)द्वारा टाउनशिप में जो 10 टाउनशिप बनाए जा रहे हैं उनके नाम गंगापुरम, नर्मदा पुरम, गोमतीपुरम, यमुनापुरम, कृष्णापुरम, सिंधुपुरम, बेतवा पुरम, महानदीपुरम,गोदावरीपुरम, कावेरीपुरम रखे गए हैं। ए डी ए पहले चरण में नर्मदा पुरम, गंगापुरम और महानदीपुरम को लांच करेगा। टाउनशिप के शिलान्यास के साथ-साथ मुख्यमंत्री 1324 करोड़ से ज्यादा की जनपद की विभिन्न 324 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी करेंगे। आगरा में इस शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के पर्यटन मंत्री एवं आगरा के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह के साथ-साथ केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल, सांसद राजकुमार चाहर, राज्यसभा सदस्य नवीन जैन,योगेंद्र उपाध्याय कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश, धर्मवीर प्रजापति राज्य मंत्री, बेबी रानी मौर्य कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश, धर्मपाल सिंह विधायक एत्मादपुर, जीएस धर्मेश विधायक आगरा कैंट, पुरुषोत्तम खंडेलवाल विधायक आगरा उत्तर, बाबूलाल विधायक फतेहपुर सिकरी, भगवान सिंह कुशवाह विधायक खेरागढ़, छोटेलाल वर्मा विधायक फतेहाबाद, रानी पक्षालिका सिंह विधायक बाह, विजय शिवहरि एमएलसी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह ने बताया मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर थाना एत्मादपुर क्षेत्र अंतर्गत कार्यक्रम स्थल रायपुर रहनकला में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल लगाया गया है। सभा स्थल, पंडाल, मीडिया गैलरी, वीआईपी पार्किंग आदि पर कड़ा सुरक्षा घेरा रहेगा,हालांकि मुख्यमंत्री जी का आगमन हेलीकॉप्टर से ही होगा परंतु वैकल्पिक व्यवस्था के रूप पर एत्मादपुर आगरा मार्ग पर भी पुलिस व्यवस्थाएं की गई हैं।

श्री संकट मोचन मंदिर के संगीत समारोह में पहली बार साहित्य कार्यक्रम की भी शुरूआत

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी स्थित श्री संकटमोचन मंदिर के वार्षिक संगीत समारोह में पहली बार साहित्य कार्यक्रम की भी शुरूआत हुई। समारोह की पहली निशा सोमवार देर शाम 'साहित्य मंच' पर लोकगायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी की पुस्तक 'चंदन किवाड़' का लोकार्पण कर साहित्य कार्यक्रम की शुरूआत हुई। मंच पर संगीत, कला और साहित्य का अनूठा संगम देख संगीत रसिक भी गदगद रहे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वम्भर नाथ मिश्र ने कहा कि संगीत का कार्यक्रम तो यहाँ होता रहा है। लेकिन साहित्य मंच की पहल एक नई शुरूआत है। संगीत और कला को समझने के लिए साहित्य को समझना भी जरूरी है। आज यहाँ संगीत, कला और साहित्य का संगम अनूठा और अद्वितीय है जो आगे से और भी बृहद रूप में आयोजित की जाएगी। पुस्तक के लोकार्पण के बाद लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने कहा कि मन के उद्गारों को जब लिखने का प्रण लिया तब बनारस मेरे नजरों के सामने रहा। मैंने कभी सोचा नहीं था कि श्री संकट मोचन परिसर में साहित्य का मंच बनेगा और साहित्य पर चर्चा होगी। उन्होंने पुस्तक की कुछ पंक्तियों को पढ़कर उसकी मूल भावना को रखा और कहा कि इस सिद्ध स्थल पर अपनी पुस्तक पर चर्चा होते हुए देखना मेरे पिछले जन्म के कर्मो का फल है। भारतीय संस्कृति लोक मंगल में विश्वास करती है।हमने जो कथाओं से सीखा है उसको जीवन से जोड़ने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता वरिष्ठ कवि प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल ने कहा कि चंदन किवाड़ पुस्तक एक सफल कलाकार की नहीं सच्चे कलाकार की स्मृति कथा है। इसका स्वर बहुबचनात्मक है। इसमें एक कथात्मक लय है जिसमें कई अनाम स्त्रियों की पहचान की गई है। स्वागत वक्तव्य में बीएचयू के न्यूरो चिकित्सक प्रो. विजयनाथ मिश्र ने कहा कि भगवान संकट मोचन जी के आशीर्वाद से इस नए कार्यक्रम की शुरूआत हुई है। युवा कवि व रंगकर्मी व्योमेश शुक्ल ने कहा कि यह अवसर शुभता का है जिसका आशय है मालिनी अवस्थी।

अनियंत्रित होकर पलटी श्रद्धालुओं से भरी स्कार्पियो, चालक की मौत- दो गंभीर

गोरखपुर (एजेंसी) । दर्शन करने के बाद सभी लोग स्कार्पियो से वापस घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि वाहन चालक संतोष कुमार वर्मा लगातार रातभर गाड़ी चलाते हुए आए। मंगलवार सुबह जब वे भिटौली थाना क्षेत्र के सोहरौना राजा गांव के पास पहुंचे, तभी उन्हें झपकी आ गई। इससे गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराई और गड्ढे में पलट गई। भिटौली थाना क्षेत्र के भैंसा पुल से धरमौली की ओर जाने वाली नहर पटरी पर सोहरौना राजा गांव के समीप मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी स्कार्पियो अनियंत्रित होकर पहले पेड़ से टकराई और फिर गड्ढे में पलट गई। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। अन्य सवार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार महराजगंज कस्बे के शिवनगर पड़री निवासी रामदयाल वर्मा (54), उनकी पत्नी निर्मला (50), बेटा जितेंद्र (32), बहू रागिनी (30) तथा सतभरिया निवासी संतोष कुमार वर्मा (40) और उनकी पत्नी सुमन (36) बीते शनिवार को पूरे परिवार के साथ देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम के दर्शन के लिए गए थे। सोमवार को दर्शन करने के बाद सभी लोग स्कार्पियो से वापस घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि वाहन चालक संतोष कुमार वर्मा लगातार रातभर गाड़ी चलाते हुए आए। मंगलवार सुबह जब वे भिटौली थाना क्षेत्र के सोहरौना राजा गांव के पास पहुंचे, तभी उन्हें झपकी आ गई। इससे गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराई और गड्ढे में पलट गई हादसे में कार के नीचे दबने से चालक संतोष कुमार वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। वही रामदयाल वर्मा और उनकी पत्नी निर्मला गंभीर रूप से घायल हो गए। अन्य लोगों को हल्की चोटे आईं। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों और राहगीरों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परतावल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने संतोष कुमार वर्मा को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल रामदयाल और निर्मला को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। भिटौली थाना प्रभारी मदन मोहन मिश्रा ने बताया कि शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संघ प्रमुख डॉ भागवत ने वृंदावन में संत मलूक दासजी महाराज के 452वें जयंती महोत्सव का किया शुभारंभ

मथुरा (एजेंसी) । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने मंगलवार को वृंदावन के मलूकपीठ आश्रम में आयोजित संत मलूक दासजी महाराज के 452वें जयंती महोत्सव का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।उन्होंने संत शिरोमणि मलूकदास महाराज की समाधि पर पूजा-अर्चना भी की और यहां की दिव्य रज को अपने माथे से लगाया।उन्होंने एकता का संदेश भी दिया। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत के मलूकपीठ आश्रम पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। समारोह में पूजा अर्चना करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ मोहन भागवत ने मंच से संतों संग एकता का संदेश दिया। इस आयोजन की विशेष बताते हुए इसके महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर प्रख्यात योग गुरु स्वामी बाबा रामदेव भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी सभी संतों को नमन किया। इस धार्मिक समारोह में गीतामनीषी ज्ञानानंद महाराज ने संत शिरोमणि मलूकदास महाराज के व्यक्तित्व व कृतित्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि मलूकदास महाराज दिव्य संत थे। गीतामनीषी ज्ञानांद महाराज उन्होंने संघ प्रमुख का मलूकपीठ आश्रम में प्रथम बार आगमन पर स्वागत किया। इस अवसर पर मलूकपीठाधीश्वर आचार्य राजेंद्रदास महाराज ने आरएसएस प्रमुख डॉ भागवत को ठाकुर जी की छवि भेंट की।
मंगलवार को डॉ भागवत के आगमन को लेकर मलूक पीठ परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है। जयंती समारोह के इन कार्यक्रमों में आज शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। उनके दौरे को लेकर स्थानीय प्रशासन और संगठन पूरी तरह सतर्क है। उल्लेखनीय है कि वृंदावन के मलूक पीठ (वंशीवट) में 7 अप्रैल 2026 को संत मलूक दास जी महाराज का 452वां जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस आयोजन में अष्टयाम लीला, समाधि पूजन, और प्रमुख संतों की उपस्थिति के साथ आध्यात्मिक चचाएं हो रही हैं। 30 मार्च से चल रहा यह आयोजन 8 अप्रैल तक चलेगा और इस महोत्सव में प्रतिदिन भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित हैं।

श्री संकट मोचन संगीत समारोह के अंतर्राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी में पारम्परिक रामलीला के मुखौटे आकर्षण

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में स्थित श्री संकटमोचन मंदिर के वार्षिक संगीत समारोह में अंतर्राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी में शामिल कलाकारों की बेमिशाल कृतियों ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। सोमवार देर शाम चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन बीएचयू चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एस.एन. शंखवार ने किया। 11 अप्रैल तक चलने वाले समारोह में देश-विदेश के कलाकारों की 1000 से अधिक चित्र प्रदर्शनी में शामिल किए गए है। प्रदर्शनी में काशी के प्रसिद्ध रामलीला से संबंधित छवि चित्रों तथा रामलीला मंचन में प्रयोग किए जाने वाले पारंपरिक मुखौटों को भी शामिल किया गया है। समारोह के साहित्य मंच पर तीन कलाकार–डॉ. सुरेश चंद्र जांगिड, अक्षत सिंह और मो. सुलेमान ने हनुमत प्रभु के विग्रह के समक्ष लाइव अपनी कला का प्रदर्शन किया। संकटमोचन संगीत समारोह के 103वें संस्करण के कला दीर्घा में इस बार 25 मूर्ति व पेंटिंग कला के साधक भी हनुमत प्रभु के दरबार में हाजिरी लगा रहे है। चित्र प्रदर्शनी के संयोजक प्रो. विजयनाथ मिश्र ने बताया कि कला दीर्घा में चित्रकला, मूर्तिकला, रामनगर रामलीला के मुखौटे, छायाचित्र और साहित्य का संगम दिखेगा। लोग छह दिनों तक संगीत के साथ हनुमान जी के विविध रूपों का दर्शन करेंगे। देशी-विदेशी कलाकारों में तेहरान के कलाकार भी भाग ले रहे है। उन्होंने बताया कि दंडपाणि भैरव के चित्र भी लगाए गए है। जिनमें काशी में उनके आगमन को दर्शाया गया है। अतिथि कलाकारों में इटली, स्पेन, अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस सहित करीब 15 देशों के चित्रकारों के श्रीराम दरबार, हनुमान जी आदि पर आधारित चित्र आ गए हैं, जिन्हें दीर्घा में प्रदर्शित किया गया है। करीब 50 ऐसे छायाचित्र है, जो प्रभु श्रीराम और हनुमान जी को दशार्ते हुए रामलीलाओं के पात्रों के भी है डॉ.मिश्र के अनुसार हनुमान जी ध्यान मुद्रा में, भजन करते हुए, लंका दहन, राम-लक्ष्मण को कंधे पर बैठाकर ले जाते आदि मुद्राओं में पूरे परिसर में कटआउट लगे है। श्रीराम दरबार का सेल्फी पॉइंट बनाया जाएगा।

कैम्पियरगंज में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा विश्वविद्यालय, 491 करोड़ रुपये की आएगी लागत

गोरखपुर (एजेंसी) । के इस पांचवें विश्वविद्यालय में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य वनावरण बढ़ाना, जैव विविधता संरक्षण को मजबूत करना, किसानों और छात्रों को आधुनिक प्रशिक्षण देना तथा कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में गोरखपुर में बनने वाले उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने इसके लिए उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश-2026 के प्रख्यापन को स्वीकृति प्रदान की है। 491 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यह विश्वविद्यालय कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया जाएगा। योगी सरकार वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय के लिए इस वर्ष प्रस्तुत प्रदेश के बजट में भी 50 करोड़ रुपये पास कर चुकी है। गोरखपुर के इस पांचवें विश्वविद्यालय में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य वनावरण बढ़ाना, जैव विविधता संरक्षण को मजबूत करना, किसानों और छात्रों को आधुनिक प्रशिक्षण देना तथा कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस फैसले से प्रदेश में हरित विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए योगी सरकार और गोरखपुर के नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। इसके पहले सरकार ने दुनिया के पहले राजगिद्ध (जटायु) संरक्षण केंद्र की स्थापना गोरखपुर में ही की है। 6 सितंबर 2024 को कैम्पियरगंज में दुनिया के पहले राजगिद्ध जटायु (रेड हेडेड वल्चर) संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के उद्घाटन अवसर पर सीएम योगी ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप ही वानिकी विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा की थी। अब इसे कैबिनेट की भी मंजूरी मिल गई है। यह उत्तर भारत का पहला वानिकी विश्वविद्यालय होगा। इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए गोरखपुर वन प्रभाग ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप ही 50 हेक्टेयर भूमि चिह्नित कर प्रक्रियात्मक तैयारी तेज कर दी है। गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विकास यादव का कहना है कि वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय में वानिकी के अलावा कृषि वानिकी, सामाजिक वानिकी और औद्यानिक के भी डिग्री और डिप्लोमा कोर्स संचालित कराने की योजना है उन्होंने बताया कि कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद अब शिलान्यास की तैयारी और तेज की जाएगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्गन्-मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्ट्री, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं गायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता - स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्नशिप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण - स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी - स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

अमेरिका और ईरान के बीच 45 दिनों के सीजफायर पर चर्चा, ट्रंप की धमकी के बीच रिपोर्ट में बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण स्थिति के बीच एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दोनों देशों के बीच अस्थायी युद्धविरामकी संभावना को लेकर चर्चा चलने की जानकारी मिली है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थों का एक समूह 45 दिनों के युद्धविराम की शर्तों पर चर्चा कर रहा है, जिससे युद्ध का अस्थायी अंत हो सकता है। यह बातचीत अमेरिका, इजरायली और क्षेत्रीय स्रोतों के हवाले से सामने आई है, जो शांति वार्ता की जानकारी रखते हैं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, अगले 48 घंटों में इस तरह के समझौते की संभावना कम है, लेकिन यह कहा जा रहा है कि यह प्रयास युद्ध में और नाटकीय वृद्धि को रोकने का एकमात्र मौका हो सकता है।

ईरान को ट्रंप की धमकी और पलटवार : इस बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिकी पूर्वी समयानुसार) तक होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह से खोलने के लिए सहमत नहीं हुआ, तो वह ईरानी बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले करेगा। ईरान ने इस धमकी का कड़ा जवाब दिया है। ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर उसके नागरिक ठिकानों पर हमला किया जाता है, तो ईरान की तरफ से 'बहुत अधिक विनाशकारी' जवाबी कार्रवाई की जाएगी। खतम अल-अंबिया सैन्य कमान के प्रवक्ता ने कहा, 'यदि नागरिक ठिकानों पर हमले दोहराए जाते हैं, तो हमारे आक्रामक और जवाबी कार्रवाई के अगले चरण बहुत अधिक विनाशकारी और व्यापक होंगे।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने का असर : होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया के तेल परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, दुनिया की तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा आपूर्ति करता है। इस जलमार्ग का प्रभावी रूप से बंद होना वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर ऊर्जा कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर। इस प्रकार की स्थिति ने न केवल क्षेत्रीय, बल्कि वैश्विक स्तर

पर भी चिंता बढ़ा दी है, और शांति वार्ता की संभावना का पता लगाया जा रहा है, ताकि युद्ध को और बढ़ने से रोका जा सके।

क्या ट्रंप ने ईरान के लिए समय सीमा बढ़ा दी है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए समझौता करने या विनाशकारी हमलों का सामना करने के लिए दी गई अपनी स्वयं निर्धारित समय सीमा को 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'मंगलवार, रात 8:00 बजे पूर्वी समय!

तेहरान प्रांत में अमेरिकी-इस्त्राइली हमले : ईरान की राजधानी तेहरान प्रांत में अमेरिकी और इस्त्राइली हमलों के दौरान चार लड़कियों और दो लड़कों समेत छह बच्चों की मौत हो गई। यह जानकारी ईरानी मीडिया एजेंसी फार्स न्यूज ने दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला बहारेस्तान काउंटी के एक रिहायशी इलाके पर हुआ था, जहां पहले हुए हमले में 13 लोगों की मौत की खबर सामने आई थी। इस्त्राइली सेना ने घोषणा की कि तेहरान में सरकारी ढांचे पर हमलों की एक लहर पूरी कर ली गई है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी तेहरान में चार और बहारेस्तान काउंटी में 13 लोगों की मौत हुई है।

हाइफा पर ईरानी मिसाइलों से हमला : इस्त्राइल के उत्तरी शहर हाइफा में ईरानी मिसाइलों का हमला हुआ। चैनल 12 के मुताबिक, शहर के 10 से अधिक स्थानों को निशाना बनाया गया। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुए। वीडियो और तस्वीरों में इमारतों और सड़कों को मामूली नुकसान पहुंचा और एक कार में आग लगने की जानकारी सामने आई।

दक्षिण कोरिया भेजेगा विशेष दूत : दक्षिण कोरिया पश्चिम एशिया से कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अरब, ओमान और अल्जीरिया में विशेष दूत भेजने की योजना बना रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद आन डो-गेल ने बताया कि तेल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत पांच कोरियाई ध्वज वाले जहाज सऊदी अरब भेजे जाएंगे। दक्षिण कोरिया अपनी लगभग सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर है और यहां से करीब 70 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है।

यूएई की वायु रक्षा मिसाइल और ड्रोन हमलों का कर रही सामना : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि देश की वायु रक्षा प्रणाली हाल ही में आए मिसाइल और ड्रोन खतरे का मुकाबला कर रही है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि आकाश में सुनाई दे रहे आवाज़ें रक्षा प्रणाली द्वारा किए जा रहे इंटरसेप्शन (हमलों को रोकने) के कारण हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि देश अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क है और सभी खतरों का जवाब दे रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रह्मोस डिजाइन करने वाले रूसी वैज्ञानिक लियोनोव का निधन

मास्को, एजेंसी। रूस के वरिष्ठ मिसाइल डिजाइनर अलेक्जेंडर लियोनोव का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह हाइपरसोनिक मिसाइल जिरकोन और भारत-रूस की ब्रह्मोस एनजी परियोजना से जुड़े थे। लियोनोव एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनीया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य डिजाइनर थे, जो ब्रह्मोस एयरोस्पेस का रूसी साझेदार है। उनकी मृत्यु का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हुआ है। उन्हें जिरकोन मिसाइल के विकास का श्रेय दिया जाता है, जो ध्वनि की गति से लगभग 9 गुना तेज उड़ान भर सकती है।

ब्रिटेन में श्रद्धालु करेंगे शिक्षापत्री के दर्शन, ऑक्सफोर्ड ने शुरू की यात्रा

लंदन, एजेंसी। स्वामीनारायण संप्रदाय के पवित्र ग्रंथ शिक्षापत्री की रचना के 200 साल पूरे होने पर ब्रिटेन में एक ऐतिहासिक यात्रा शुरू की गई है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की बोडलियन लाइब्रेरी ने पवित्र ग्रंथ के सम्मान में यह पहल की है। इसके तहत, इस पांडुलिपि को संप्रदाय के संतों के सहयोग से देशभर के प्रमुख मंदिरों में ले जाया जाएगा ताकि श्रद्धालु इसका दर्शन कर सकें। गुजरात के वडताल में सहजानंद स्वामी भगवान स्वामीनारायण ने 1826 में शिक्षापत्री की रचना की थी।

तनाव के बावजूद ताइवान के छह हजार छात्रों ने की चीन में पढ़ाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, ताइवानी छात्रों का अपनी पढ़ाई के लिए बीजिंग जाना जारी है। ताइपे टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो वर्षों में ताइवान के 6,000 से अधिक छात्र चीन के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं। यह स्थिति तब है जब ताइवान के अधिकारी सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए लगातार ऐसी यात्राओं के प्रति चेतावनी जारी कर रहे हैं। छात्रों के इस रुझान ने अब सरकारी सलाह की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चीन ने फ्रांस के नागरिक को दी फांसी, पेरिस ने उठाए सवाल

बीजिंग, एजेंसी। ड्रग्स तस्करी के आरोप में 2010 में मौत की सजा पाए फ्रांसीसी नागरिक चान थाओ फौमी (62) को चीन में फांसी दे दी गई है। चीन ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसने राष्ट्रीयता के आधार बचाव पक्ष के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। एक दिन पहले, फ्रांस ने मामले के निपटारे की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे इस बात का विशेष खेद है कि बचाव पक्ष को अदालत की अंतिम सुनवाई में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी गई।

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में जुटेंगे दुनियाभर के 180 प्रतिनिधि

मॉस्को , एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में 26 से 29 मई तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में इस बार दुनियाभर के 180 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण मंच है, जहां विभिन्न देशों के नेता, सैन्य अधिकारी, नीति निर्माता और विशेषज्ञ वैश्विक शांति एवं सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर मंथन करते हैं। इस फोरम के मुख्य एजेंडे में सुरक्षा मामलों के जिम्मेदार उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं।

ईंधन संकट से निपटने को नेपाल में दो दिन साप्ताहिक अवकाश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने ईरान युद्ध के कारण पैदा हुए ईंधन संकट को देखते हुए सरकारी कर्मचारियों के लिए दो दिन साप्ताहिक अवकाश का एलान किया है। नए फैसले के तहत अब सरकारी दफ्तरों में शनिवार व रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। पहले सिर्फ शनिवार को अवकाश होता था। नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि नई कार्य अवधि के तहत सरकारी दफ्तर अब सुबह नौ से शाम पांच बजे तक खुलेंगे लेकिन यह अवधि शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होगी।

अमेरिका में पुलिस पीछा करने की घटनाओं में आठ मौतें

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका में पिछले एक हफ्ते के अंदर पुलिस द्वारा किए गए हाई-स्पीड पीछा (कार चेज़) के दौरान कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई है। ये घटनाएं टेक्सास, अलबामा और कैलिफोर्निया में हुईं। अलबामा में एक कार पुलिस से बचने की कोशिश में सड़क से उतरकर पेड़ से टकरा गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। बताया गया कि कार में बैठे लोग सीट बेल्ट नहीं लगाए हुए थे, जिससे वे बाहर जा गिरे।

टेक्सास में एक कार बिना हेडलाइट के तेज रफ्तार में भाग रही थी। पुलिस पीछा कर रही थी, तभी कार कई वाहनों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और चालक की मौत हो गई। कैलिफोर्निया में भी दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की जान गई। एक मामले में आरोपी की कार ने एक दंपति को टक्कर मार दी, जो जल्द ही माता-पिता बनने वाले थे। विशेषज्ञों ने ऐसी खतरनाक पीछा करने की घटनाओं को सीमित करने की मांग की है।

ईरान में अमेरिका ने बम से उड़ा दिए अपने ही विमान, पायलट को बचाने में करोड़ों डॉलर का नुकसान

तेहरान, एजेंसी। ईरान में फंसे पायलट को निकालने के लिए अमेरिका को करोड़ों डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस अभियान के दौरान अपने ही विमान को उड़ा दिया। पहाड़ों में छिपे अपने कर्नल पायलट को निकालने के लिए अमेरिका ने बेहद जटिल अभियान चलाया था। उधर ईरान ने पायलट को पकड़ने पर इनाम की घोषणा कर दी थी। ऐसे में ईरान की सेना और आम लोग उसके पीछे पड़े हुए थे। अभियान के दौरान दो ब्लॉक हॉक हेलिकॉप्टरों पर ईरान ने हमला कर दिया। वहीं दो ट्रांसपोर्ट विमानों में तकनीकी खामी आ गई। इसके बाद ये विमान उड़ान भरने में सक्षम नहीं थे। इसलिए उन्हें अमेरिकी सेना ने खुद ही नष्ट कर दिया।

क्यों नष्ट करना पड़ गया अपना ही विमान : मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रेतीली जमीन में लैंडिंग या फिर किसी तकनीकी खामी की वह से अमेरिका के लॉकहीड मार्टिन सी-130 विमान उड़ान नहीं भर पा रहे थे। अमेरिका को डर था कि अगर इन विमानों को इसी हालत में छोड़ दिया गया तो विमान के साथ ही ईरान के हाथ कई दुर्लभ और सीक्रेट उपकरण भी लग जाएंगे। इसी को देखते हुए अमेरिकी सेना ने दोनों विमानों को को उड़ा दिया। ईरान ने विमान के बिखरे हुए पार्ट्स का वीडियो साझा करते हुए इसे नष्ट करने का दावा कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की कीमत 10 करोड़ डॉलर के आसपास थी।

ओसामा बिन लादेन पर हमले के दौरान भी ऐसा ही हुआ था : इस मलबे में बोइंग एमएच-6 लिटल बर्ड इंजन पाया गया। आम तौर पर इसका इस्तेमाल एमसी-130 जे में किया जाता है।

पाकिस्तान के एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान भी ऐसे ही हालात बने थे। इसके बाद अमेरिकी सेना ने अपने ही विमान को उड़ा दिया था। इन विमानों में अमेरिका की खास तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा एडवांस नेविगेशन सिस्टम भी लगा हुआ था। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया फिल्म जैसा अभियान सोशल मीडिया पर किए गए दो पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि इस अभियान के दौरान अमेरिका को पूरी तरह चुप रहना पड़ा, ताकि मिशन खतरे में न पड़े। इस दौरान राष्ट्रपति और उनके प्रशासन के शीर्ष अधिकारी लगातार पायलट की लोकेशन पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था। वाइट हाउस और पेंटागन ने प्रारंभिक दुर्घटना के बाद 24 घंटे से अधिक समय तक लड़ाकू विमान के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी, खासकर पहले पायलट के बचाव अभियान को लेकर। बाद में ट्रंप ने बताया कि ईरान में दिन के उजाले में सात घंटे तक यह अभियान चलाया गया।

भारत की कूटनीति बहुत अच्छी, युद्ध के बीच ईरान ने फिर की तारीफ

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने भारत की कूटनीति की तारीफ की है। सुप्रीम लीडर के भारत में प्रतिनिधि अब्दुल माजिद हकीम इलाही का कहना है कि भारत बड़ी भूमिका निभा सकता है। खास बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को अल्टीमेटम दे दिया है। वहीं, इसके बाद ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध और तेज होने के आसार हैं। हालांकि, ट्रंप का दावा है कि सोमवार को डील हो सकती है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, इलाही ने कहा है, 'भारतीय कूटनीति बहुत अच्छी है और वे इस मुद्दे में अधिक बड़ी भूमिका भी निभा सकते हैं।' उनका बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका और ईरान को युद्ध के बीच 1 महीने से ज्यादा समय हो गया है। विदेश नीति की भी हुई थी तारीफ कुछ दिनों पहले ही भारत में ईरान के राजदूत

मोहम्मद फताली ने कहा, 'भारत निश्चित रूप से तनाव कम करने में एक प्रभावी और सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। ग्लोबल साउथ के एक प्रमुख देश के रूप में और अपनी संतुलित विदेश नीति के कारण, भारत तनाव कम करने और बातचीत को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए एक विशेष स्थान रखता है।' उन्होंने कहा, 'भारत के सभी पक्षों के साथ ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध हैं, जो इसे गलतफहमियों को कम करने और राजनयिक रास्तों को मजबूत करने में एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाते हैं।' जयशंकर को मिलाया ईरानी विदेश मंत्री ने फोन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से बात की थी। उन्होंने जानकारी दी, 'ईरान के विदेश मंत्री अराघची का फोन आया। मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।' जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से भी रविवार को बात की थी। खबर है कि दोनों के बीच बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति और एनर्जी सप्लाई का मुद्द उठा था। विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी फोन पर बातचीत की। ट्रंप की धमकी ट्रंप ने रविवार को ईरान को सात अप्रैल तक का समय देकर कहा है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को नहीं खोला तो वह अब ईरान के बिजली घरों और पुलों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। उन्होंने सात अप्रैल 'मंगलवार' को 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' घोषित कर दिया है। उन्होंने पोस्ट किया है, ईरान में मंगलवार 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' होगा, सब कुछ एक साथ। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है।

नदी में पहुंची ग्रे व्हेल की मौत, भूख बनी वजह

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन में एक ग्रे व्हेल, जो 20 मील अंदर नदी तक पहुंच गई थी, मृत पाई गई। यह व्हेल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई थी, लेकिन अब वैज्ञानिकों का मानना है कि उसकी मौत का कारण भूख हो सकता है। यह व्हेल विलापा नदी में मिली, जो समुद्र से जुड़ी है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के वर्षों में ग्रे व्हेल की संख्या घट रही है क्योंकि उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा। वैज्ञानिकों का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र में भोजन की कमी के कारण व्हेल नए इलाकों में खाने की तलाश में भटक रही हैं। इसी कारण यह व्हेल भी नदी में आ गई थी। 2025 के आंकड़ों के अनुसार, अब ग्रे व्हेल की संख्या करीब 13,000 रह गई है, जो 1970 के बाद सबसे कम है। कई व्हेल बेहद कमजोर और दुबली पाई जा रही हैं। विशेषज्ञ अब इस मृत व्हेल की जांच करेंगे, ताकि सही कारण का पता लगाया जा सके।

फलस्तीनी प्राधिकरण पर 656 मिलियन डॉलर का जुर्माना बहाल

रामल्लाह, एजेंसी। अमेरिका की एक अपील अदालत ने फलस्तीन मुक्ति संगठन और फिलिस्तीनी प्राधिकरण पर लगाया गया 656 मिलियन डॉलर (करीब 5,400 करोड़ रुपये) का जुर्माना फिर से बहाल कर दिया है। यह मामला उन अमेरिकी नागरिकों से जुड़ा है, जो इस्राइल में हुए आतंकी हमलों में मारे गए या घायल हुए थे। पहले यह फैसला रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब अदालत ने दोबारा इसे लागू कर दिया है।

युद्ध से दुबई में पर्यटन पर संकट: 80% तक गिरी कमाई, होटल-रेस्तरां भी सूने

दुबई, एजेंसी। दुनिया के सबसे व्यस्त पर्यटन केंद्रों में शामिल दुबई पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते गहरे संकट से गुजर रहा है। पिछले साल यानी 2025 में 19.59 मिलियन अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत करने वाला यह शहर अब खाली होटलों, सूने रेस्तरां और ठप पड़े एयर ट्रैफिक की मार झेल रहा है। पर्यटन उद्योग से जुड़े कारोबारियों के अनुसार, आय में 50% से 80% तक की गिरावट आई है, जबकि होटल ऑक्यूपेंसी कई जगह 15-20% तक सिमट गई है। बीबीसी, बुकिंग प्लेटफार्म वेगो, डाटा एनालिटिक्स कंपनी एयरडीएनए और ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के अनुसार दुबई के रेस्तरां, जो आमतौर पर पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भीड़ से गुलजार रहते थे, अब खाली नजर आ रहे हैं। टाशस हॉस्पिटैलिटी ग्रुप की संस्थापक नताशा साइडेरिस कहती हैं कि देशभर में 14 आउटलेट्स और 1,000 से अधिक कर्मचारियों वाले उनके ग्रुप में राजस्व 50% से अधिक गिर चुका है, जबकि पर्यटकों पर निर्भर आउटलेट्स में यह गिरावट 70% से 80% तक पहुंच गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई प्रतिष्ठानों को अपने आधे से ज्यादा कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजना पड़ा है।

2.26 लाख से अधिक बुकिंग रद्द : डेटा फर्म एयरडीएनए के अनुसार, युद्ध शुरू होने के पहले महीने (28 फरवरी से 29 मार्च) के दौरान यूएई में 2,26,500 से अधिक शॉर्ट-टर्म बुकिंग रद्द हुई हैं।पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी होटल और शॉर्ट-टर्म अपार्टमेंट सप्लाई अब भारी दबाव में है, क्योंकि मांग अचानक गिर गई है।

प्रवासी कामगारों पर सबसे ज्यादा मार : दुबई के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम करने वाले प्रवासी कामगार इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है या उन्हें बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिया गया है। एक दक्षिण एशियाई वेटर के मुताबिक, यह कोविड-19 जैसा लग रहा है।हमें डर है कि फिर से नौकरी खोकर घर लौटना पड़ सकता है।मानवाधिकार समूहों के अनुसार यूएई में कई प्रवासी पहले से ही कर्ज के बोझ में दबे हैं, जिससे यह संकट उनके लिए और गंभीर हो गया है। क्षेत्रीय स्तर पर अरबों डॉलर का

नुकसान संभव ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की इकाई टूरिज्म इकोनॉमिक्स के अनुसार अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो मध्य पूर्व में 23 से 38 मिलियन कम पर्यटक आ सकते हैं। इससे 34 अरब डॉलर से 56 अरब डॉलर तक के पर्यटन राजस्व का नुकसान हो सकता है। मामून हमीदेन के अनुसार अगर युद्ध जल्दी खत्म होता है तो रिकवरी संभव है, लेकिन लंबा खिंचने पर पूरे समर सीजन पर सवाल खड़े हो सकते हैं। हवाई यातायात को झटका किराया बढ़ने के भी संकेत युद्ध के कारण वैश्विक विमानन उद्योग की रीढ़ माने जाने वाला गल्फ हब मॉडल को गहरे संकट में डाल दिया है। दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे विश्व के सबसे व्यस्त ट्रांजिट केंद्रों पर उड़ानों में भारी बाधा, ईंधन संकट और यात्रियों की सुरक्षा चिंताओं ने न केवल तत्काल संचालन को प्रभावित किया है, बल्कि लंबे समय में हवाई यात्रा के स्वरूप को भी बदलने की आशंका पैदा कर दी है। बीबीसी और इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के अनुसार दुबई, अबू धाबी और दोहा से सीमित लेकिन नियमित उड़ानें संचालित हो रही हैं।

हालांकि शेड्यूल अभी भी बार-बार बदल रहे हैं और कई रूट्स पर प्रतिबंध जारी हैं। ईंधन आपूर्ति भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो पाई है। जेट फ्यूल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर गल्फ कैरियर्स की क्षमता घटती है, तो हवाई किराए बढ़ना तय है। संघर्ष के बाद से सिरियम के विश्लेषकों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से मिडिल ईस्ट के लिए 30,000 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।

टेक्सास में पेट्रोल टैंकर में भीषण आग

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के फोर्ट वर्थ में एक पेट्रोल से भरा टैंकर ट्रक बिजली की तारों से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गया। हादसा रविवार तड़के हुआ, जब ट्रक एक अन्य वाहन से टकराकर सड़क से फिसल गया। टैंकर में करीब 9,000 गैलन पेट्रोल भरा था, जो रिसने लगा। इसी दौरान गिरी हुई बिजली की तारों से चिंगारी निकली और आग लग गई।

ट्रक चालक आग फैलने से रोकने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह बुरी तरह झुलस गया और उसकी हालत गंभीर है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ। दमकल की टीम ने कई घंटों तक पानी और रेत का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

शेयर बाजार में हरियाली.सेंसेक्स 510 अंक बढक़र 74617 पर बंद, निफ्टी 155 अंक चढक़र 23124 पर पहुंचा; आईटी और मेटल शेयर्स में खरीदारी रही

4 दिन में निवेशकों की झोली में आए 17 लाख करोड़

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में तेजी के कारण निवेशकों का मनोबल बढऩे से मंगलवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई।

आईटी शेयरों में खरीदारी ने शुरुआती नुकसान के बाद बाजारों में रिकवरी में मदद की। घरेलू शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन हरे निशान पर क्लोजिंग हुई है। खास बात तो ये है कि लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार ने इस तरह यूटर्न लिया। जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। इन चार दिनों में शेयर बाजार में 3.50 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। जिसकी वजह से निवेशकों की झोली में करीब 17 लाख करोड़ रुपए आ गए हैं। इसका मतलब है कि अप्रैल के महीने में शेयर बाजार बिल्कुल भी फेल नहीं हुआ है। ये तेजी और भी बेहतर हो सकती थी, अगर विदेशी निवेशकों की बिकवाली ना हुई होती। लेकिन लगातार एफआईआई की बिकवाली की वजह से बाजार की तेजी को थोड़ा थामकर ही रखा है।मंगलवार को शुरुआती गिरावट से ऊबरकर 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 509.73 अंक या 0.69 प्रतिशत बढक़र 74,616.58 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान, इसने 74,686.32 का उच्च और 73,282.41 का निम्न स्तर छुआ, जिसमें 1,403.91 अंकों का उतार-चढ़ाव आया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.40 अंक या 0.68 प्रतिशत चढक़र 23,123.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इंफोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इंटरग्लोब एविएशन, अदानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन पिछडऩे वालों में शामिल थे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत गिरकर 109 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल

अप्रैल के महीने में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल देखने को मिल चुका है। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स में अप्रैल के 4 कारोबारी दिनों में 2,669.03 अंकों की तेजी यानी 3.71 फीसदी की बढ़त देखने को मिल चुकी है। इसका मतलब है कि सेंसेक्स 72 हजार अंकों से नीचे के लेवल से उबरते हुए 75 हजार अंकों के करीब पहुंच चुके हैं।

अगर बात मंगलवार की करें तो सेंसेक्स 509.73 अंकों की तेजी के साथ 74,616.58 अंकों पर बंद हुआ। वैसे सेंसेक्स 73,734.36 अंकों पर ओपन हुआ था। जोकि ट्रेडिंग डे के दौरान 74,686.32 अंकों के साथ हाई पर पहुंच गया। वैसे सबह के वक्त शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी और कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 73,282.41 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर पहुंच गया था।

निफ्टी में भी आई तेजी

वहीं दूसरी ओर अप्रैल के महीने में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी में भी काफी तेजी देखने को मिल चुकी है।

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार निफ्टी में लगातार चार कारोबारी दिनों में 3.50 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल चुकी है। इसका मतलब है कि निफ्टी में 792.25 अंकों का इजाफा देखने को मिल चुका है। पिछले महीने के आखिरी कारोबारी दिन निफ्टी 22,331.40 अंकों पर बंद हुआ था, जोकि 23,100 अंकों के लेवल को पार कर चुका है। अगर बात बुधवार की करें तो निफ्टी 155.40 अंकों की तेजी के साथ 23,123.65 अंकों पर बंद हुआ। वैसे निफ्टी 22,838.70 अंकों पर ओपन हुआ था।

जोकि कारोबारी सत्र के दौरान 23,153.85 अंकों के साथ दिन के हाई पर आ गया था। जबकि सुबह के समय निफ्टी नेगेटिव था, और कारोबारी दिन 22,719.30 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर चला गया था।

एयर इंडिया ने बढ़ाया फ्यूल सरचार्ज, दूरी के अनुसार अब अलग शुल्क लागू

मुंबई ।

एयर इंडिया ग्रुप ने दुनिया भर में विमान ईंधन की कीमतों में लगातार उछाल के चलते अपनी उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का फैसला किया है। यह नई व्यवस्था 8 अप्रैल से ज्यादातर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूटों पर लागू होगी, जबकि यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए यह बढ़ा हुआ शुल्क 10 अप्रैल से लागू होगा। एयरलाइन का कहना है कि यह कदम पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के बीच हुई चर्चाओं के बाद उठाया गया है। घरेलू हवाई ईंधन की बढ़ती कीमतों पर 25 प्रतिशत की सीमा तय की गई थी। कंपनी ने लागत संतुलित करने के लिए यात्रियों से अतिरिक्त शुल्क लेना आवश्यक समझा। घरेलू उड़ानों के लिए एयर इंडिया ने अब फ्यूल सरचार्ज में नई प्रणाली अपनाई है। पहले सभी यात्रियों के लिए एक समान शुल्क लिया जाता था, लेकिन अब यह दूरी के आधार पर तय होगा। यानी जितनी लंबी यात्रा, उतना अधिक शुल्क। एयरलाइन का कहना है कि यह बदलाव ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बोझ को यात्रियों पर संतुलित रूप से बांटने के लिए किया गया है।

हाजिर मांग बढ़ने से तांबे के भाव में तेजी

नई दिल्ली ।

हाजिर मांग बढ़ने से तांबे का वायदा भाव मंगलवार को तीन रुपये की बढ़त के साथ 1,180 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई में आपूर्ति वाले तांबे के अनुबंध का भाव तीन रुपये चढ़कर 1,180 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। इस दौरान 126 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों के अनुसार बाजार प्रतिभागियों के ऊंचे दांव लगाने से तांबे की कीमतों में यह तेजी देखने को मिली।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर, प्रीमियम फ्यूल महंगा

नई दिल्ली ।

दिल्ली में सरकारी पंपों पर 7 अप्रैल को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रहीं। आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात है कि नियमित पेट्रोल 94.77 रुपए और डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर पर कायम हैं। वहीं प्रीमियम ईंधन महंगा है, जिससे उच्च-श्रेणी के वाहन मालिकों की जेब पर असर पड़ा है। नई दिल्ली के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में पेट्रोल 105 रुपए से ऊपर है। मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई में भी कीमतें 100 के आसपास बनी हुई हैं। शेल इं डिया और नायरा इनर्जी में पेट्रोल 99-100 रुपए और डीजल 92-93 रुपए पर बिक रहा है। एक्सपी 100 और एक्स्ट्रा ग्रीन की बढ़ी कीमतें प्रीमियम उपयोगकर्ताओं को महंगी पड़ रही हैं। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें उच्च स्तर पर हैं।

रणवीर सिंह बने जिंदल स्टेनलेस के पहले ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर और देशव्यापी सेलिब्रिटी एंडोर्सर घोषित किया है। कंपनी का उद्देश्य अपने ब्रांड और उपभोक्ताओं के बीच मजबूत संबंध स्थापित करना है। कंपनी ने कहा कि रणवीर सिंह का व्यक्तित्व और दर्शकों से जुड़ाव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। यह साझेदारी स्टेनलेस स्टील की बहुमुखी उपयोगिता को देशभर के लोगों तक पहुंचाने में मदद करेगी। जेएसएल के पास भारत और विदेशों में 16 विनिर्माण एवं प्रसंस्करण इकाइयां हैं, जिनमें स्पेन और इंडोनेशिया शामिल हैं। मार्च 2025 तक कंपनी का नेटवर्क 12 देशों में फैला हुआ था।

एयर इंडिया में बड़ा बदलाव, सीईओ कैंपबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा

- नए सीईओ की तलाश तेज, बढ़ती लागत और चुनौतियों के बीच नेतृत्व परिवर्तन

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में बड़े नेतृत्व बदलाव की खबर सामने आई है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, हालांकि नए प्रमुख की नियुक्ति तक वह जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। एयर इं डिया में एक अहम बदलाव के तहत सीईओ कैम्पबेल` विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका इस्तीफा कंपनी के बोर्ड द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, नेतृत्व में किसी प्रकार की अस्थिरता से बचने के लिए विल्सन सितंबर 2026 तक या नए सीईओ की नियुक्ति होने तक पद पर बने रहेंगे। बताया जा रहा है कि विल्सन पहले ही संकेत दे चुके थे कि वे लंबे समय तक इस पद पर नहीं रहेंगे। इसी कारण कंपनी ने जनवरी 2026 से ही नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी थी। इस पद के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई अनुभवी एविएशन लीडर्स के नामों पर विचार किया जा रहा है और जल्द ही इस पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। कैंपबेल विल्सन का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एयर इंडिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। एयरलाइन को परिचालन बाधाओं, बढ़ती ईंधन लागत और वैश्विक हालात के चलते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का घाटा 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

निसान मोटर ने महाराष्ट्र में किया अपने नेटवर्क का विस्तार

मुंबई ।

जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर ने महाराष्ट्र के मुंबई में दो शोरूम और एक सर्विस सेंटर की शुरुआत की है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि घाटकोपर में 2,000 वर्ग फुट और मालाड में 2,100 वर्ग फुट क्षेत्र में दो आधुनिक शोरूम खोले गए हैं। इसके अलावा कांदिवली में 7,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक सर्विस वर्कशॉप शुरू की गई है जहां हर महीने 300 कार तक की सर्विस की जा सकेगी। कंपनी ने कहा कि यह विस्तार भारत के प्रमुख बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर बिक्री एवं सेवा अनुभव उपलब्ध कराने की उसकी रणनीति का हिस्सा है। निसान मोटर इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा` कि मुंबई में नए शोरूम तथा 'वर्कशॉप' के साथ हमने महाराष्ट्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। इस क्षेत्र में ग्राहकों की मांग मजबूत बनी हुई है और निसान ब्रांड के लिए यहां विकास की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह विस्तार कंपनी के देशव्यापी नेटवर्क विस्तार कार्यक्रम का हिस्सा है जो ग्राहकों के और करीब पहुंचने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों के लिए 2.5 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना

– सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कहा है कि वह पे श्चिम ऐ शिया संकट से प्रभो वित कारोबो रियों विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना लाने के बारे में सोच रही है। इस योजना ने कारोबो रियों को राहत ` मिल सकती है। सूत्रों के मुतो बिक इस योजना के तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण उधारकर्ताओं द्वारा ऋण चुकाने में चूक होने की स्थिति में उधारदाताओं को 100 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर करीब 90 प्रतिशत की ऋण गारंटी प्रदान की जाएगी। बैंक ऋण पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) देगी जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा। ऐसी ही योजना कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भी लागू की गई थी, जो काफी सफल रही और विभिन्न क्षेत्रों के कई कारोबारों को काम जारी रखने एवं बकाया चुकाने में मदद मिली। सरकार ने मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न व्यवधान के बीच पात्र एमएसएमई और अन्य कारोबारी इकाइयों को परिचालन देनदारियां पूरी करने और कारोबार फिर से शुरू करने में मदद देना था। इस योजना के तहत अर्थव्यवस्था के करीब सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया था और पात्र उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण पर सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100 प्रतिशत गारंटी प्रदान की गई थी। योजना की संरचना ऐसी थी कि उधारकर्ताओं को ऋण आसानी से मिल सके।

ऋणदाता संस्थान उधारकर्ता के मौजूदा ऋण के आधार पर पूर्व-स्वीकृत ऋण देते थे और अतिरिक्त ऋण के लिए नया मूल्यांकन नहीं किया जाता था।इसके अलावा ऋण पर ब्याज दर की अधिकतम सीमा तय की गई थी ताकि कर्ज की लागत कम रहे एवं ऋण बिना 'प्रोसेसिंग' (प्रक्रिया) शुल्क, पूर्व भुगतान शुल्क और गारंटी शुल्क के दिए जाते थे। यह योजना 31 मार्च 2023 तक लागू रही। इस बीच सरकार ने आम लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए हाल में कई कदम भी उठाए हैं जिनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती शामिल है।भारत ने पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया है। साथ ही महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर छूट दी है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र में संचालन की अनुमति भी दी गई है। असरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटाया था ताकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के असर से उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से एफएमसीजी और पेंट इंडस्ट्री पर दबाव, बढ़ेगी महंगाई

– बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के सामान होंगे महंगे, पैकेट साइज घटेगा

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें अब आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर दिखा रही हैं। बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के सामान महंगे होने के कगार पर हैं। कंपनियां लागत बढ़ने से निपटने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी या पैकेट साइज घटाने की रणनीति अपना रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लाहोरी जीरा जैसे ब्रांड ने महीने की शुरुआत से चुनिंदा उत्पाद महंगे कर दिए हैं। खाद्य तेल कंपनियों ने 4-5 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। पाम ऑयल की बढ़ती कीमतें बीकाजी, ब्रिटानिया और नेस्ले जैसी कंपनियों के लिए भी चिंता का कारण बनी हैं। पाम ऑयल साबुन निर्माण का अहम कच्चा माल है, जिससे हिंदुस्तान यूनिलीवर और गोदरेज जैसी कंपनियों पर भी लागत का दबाव बढ़ गया है। एलपीजी पर निर्भर पैक्ड फूड कंपनियों ने उत्पादन घटाया या अस्थायी रूप से रोक दिया है। इससे सप्लाई पर असर पड़ सकता है और उपभोक्ताओं को कीमतों में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। जायडस वेलनेस के एक अे धिकारी के अनुसार कंपनियां छोटे पैकेटों का वजन

कम कर सकती हैं, जबकि बड़े पैक के दाम सीधे बढ़ाए जा सकते हैं। पेंट उद्योग में करीब 40 फीसदी कच्चा माल कच्चे तेल से जुड़ा है।

बर्जर पेंट्स, कंसाई नेरोलैक और जेएसडब्ल्यू डुलक्स पहले ही दाम बढ़ा चुके हैं। एशियन पेंट्स आने वाले समय में 6-8 फीसदी तक कीमत बढ़ा सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ती लागत के कारण कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। इसका असर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

एसडीएचआई को चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका

- भारत में बनेगा पहला अमोनिया ईंधन चालित वाणिज्यिक जहाज

मुंबई ।

स्वान डिफेंस एंड हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) को एनर्जी वन लिमिटेड से चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका मिला है।

यह ठेका श्रेणी-4 का है और 1,501 करोड़ रुपये से 3,000 करोड़ रुपये के बीच है। एसडीएचआई के अनुसार, पहला जहाज अक्टूबर 2029 तक सौंपा जाएगा और उसके बाद के जहाज हर चार महीने पर तैयार होंगे। प्रत्येक जहाज की लंबाई 229.5 मीटर और चौड़ाई 37 मीटर होगी। इनमें अमोनिया ईंधन से चलने वाली डुअल-फ्यूल प्रणोदन प्रणाली होगी।

कंपनी ने बताया कि ये जहाज भारत में बने सबसे बड़े वाणिज्यिक जहाजों में शामिल होंगे। एसडीएचआई के निदेशक ने कहा कि यह परियोजना भारतीय जहाज निर्माण उद्योग के लिए तकनीकी क्षमता और पैमाने दोनों में महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाती है। एसडीएचआई की यह सफलता न केवल पिपावाव शिपयार्ड की क्षमताओं पर वैश्विक भरोसा दिखाती है, बल्कि भारत के ग्रीन शिपिंग क्षेत्र में एक बड़ा कदम भी साबित होती है।

एनसीएलएटी ने फ्यूचर लाइफस्टाइल की दिवाला प्रक्रिया तीन महीने में पूरी करने निर्देश दिया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन की दिवाला समाधान प्रक्रिया को तीन महीनों के भीतर पूरा करने का आदेश दिया है। अदालत ने कंपनी की महत्वपूर्ण संपत्ति को खाली कराने की एक लेनदार की अपील खारिज करते हुए कहा कि यह संपत्ति कंपनी के संचालन और समाधान प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने समाधान पेशेवर और एनसीएलटी से कहा कि वे पूरी प्रक्रिया को जल्द से जल्द निपटाएं और यदि संभव हो तो इसे आज से तीन महीने के भीतर पूरा करें। अदालत ने अपने 18 पन्नों के आदेश में बताया कि अपील में शामिल संपत्ति ही कंपनी का वह मुख्य परिसर है, जहां उसका संचालन 'सेंट्रल' ब्रांड के तहत जारी है। अदालत ने यह भी कहा कि कंपनी के कुल कारोबार का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा इसी संपत्ति से आता है। इसलिए इसे कंपनी के पास बनाए रखना और दिवाला समाधान प्रक्रिया के दौरान संचालन जारी रखना जरूरी है। किशोर बियाणी के नेतृत्व में फ्यूचर ग्रुप का खुदरा कारोबार देशभर में सेंट्रल और ब्रांड फैक्ट्री जैसी बड़ी स्टोर श्रृंखलाओं के माध्यम से संचालित होता था। फ्यूचर लाइफस्टाइल के पोर्टफोलियो में ली कूपर, चैंपियन और स्कलर्स जैसे दर्जनों फैशन ब्रांड शामिल थे। बैंक ऑफ इंडिया की याचिका पर 4 मई 2023 को एनसीएलटी मुंबई पीठ ने कंपनी के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू की थी।

- 2025 में रिकॉर्ड रिटर्न के बाद अचानक बदलाव

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने निवेशकों को चौंका दिया है। 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाली कीमती धातुएं सोना और चांदी अब लगातार गिरावट का सामना कर रही हैं। वैश्विक अनिश्चितता और डॉलर की मजबूती ने बुलियन के दामों पर दबाव डाल दिया है। 2025 में सोना और चांदी ने निवेशकों को बड़ा मुनाफा दिया था। चांदी की कीमत में 165 फीसदी से अधिक और सोने में 75 फीसदी से अधिक की बढ़त हुई थी। जनवरी 2026 में यह तेजी जारी रही, जब सोना 5,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया और चांदी 121 डॉलर प्रति औंस तक। इस प्रदर्शन ने संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक और निवेशक अपने पोर्टफोलियो में बड़े बदलाव कर रहे थे। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के शुरू होने पर सोना और चांदी में हल्की तेजी देखने को मिली। शुरुआत में निवेशकों ने इसे सुरक्षित निवेश की तरह देखा। हालांकि, यह तेजी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई। युद्ध लंबा खिंचता गया और तेल की कीमतें बढ़ने लगीं। विश्लेषकों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक गतिविधियां धीमी हुईं। अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जिससे सोना और चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ा। एक्सिस सिक्योरिटीज के एक वे रिष्ठ ` विश्लेषक के अनुसार अमेरिका ने ईरान की प्रतिक्रिया का गलत आकलन किया था। होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने और महंगाई के बढ़ने से फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हुई। अपने रिकॉर्ड हाई से अब तक सोने की कीमत लगभग 16 फीसदी गिरकर 4,680 डॉलर प्रति औंस पर आ गई है।

चांदी में और तेज गिरावट देखने को मिली है, जो 35 फीसदी से अधिक टूटकर करीब 74 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट करता है कि किसी लंबी अवधि के युद्ध में प्रारंभिक तेजी अक्सर टिक नहीं पाती। ऐतिहासिक डेटा भी यही दिखाता है।

फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के पहले हफ्ते में सोना 4 फीसदी और चांदी 6 फीसदी बढ़ी थी, लेकिन बाद में कीमतें गिर गईं। इसी तरह भारत-पाकिस्तान संघर्ष 2025 में अपेक्षाकृत छोटा और सीमित प्रभाव वाला रहा, इसलिए कीमतें स्थिर रही।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी ओर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलमी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा।

दिल्ली कैपिल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्षर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है।

गुजरात की टीम अपने पिछले मैच में

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। टीम के पास ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी हैं पर अब तक ये रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मैच से बाहर थे पर इस मैच से उनकी वापसी तय है। गुजरात के बल्लेबाजों ही नहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। सिराज और रबाडा दोनो ही अब तक विकेट लेने में तो सफल रहे हैं पर इन्होंने काफी रन दिये हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। केवल स्पिन राशिद और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं।

इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। ऐसे में गुजरात को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

विराट और अनुष्का के फिल्म धुरंधर की प्रशंसा से उत्साहित हैं आदित्य धर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्मी 'धुरंधरः द रिवेंज' की जमकर प्रशंसा की है। इसी को लेकर आदित्य धर भी उत्साहित हैं।

अदित्य ने कहा कि जिस प्रकार से कोहली ने कहा कि उन्होंने भारत में इससे पहले ऐसी फिल्म नहीं देखी से उनका हौंसला बढ़ा है। आदित्य धर ने लिखा, 'वाह! भरोसा नहीं हो रहा कि ये सच में हो रहा है विराट, इसका मेरे लिए बहुत मतलब है। मैं आपका अंडर-19 विश्व कप के दिनों से प्रशंसक हूं।'

उन्होंने साथ ही लिखा, 'एक पीढ़ी में एक बार आने वाले लीजेंड को इस तरह प्यार दिखाते देखना अलग ही एहसास है। जिस तरह आप हर बार देश का नाम रोशन करते हैं, वो हमें भी प्रेरित करता है। इसी प्रकार हम भी अपनी फिल्मों के जरिए भारत का नाम ऊंचा करने का प्रयास करते रहेंगे जय हिंद।'

आदित्य ने अनुष्का की तारीफ का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने फिल्म में एक्टिंग की सराहना की थी। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक ने लिखा, 'इतनी बेहतरीन कलाकार से ऐसी प्रतिक्रिया मिलना वाकई भावुक कर देने वाला अनुभव है। बहुत-बहुत धन्यवाद।'

इससे पहले विराट ने फिल्म को बेमिसाल सिनेमाई अनुभव बताया था। उन्होंने कहा था कि करीब चार घंटे की फिल्म के दौरान वह एक बार भी नहीं हिले और रणवीर सिंह के अभिनय को उन्होंने शीर्ष स्तर का बताया। अभिनेत्री अनुष्का ने भी फिल्म की सोच और क्राफ्ट की तारीफ की थी। उन्होंने इसे 'रोमांचक और डूब जाने वाला' बताया और आदित्य की सोच और कास्ट की एक्टिंग की सराहना की थी।

20 अप्रैल के बाद ही खेल पायेंगे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज स्टार्क

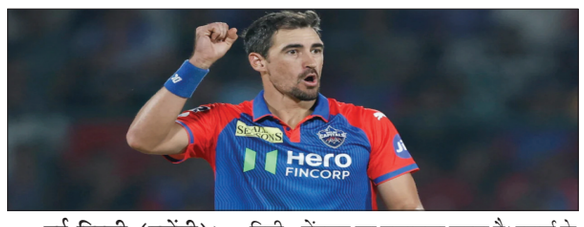

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिल्स टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अभी फिट नहीं हैं और ऐसे में वह अगले तीन मैचों में नहीं खेलेगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये करारा झटका है क्योंकि स्टार्क उसके सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली को बुधवार को गुजरात टाइटंस से खेलना है जिसमें उसे स्टार्क की कमी खलेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क इस समय कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे है। माना जा रहा है कि वह 20 अप्रैल के बाद ही खेलने के लिए फिट हो पायेंगे। वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन मैच खेलने हैं जिसमें उसे इस तेज गेंदबाज के बिना उतरना होगा। उसे 8 अप्रैल को गुजरात टाइटंस, 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और 18 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला करना है। स्टार्क के बाहर होने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीत लिए हैं जिससे उसका मनोबल मजबूत हुआ है।

टीम ने गेंदबाजी में मुकेश कुमार, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और विप्राज निगम को शामिल किया है। स्टार्क के टीम में जुड़ने से दिल्ली की गेंदबाजी की धार बढ़ेगी।

इससे पहले स्टार्क ने कहा था कि वह केवल फिटनेस के कारण बाहर हैं। इसका कोई और मतलब नहीं निकालें। स्टार्क ने लिखा कि मीडिया में उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाये जा रहे हैं पर ये गलत है वह केवल फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम, खेलेगी चार मैचों की सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस महीने चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स स्थित सिनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारत अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे, जिनका समय स्थानीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे) रहेगा।

भारत और अर्जेंटीना के बीच पिछले कुछ वर्षों में कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के दौरान 2-2 से ड्रॉ मुकाबला भी शामिल है, जिसका फैसला शूटआउट से हुआ था। यह दौरा भारत के लिए उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच अभ्यास का अवसर प्रदान करेगा और हॉकी इंडिया की रणनीतिक योजना के अनुरूप टीम को 2026 के एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और इस साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने में मदद करेगा।

यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम तैयारी साबित होगी, जिसमें टीम को चार तेज-तर्रार मैच

खेलने का मौका मिलेगा। साथ ही, कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के विभिन्न संयोजन और रणनीतियों को आजमाने का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रही है।

दौरे को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों के दल के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक सोचा-समझा फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें बताएगा कि हर खिलाड़ी किस स्तर पर खड़ा है। हम देखना चाहते हैं कि दबाव के समय कौन खिलाड़ी आगे आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टीम में जगह बनाने के लिए सबसे पहले एक टीम खिलाड़ी होना जरूरी है। व्यक्तिगत क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा सकते और एक-दूसरे के लिए काम नहीं कर सकते, तो इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।'

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर आरोप लगा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मारूब्रा इलाके में रैंडम ब्रीथ टेस्टिंग के दौरान वॉर्नर को रोका गया। पुलिस ने बयान में बताया कि वॉर्नर की कार टेस्टिंग पॉइंट से पहले ही रुक गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें चेक किया। रोडसाइड टेस्ट में वॉर्नर का रिजल्ट पॉजिटिव आया। इसके बाद उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां दोबारा टेस्ट में उनका अल्कोहल लेवल 0.104 पाया गया। यह ऑस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। इस मामले में उन्हें कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है। डेविड वॉर्नर को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना होगा। फिलहाल इस मामले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि वॉर्नर का नाम हमेशा बड़े खिलाड़ियों में गिना जाता रहा है।

सैमसन के कमजोर प्रदर्शन से चिंतित नहीं कोच फ्लेमिंग

बेंगलुरु। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था पर वह शुरुआती तीनो ही मैचों में असफल रहे हैं। जिससे सीएसके को भी काफी नुकसान हुआ है और टीम तीनो मैचों में हारी है हालांकि सैमसन की इस प्रकार असफल होने से टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग चिंतित नहीं हैं। फ्लेमिंग का कहना है कि सैमसन के तीन मैच के खराब प्रदर्शन से परेशान होने की जरुरत नहीं है। कोच ने कहा कि

वह हाल ही में टीम में आये हैं और टीम के माहौल के अनुसार रहने की प्रक्रिया से गुजर रहा है पर रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सैमसन अब तक तीन मैचों में छह, सात और 9 रन ही बना पाये हैं। फ्लेमिंग ने कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी में लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम में जाने के बाद एकद से अलग माहौल मिलता है जिससे ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, टीम पांच या छह बदलाव हुए हैं। ऐसे में टीम में बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अभी और प्रयास करना होगा। वह टीम में बहुत अच्छे से घुल-मिल गया है। फ्लेमिंग ने कहा, वह रन बनाने और सीनियर खिलाड़ियों के साथ योगदान देने के लिए तैयार हैं। हमने विश्व कप में उसके प्रदर्शन में देखा कि जब वह लय में आ जाता है तो वह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए इस खिलाड़ी को प्रबंधन की ओर से अपने अनुसार खेलने की आजादी है। वहीं लीग में अब तक रन नहीं बना पाये युवा आयुष म्हात्रे को लेकर फ्लेमिंग ने कहा कि उसके जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ धैर्य रखने की जरूरत है जिससे वे निरंतरता हासिल कर सकें। म्हात्रे ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया था लेकिन बेंगलुरु के खिलाफ वह एक रन ही बना पाए थे। उन्होंने कहा, हमारी टीम में अच्छा संतुलन है। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हमें यह स्वीकार करना होगा कि गलतियां भी होंगी। हमारे पास माइक हसी के रूप में एक बहुत अच्छा मार्गदर्शक है, जो एक बेहतरीन बल्लेबाजी कोच हैं और खेल की अच्छी समझ रखते हैं।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें सन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था।

अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि में भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये। वह सीएसके के 14 मैचों में से केवल 9 मैच में ही खेले थे। सीएसके से ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, इसलिए वह इस टीम से भावनात्मक रुप से जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैं वहां नहीं जाना चाहता। यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता था। मैंने थोड़ी चर्चा की और फिर फैसला किया कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की है और मैं अपने गृहनगर में ही इसे समाप्त कर रहा हूं। अश्विन ने कहा, मैंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि इससे उन्हें मुझे टीम में बनाए रखने या बाहर करने का फैसला लेने के लिए दुविधा में नहीं पड़ना पड़ा। इसके अलावा मेरे

संन्यास लेने से उनकी 10 करोड़ रुपये की बचत भी हुई।

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप से मिश्रित युगल जोड़ियां बाहर

निंगबो। भारत की बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप 2026 के मिश्रित युगल में शुरूआत निराशाजनक रही जब उसकी दोनों जोड़ियां मंगलवार को पहले दौर से हारकर बाहर हो गई। रोहन कपूर और रूत्विका शिवानी गाडे की जोड़ी मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त गोह सून हुआत और लेइ शेवोन जैमी की जोड़ी से 34 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गई। एक अन्य मैच में असित सूर्या और अमृता प्रथमेश की जोड़ी मलेशिया के वोंग तियेन सि और लिम चियू सियेन से 31 मिनट में 16-21, 15-21 से हार गई। एकल वर्ग के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे। पुरूष एकल में आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप उपविजेता लक्ष्य सेन का सामना हांगकांग के ली चियुक यू से होगा। वहीं महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से खेलेंगी। भारत की पुरूष टीम में सेन के अलावा किदाम्बी श्रीकांत, एच एस प्रणय और आयुष शेट्टी भी हैं। वहीं महिला टीम में सिंधू के साथ तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और मालविका बंसोड़ हैं।

कप्तान के तौर पर ईशान किशन जबरदस्त रहे हैं, वह सलाह भी मांगते हैं : हेनरिक क्लासेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बड़े-बड़े शॉट लगाने वाले बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कप्तान ईशान किशन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने किशन को एक बेहतरीन कप्तान बताया और कहा कि जिस तरह से टीम इस युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज का साथ देती है, वह 'बस जबरदस्त' है। इसके अलावा फैसले लेने में उनकी शांति और टीम में मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की उनकी इच्छा भी काबिले-तारीफ है।

किशन को SRH का अंतरिम कप्तान बनाया गया था क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस कमर की चोट से उबरने की वजह से शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी कप्तानी में स्ना ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और पॉइंट्स टेबल पर 5वें स्थान पर है।

क्लासेन ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि अब तक वह बहुत बढ़िया रहे हैं। वह ऐसे इंसान हैं जो सलाह मांगते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हमारे ड्रेसिंग रूम में बहुत अनुभव है। इसलिए वह

उस अनुभव का फायदा भी उठाते हैं। लेकिन उनके फैसले लेने का तरीका, जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम उनकी बात सुनती है, वह अब तक बस जबरदस्त रहा है।'

उन्होंने कहा, 'तो जैसा कि मैंने कहा कि टीम बहुत अच्छे हाथों में है और अच्छी बात यह है कि वह बिल्कुल भी घमंडी इंसान नहीं हैं, जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। इसलिए बीच-बीच में काफी मजाक-मस्ती होती रहती है ताकि माहौल ज्यादा गंभीर न हो जाए, क्योंकि मुझे लगता है कि यह माहौल कभी-कभी खेलने के लिए काफी मुश्किल हो सकता है।'

क्लासेने ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था (झारखंड ने उनकी कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी)। तो इस मामले में उनके पास काफी अनुभव है। लेकिन अब तक, मुझे उनकी कप्तानी में सच में बहुत मजा आया है और वह अब तक जबरदस्त रहे हैं।'

आवेश बल्ला जमीन पर मारने के कारण विवादों में आये

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में आचारसंहित उल्लंघन के आरोप लगे हैं। इस मैच के अंतिम ओवर के दौरान जैसे ही कप्तान ऋषभ पंत ने विजयी रन बनाये। आवेश ने जीत की खुशी में बल्ला मैदान पर मार दिया। इसी को लेकर आपत्ति जताई जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि आवेश इस प्रकार की हरकतें पहले भी करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस प्रकार से बल्ला मारे जाने को नियमों का उल्लंघन करार दिया है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि पेनल्टी के रूप में विरोधी टीम को 5 रन दिए जाने चाहिए थे। वहीं पूर्व अंपायर अनिल चौधरी ने आवेश खान ने सच में नियमों का उल्लंघन किया है। चौधरी का कहना है, 'आवेश ने जल्दी जश्न मनाते हुए बल्ला मैदान पर लगा दिया। पहले भी एक मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने जीतने के बाद हेलमेट फेंक दिया था, जिसके बाद उन पर फाइन लगा था। उन्हें इस प्रकार नियमों का उल्लंघन नहीं करना चाहिये।' वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद के प्रबंधन ने आवेश के व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस मामले की शिकायत भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई से की जाएगी।

क्या बदलेगा आईपीएल का पूरा फार्मेट? ललित मोदी के दावे से मचा हड़कंप, हजारों करोड़ हैं दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है और इस बार वजह है लीग के पूर्व आयुक्त ललित मोदी का बड़ा दावा। उन्होंने कहा है कि मौजूदा प्रारूप के कारण लीग हर साल हजारों करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व से वंचित हो रही है।

बता दें कि हाल ही में दो टीमों की ऊंची कीमत पर बिक्री के बाद आईपीएल की कुल वैल्यू को लेकर काफी उत्साह देखा गया, लेकिन ललित मोदी का मानना है कि मौजूदा ढांचा पूरी क्षमता के हिसाब से काम नहीं कर रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने यह सवाल उठाया है कि जब लीग में टीमों की संख्या बढ़कर दस हो चुकी है, तो फिर सभी टीमों के बीच पूरा घरेलू और बाहरी मुकाबलों का प्रारूप क्यों लागू नहीं किया जा रहा है।

गौरतलब है कि आईपीएल की शुरुआत में हर टीम के लिए तय था कि वह बाकी सभी टीमों के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगी। अगर इसी मॉडल को लागू किया जाए तो लीग चरण में कुल मुकाबलों की संख्या करीब 90 तक पहुंच सकती है, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले होते हैं। लेकिन फिलहाल लीग 74 मुकाबलों के साथ ही चल रही है, जिससे कई संभावित मैच कम हो जाते हैं।

ललित मोदी का कहना है कि हर मुकाबले से मिलने वाली आय का बड़ा हिस्सा सीधे बोर्ड और टीमों को जाता है। ऐसे में जब मैच कम होते हैं तो सीधा असर टीमों की कमाई और उनकी वैल्यू पर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ खेल का मामला नहीं बल्कि एक व्यावसायिक समझौता है, जिसमें टीमों को घरेलू और बाहरी दोनों तरह के मुकाबले मिलने चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने अनुमान लगाया है कि अगर पूरा घरेलू-बाहरी प्रारूप लागू किया जाए तो केवल प्रसारण अधिकारों से ही हजारों करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हो सकती है। उनका दावा है कि इससे बोर्ड को बड़ा फायदा होगा और टीमों की कमाई भी बढ़ेगी, जिससे उनकी बाजार कीमत अपने आप बढ़ जाएगी।

आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीगों में से एक बन चुकी है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में प्रारूप को लेकर उठ रहे सवाल यह संकेत देते हैं कि भविष्य में लीग के ढांचे पर फिर से विचार किया जा सकता है। हालांकि, व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और खिलाड़ियों के कार्यभार जैसे मुद्दे भी इस फैसले को प्रभावित करते हैं।

कुल मिलाकर यह बहस अब सिर्फ मैचों की संख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि लीग के आर्थिक मॉडल और दीर्घकालिक रणनीति से भी

जुड़ गई है। आने वाले समय में इस पर क्या फैसला होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

राजकुमार राव ने शुरू की गांगुली बायोपिक की शूटिंग

राजकुमार राव ने हाल ही में अपनी फिल्म टोस्टर की अनाउंसमेंट की थी, जो नेटफ्लिक्स पर 15 अपैल को रिलीज होगी। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की। बता दें कि एक्टर 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' फिल्म की शूटिंग की शुरुआत कर चुके हैं, जो पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली पर आधारित होगी। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कैप्शन दिया- और अब इसकी शुरुआत हो चुकी है। फिल्म को लव फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

बॉलीवुड सेलेब्स ने दी बधाई

पोस्ट शेयर करने के बाद बॉलीवुड सेलेब्स ने भी एक्टर को उनके प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दी हैं। फराह खान, नेहा धूपिया और सचेत टंडन ने पोस्ट पर 'ऑल द बेस्ट' कमेंट किया। वहीं ऋत्विक साहोरे, अपारशक्ति खुराना और ईशा अग्रवाल ने भी एक्टर की पोस्ट पर कमेंट कर बधाई दी।

फिल्म के बारे में

बता दें कि फिल्म को विक्रमादित्य मोटवानी डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली, जिन्हें 'दादा' के नाम से जाना जाता है, उनके जीवन और उनके क्रिकेटिंग करियर पर आधारित होगी। इस मूवी पर काफी समय से काम चल रहा था, और इसके लिए राजकुमार राव ने वजन भी घटाया है। हालांकि अभी तक फिल्म की अन्य कास्ट और इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

15 अप्रैल को रिलीज होगी 'टोस्टर'

राजकुमार राव फिल्म टोस्टर में नजर आने वाले हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म की बाकी कास्ट की बात करें तो इसमें राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरण सिंह, सीमा पाहवा और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कुब्रा सैत ने बताया कैसे हुई 'फर्जी 2' में एंट्री

कुब्रा सैत फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक लगातार काम कर रही हैं। वो कई बड़ी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हैं। अब अभिनेत्री शाहिद कपूर की 'फर्जी 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो में कुब्रा से फिर नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री ने शो को लेकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने 'फर्जी 2' को हां कहा था?

दोनों सीजन के लिए तुरंत कह दिया था हां

बातचीत के दौरान कुब्रा ने बताया कि उन्होंने 'फर्जी 2' के लिए तुरंत हामी भर दी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैंने सीजन एक और सीजन दो के लिए साइन कर लिया था। इसलिए आपको इसे देखना ही होगा, मैं कसम खाती हूं। मेकर्स ने मुझे बताया कि वे सीजन दो के लिए एक किरदार लिख रहे हैं। मैंने कहा, 'ठीक है।' उन्होंने कहा, 'आपको पहले सीजन एक करना होगा।' मैंने कहा, 'ठीक है।' बस बात खत्म और कुछ सोचने की जरूरत नहीं थी।

मैं नहीं लेती कोई दबाव

प्रोजेक्ट पर गर्व जताते हुए कुब्रा ने कहा कि शो जिस तरह से बना है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं दूसरे सीजन के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे बस इस बात की खुशी है कि मुझे मारा नहीं गया। मैंने लोगों को मारा, लेकिन मैं बच गई। मैं सीक्वल फिल्मों और

उनसे जुड़ी उम्मीदों को लेकर कोई दबाव नहीं लेती। ये राज और डीके का काम है, सुमन कुमार का काम है और किशोर का काम है। उन्हें करने दीजिए। मैं इन बातों की चिंता नहीं करती।

समय के साथ हुई मजबूत

समय के साथ अपने नजरिए में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि शायद जब मैं छोटी और अनुभवहीन थी, तब मैंने दबाव महसूस किया होगा, जब मुझे लगता था कि पूरी दुनिया मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन जब आपको पता होता है कि आपने अपना काम ईमानदारी से किया है, तो आप इसे जाने देते हैं। समय के साथ यह विश्वास और भी मजबूत हुआ है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में लोगों को समझने में समय लगता है। जब 'सेक्रेड गेम्स' रिलीज हुई, तब मैं मीडिया के लिए नई नहीं थी। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती रही। जब मैंने 'रेडी' की शूटिंग की, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि पीआर का मतलब क्या होता है? मैंने सचमुच एक रेस्टोरेंट के बाहर लोगों से इंटरव्यू लिया क्योंकि मैं चाहती थी कि लोग मुझे जानें।

राशा थडानी ने बताया क्यों पसंद हैं दक्षिण भारत की फिल्में!

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को साउथ सिनेमा में डेब्यू करके बेहद खुशी हो रही है। वो अपनी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' से साउथ में कदम रखने जा रही हैं और उन्होंने ये भी बताया है कि उन्हें वहां की क्या अच्छा लगता है।

राशा थडानी की साउथ सिनेमा में एंट्री

फिल्म इंडस्ट्री में अभी सिर्फ एक फिल्म ही कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' है। हाल ही में, इसी महीने उनके जन्मदिन पर, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के बिहाइंड द सीन्स का एक वीडियो रिलीज किया, जिसमें राशा थडानी के लुक की झलक मिलती है। फिल्म को मिल रहे रिएक्शन से एक्ट्रेस बेहद खुश हैं और इस नए प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड हैं। राशा थडानी ने पिछले साल आमन देवगन के साथ फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित राशा कहती हैं, 'मुझे साउथ सिनेमा देखना बहुत पसंद है, चाहे वो प्रभास सर की फिल्में हों, जूनियर एनटीआर सर की हों, महेश बाबू सर की हों या किसी और की। मुझे उनकी फिल्मों का भव्य अंदाज बहुत अच्छा लगता है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वाकई बेहद खुशी की बात है।' रश्मिका के बारे में बोलीं राशा 21 साल की राशा आगे कहती हैं कि उनकी फीमेल को-स्टार्स चाहे रश्मिका मंदाना हों या श्रीलीला, सभी बेहद प्रेरणादायक हैं।

राशा थडानी का साउथ में डेब्यू

राशा थडानी इस लव स्टोरी से साउथ सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं, जिसमें महेश बाबू के भतीजे जया कृष्णा घट्टमनेनी भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अजय भूपति कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले फिल्म आरएक्स 100 का निर्देशन किया था। श्रीनिवासा मंगपुरम की आधिकारिक घोषणा नवंबर 2025 में की गई थी।

राशा की फिल्म 'लाइका लाइकी'

अब राशा अपनी दूसरी फिल्म 'लाइका लाइकी' की रिलीज के लिए भी तैयार हैं, जिसमें उनके साथ अभय वर्मा लीड रोल में हैं। फिल्म के पहले पोस्टर इस साल की शुरुआत में जारी किए गए थे और एक्ट्रेस को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुशी है। पोस्टरों के अनोखे फीचर ने कहानी को लेकर फैंस को एक्साइटेड कर दिया है और राशा इस बात से खुश हैं कि दर्शक अभी से फिल्म को लेकर खुश हैं।

फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं राशा

फिल्म के बारे में बात करते हुए राशा कहती हैं, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत बड़ी होने वाली है, और यह पहले से ही है। निर्देशक सौरभ गुप्ता ने 'एनिमल' के डायलॉग लिखे हैं और अभय बहुत खास हैं। यह फिल्म लोगों को चौंका देगी और मुझे उम्मीद है कि यह लोगों की मुझसे अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।'

ऋषभ शेट्टी की 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में विलेन का किरदार निभाएंगे अर्जुन रामपाल

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल इन दिनों चर्चा में हैं। उनकी हालिया फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और अर्जुन के खलनायक किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इस सफलता के बाद अर्जुन रामपाल जल्द ही ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' में मुख्य विलेन के रूप में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में अर्जुन रामपाल एक ताकतवर विरोधी का किरदार निभाएंगे, जो मुख्य नायक यानी ऋषभ शेट्टी के किरदार से टक्कर लेगा। उनके इस रोल को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में पहले से ही उत्साह है। फैंस अर्जुन के नए अवतार के लिए बेहद उत्साहित हैं और उनकी एक्टिंग रेंज को इस रोल में और मजबूत होने की उम्मीद है। छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के महान योद्धा की जीवन गाथा पर आधारित एक महाकाव्य फिल्म है। इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, रणनीति, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम को दर्शाया जाएगा। फिल्म में शेफाली शाह राजमाता जीजाबाई के किरदार में दिखाई देंगी। प्रोडक्शन इस साल के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म तकनीकी दृष्टि से भव्य होगी और इसके सेट, विजुअल इफेक्ट्स और कॉस्ट्यूम डिजाइन को लेकर खास तैयारी की जा रही है।

अर्जुन रामपाल का किरदार

अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर 2' में अपने खलनायक किरदार के लिए खूब सराहना पाई। अब वह एक और बड़े प्रोजेक्ट में विलेन की भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित करने वाले हैं। उनकी भूमिका केवल एक विलेन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि फिल्म की थ्रिल और इमोशनल इंटेंसिटी में चार-चांद लगाएगी। सोशल मीडिया पर फैंस ने अर्जुन के इस नए अवतार को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। कई लोग मान रहे हैं कि यह किरदार उनकी एक्टिंग कैरियर के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। फिल्म जगत के जानकार इसे 2026-27 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक मान रहे हैं। अर्जुन रामपाल की विलेन भूमिका फिल्म को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं, 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार

अक्षय कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि उन्हें रणवीर सिंह की 'धुरंधर' फिल्मों में कोई प्रोपेगेंडा नहीं नजर आया। 'भूत बंगला' की रिलीज़ की तैयारी कर रहे एक्टर ने बातचीत में यह भी कहा कि यदि उन्हें मौका मिले तो 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार हैं।

अक्षय कुमार तकरीबन 36 साल से इंडस्ट्री में जमे हुए हैं। करीब 4 दशक के इस फिल्मी करियर में शायद ही ऐसा कोई किरदार है, जो अक्षय कुमार से अछूता रहा। एक्शन स्टार से लेकर कॉमिक जॉनर हो, मुद्दे वाली फिल्में हों या फिर देशभक्ति का अलख जगाने वाली फिल्में, अक्षय लगातार अपने क्राफ्ट के साथ एक्सपेरिमेंट्स करते चले गए। इन दिनों वह चर्चा अपनी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वे करीब 15-16 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिर से नजर आने वाले हैं।

किरदारों की बात की जाए, तो आप काफी दुस्साहसी और सिक्योर अभिनेता माने जाते हैं, आप रिस्क और एक्सपेरिमेंट्स से नहीं डरते?

जहां तक सिक्योर अभिनेता होने की बात है, तो मैं असल जिंदगी में भी ट्रैक पैंट और टीशर्ट में रहा हूं। ये अलग बात है कि अब अच्छे-अच्छे कपड़े पहनने मिल जाते हैं। अच्छी-अच्छी जगहों पर घूमने मिल जाता है। जहां तक सिक्योर एक्टर होने की बात है, तो भगवान ने मुझे बहुत कुछ दे दिया और वो भी अपने आप से। काम की बात करूं, तो बहुत सारा काम मेरे पास। जहां तक सिक्योरिटी की बात है, तो मेरे भीतर वो भरी हुई है। आज भी अगर कुछ ऊपर-नीचे हो जाए, तो मैं हैंडल कर लूंगा, क्योंकि मैंने खुद को असुरक्षित कभी नहीं रखा। क्या जरूरत है, रोल के छोटे -बड़े होने पर लड़ने-झगड़ने की? मैंने तो कई ऐसी फिल्में की हैं, जिसमें मेरा बड़ा रोल नहीं है। जैसे 'खाकी' में मैं इंटरवल में मर जाता हूं। मैं खुद को अहमियत देने के बजाय फिल्म को महत्व देता हूं। अब जैसे 'धुरंधर' का ही उदाहरण ले लो, अगर उसमें कोई छोटा रोल भी होता तो मैं कर लेता। मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं।

आप तो हर जॉनर की फिल्म कर चुके हैं, चाहे वो कर्मर्शियल हो, आर्ट या फिर कॉमेडी, मगर इन दिनों जो प्रोपेगेंडा फिल्में बन रही हैं, उसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

प्रोपेगेंडा फिल्में क्या होती हैं? मुझे नहीं पता। फिल्म अच्छी होती है या बुरी। ये टर्म मेरी समझ से परे है। मुझे 'धुरंधर' बहुत अच्छी लगी। मैंने वो फिल्म देखी। चाहे कोई कुछ भी कहे कि वो प्रोपेगेंडा फिल्म है। मगर मुझे वो फिल्म बहुत अच्छी लगी है।

आपका करियर ग्राफ देखा जाए तो आपने कई नए निर्देशकों के अलावा कई नई नायिकाओं को भी मौका दिया है। इस फिल्म में भी आपके साथ वामिका गब्बी जैसी नई हीरोइन हैं, इसका कोई खास कारण?

क्योंकि पुराने वाले करना नहीं चाहते, वो बहुत बड़े बन गए होते हैं। मैं मजाक कर रहा हूं। मैं नए लोगों के साथ इसलिए काम करता हूं कि एक तो उनमें कुछ नया करने की भूख रहती है। उन्हें भी एक बड़ा मौका मिल रहा होता है। मैं अपने करियर का ग्राफ देखता हूं, तो उसमें जितनी भी हिट फिल्में हैं, ज्यादातर नए लोगों से आई हैं। मैं तकरीबन 24-25 नई हीरोइनों के साथ काम कर चुका हूं। सभी बहुत कमाल की रहीं। मैं ये नहीं कह रहा कि वे हीरोइनें मेरी वजह से बन गईं, मैं मानता हूं कि उन नायिकाओं ने अपना लेडी लक मुझे लाकर दिया है।

इंडस्ट्री का भूत किसे मानते हैं?

भाई, हमारी इंडस्ट्री में कोई भूत-वूत नहीं है। हमारी इंडस्ट्री बढ़िया चल रही है। मुझे 36 साल हो गए, इंडस्ट्री ने काफी कुछ दिया है। ये बहुत ही खुशनुमा जगह है।

आपके साथी कलाकार राजपाल भी पिछले कुछ अरसे से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मुझे लगता है कि अच्छा -बुरा दौर तो हर इंसान की जिंदगी में आता है, मगर मैं एक एक्टर के रूप में इतना जरूर कह सकता हूं कि जब सीन में इनका रिस्पॉन्स आता है, तो मैं खुद को अच्छा लगने लगता हूं। इसी एक्शन-रिएक्शन की वजह से होता है ये। ऐसा ही सिलसिला मेरा परेश रावल के साथ भी चलता है। असरानी साहब भी उन्हीं अदाकारों में से थे। ये सभी उस किस्म के अदाकार हैं कि आप एवरेज भी होंगे तो बड़े लगने लग जाते हैं, क्योंकि इनका रिस्पॉन्स इतना कमाल का होता है। ये ऐसे कुछ एक्टर्स हैं, जिनके हाथ में जादू की छड़ी होती है, जो उनके लिए तो काम करती ही है, मगर ये उस छड़ी को दूसरों पर भी फेर देते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिंग प्रेस डी-85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी-148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com